

देहल्वी नैचूरल्स

एक ख़ाका

नव्वे साल से ख़ानदानी परमपरा जारी ...

देहल्वी नैचूरल्स एक प्रगतिशील संगठन है जो यूनानी नुस्खों पर आधारित औषधियां तैयार करता है जिसमें पुराने एवं नये प्रकार के नुस्खे शामिल हैं।

इस संगठन को हकीम मुहम्मद इलियास देहल्वी के बेटे हकीम मोहसिन देहल्वी ने विकसित किया। मोहसिन देहल्वी हाफिज़ मुहम्मद यूसुफ़ देहल्वी (संस्थापक शमा ग्रुप) के पोते हैं। सन् 1978 में हकीम मोहसिन देहल्वी अपने पूर्वजों की स्थापित की हुई दवा बनाने वाली संस्था से जुड़ गये जिसकी स्थापना सन् 1926 में हुई और जिसे उस समय देहली में बड़ा दवाखाना कहा जाता था। अपने पूर्वजों के पद चिन्हों पर चलते हुए हकीम मोहसिन देहल्वी ने अपनी बनाई हुई दवाओं की गुणवत्ता को बेहतर और शुद्ध बनाने का प्रयास किया। उन्होंने पैकेजिंग की पेशकश को ख़ूब से ख़ूबतर बनाया। यह संस्था ऐसे अनुभवी हकीमों और वैद्यों पर आधारित है जो अपने पेशे और दवाएं बनाने में विशेष अनुभव रखते हैं।

देहल्वी नैचूरल्स ने औषधियां बनाने के उद्देश्य से कई वानस्पतिक उत्पाद पेश किये हैं जो शरीर की सुरक्षा तथा सेहत के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। इस तरह मानव जाति को दुख देने वाले रोगों को दूर करने के लिये जो प्रगतिशील और संघर्ष पूर्ण प्रयास के बाद आपके लिये दवाएं तैयार की हैं वे आधुनिक शोधों के बाद आपके लिये भरोसेमंद दवाएं पेश करती हैं जिनका कोई दुष्प्रभाव नहीं होता। इसके अतिरिक्त युनानी औषधियों की तैयारी के सिलसिले में जो निर्देशन दिये हैं उनका देहल्वी नैचूरल्स पालन करती है। इसकी सभी औषधियां देशी कानून के अनुसार रजिस्टर्ड होती हैं और ड्रग

कन्ट्रोलर ऑफ इन्डिया के द्वारा स्वीकृत व जी.एम.पी. प्रमाणित होती हैं।

देहल्वी नैचूरल्स अपने तमाम नुस्खों में निरन्तर शोध के साथ-साथ नए प्रयोग करती रहती है और इसी आधार पर अपनी औषधियों को विश्वसनीय नुस्खों के अनुसार तैयार करती है। एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि हमारी दवाओं को जानवरों पर प्रयोग नहीं किया जाता है।

चूंकि वनस्पति एवं जड़ी बूटियों का कोई स्तर निर्धारित नहीं किया गया है, इसलिये विभिन्न जगहों पर उनके विभिन्न प्रभाव देखने को मिलते हैं। इन कमियों को दूर करने के लिये देहल्वी नैचूरल्स पूरी गहराई के साथ आधुनिक शोध व परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए औषधि गुणवत्ता के नियमों का पालन करती है। अपने उत्पाद को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिये कम्पनी आरम्भिक जांच पड़ताल में कम से कम दो वर्ष का समय लगाती है और इस बात का पूरा ध्यान रखती है कि इस उद्योग में शोध व संशोधन की क्रिया जारी रहे। यही कारण है कि इसकी तमाम उत्पादों की गुणवत्ता और प्रमाण पर अनुभवी डाक्टरों, हकीमों और वैद्यों की एक टीम सदैव नज़र रखती है और यही टीम अपने पूरे भरोसे व विश्वास के साथ रोगियों के लिए औषधियां पेश करती है जो उन्हें स्वस्थ व तन्दुरुस्त रखने में सहायक सिद्ध होती हैं। अगले पृष्ठों पर देहल्वी नैचूरल्स की आधुनिक युनानी दवाओं का अलग अलग विवरण दिया जा रहा है।

सूची पत्र

vk/kud jst		मूसली केसर प्राश	56
इम्यूनो बूस्ट	5	माइग्रा-कैप	58
ईजी-हील कैप्सूल	6	मेमोराईज	60
ऐक्टिलाइफ कैप्सूल	8	मैनसो-पी	62
ऐस्मा-कैप	10	नैचुरो-जाईम कैप्सूल	64
ऐपी-कैप	12	यूनिकैल कैप्सूल	66
ओबेलीन कैप्सूल	14	रेग्युलेट	68
औलिंगो-एस	15	रिह्युमा	69
ऑस्टो-पी	17	लिपोकैप	70
काम-डाउन	18	ल्यूको-क्योर	72
कुलिया बजरी-SF	20	लिव-ऑन कैप्सूल	74
कैलविट-सी	22	लैक्टा-एम कैप्सूल	75
जिर्यानिल	23	विगविट	77
जीवन-रक्षक कैप्सूल	24	साईनस-आई कैप्सूल	78
टैस्ट्रॉन	26	स्किकन-विलअर	80
ट्रीट हेयर केयर कैप्सूल	27	सेलुलाईट कंट्रोल आयल	81
ट्रीट हर्बल शैम्पू	29	स्ट्रैसोनिल	83
देहल्वी अंबर		सेन्न-केयर कैप्सूल्स	85
शिलाजीत कैप्सूल	30	हार्ट-केयर	86
डायब-ईज	31	हल्दी स्पोर्ट्स इन्जोरीज कैप्सूल	88
डिप्रैसोनिल	33	; qkuh ejDdckr ds dSI w	
ड्रैगन फोर्स	35	देहल्वी आर्द खुर्मा	
पर्ल कैल्सियम कैप्सूल	37	मुरक्कब कैप्सूल	90
पाईलीना कैप्सूल	38	देहल्वी उस्तखुददूस	
पावर-जेन कैप्सूल	39	मुरक्कब कैप्सूल	91
पीनाईल कैप्सूल	41	देहल्वी एल0 कबीर कैप्सूल	93
प्रेशर-ईज कैप्सूल	43	देहल्वी कमूनी	
प्रोस्टेट-बी एच	45	मुरक्कब कैप्सूल	95
फर्म-अप कैप्सूल	47	देहल्वी जरऊनी सादा	
फर्म-अप लोशन	48	मुरक्कब कैप्सूल	96
फ्रशन अप	50	देहल्वी जलाली	
फिर्मॉन	52	मुरक्कब कैप्सूल	98
मूसली केसर	53		

देहल्वी जौहरी कैप्सूल	99	देहल्वी निसोथ	124
देहल्वी डी0एम0एम0		देहल्वी नीम कैप्सूल	124
जवाहर वाली कैप्सूल	100	देहल्वी नीलोफर कैप्सूल	125
देहल्वी दबीदुल वर्द		देहल्वी पंमबादाना कैप्सूल	125
मुरक्कब कैप्सूल	101	देहल्वी पनर्नवा कैप्सूल	126
देहल्वी फलासफा		देहल्वी बाबची कैप्सूल	126
मुरक्कब कैप्सूल	103	देहल्वी बाबूना कैप्सूल	127
देहल्वी सालब		देहल्वी बीजबन्द कैप्सूल	128
मुरक्कब कैप्सूल	104	देहल्वी बेल कैप्सूल	128
देहल्वी सूरजान		देहल्वी बेहमन कैप्सूल	129
मुरक्कब कैप्सूल	107	देहल्वी ब्राह्मी कैप्सूल	130
fl xy gcl dSI w jst		देहल्वी मकोह कैप्सूल	131
देहल्वी अकरकराह कैप्सूल	109	देहल्वी मालकंगनी कैप्सूल	131
देहल्वी अदरक कैप्सूल	110	देहल्वी मुलेठी कैप्सूल	132
देहल्वी अर्जुना कैप्सूल	110	देहल्वी मूसली सफ़ेद कैप्सूल	133
देहल्वी असरोल कैप्सूल	111	देहल्वी मेथी कैप्सूल	133
देहल्वी अशोका कैप्सूल	112	देहल्वी मोचरस कैप्सूल	134
देहल्वी अश्वगंधा कैप्सूल	112	देहल्वी मारिगा कैप्सूल	135
देहल्वी आमला कैप्सूल	113	देहल्वी लहसुन कैप्सूल	135
देहल्वी एलो-वेरा कैप्सूल	114	देहल्वी लैवेंडर कैप्सूल	136
देहल्वी करेला कैप्सूल	114	देहल्वी वसाका कैप्सूल	137
देहल्वी कासनी कैप्सूल	115	देहल्वी विलायती	
देहल्वी कुल्थी कैप्सूल	116	इमली कैप्सूल	137
देहल्वी कौंच कैप्सूल	116	देहल्वी वीटग्रास कैप्सूल	138
देहल्वी कलौंजी कैप्सूल	117	देहल्वी शंखपुष्पी कैप्सूल	138
देहल्वी गावजबां कैप्सूल	117	देहल्वी शिलाजीत कैप्सूल	139
देहल्वी गिलो कैप्सूल	118	देहल्वी सतावर कैप्सूल	140
देहल्वी गुग्गुलु कैप्सूल	119	देहल्वी सना कैप्सूल	140
देहल्वी गुडमार कैप्सूल	119	देहल्वी सलाई-गुग्गुलु कैप्सूल	141
देहल्वी गोखरू कैप्सूल	120	देहल्वी स्पिरुलीना कैप्सूल	142
देहल्वी तगर कैप्सूल	121	ngYoh ds vkb.VeW	
देहल्वी तुलसी कैप्सूल	121	एक्जी क्रीम	143
देहल्वी त्रिकाटू कैप्सूल	122	डर्मा-एड आइण्टमेंट	144
देहल्वी त्रिफला	123	सोरो-एड आइण्टमेंट	145
		ngYoh ds upjy jI	147

इम्यूनो बूस्ट

fooj.k %

शरीर में एक आश्चर्यजनक प्राकृतिक इम्यून प्रणाली काम करती है। यह हमें करोड़ों जीवाणुओं वाइरस, विषैले पदार्थों तथा परजीवों आदि से सुरक्षा प्रदान करता है जो सदैव शरीर पर आक्रमण करते रहते हैं। यह इम्यून प्रणाली काफी जटिल है और हमारे जीवन के लिए ऐसे वातावरण में अति आवश्यक हो जाती है जहां खतरनाक रोगाणु सदा मौजूद हों। इस प्रणाली का एक भाग भी यदि खराब हो जाए तो शरीर के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। इस सत्य का हमें अक्सर तब आभास होता है जब या तो यह खराब हो जाए या नष्ट हो जाए। जैसे कि रक्त में लिम्फोसाइट पर एड्स के एच आई वी द्वारा हमले के समय होता है।

इम्यूनो बूस्ट प्राकृतिक पदार्थों का ऐसा मिश्रण है जो विशेषकर स्वस्थ इम्यून प्रणाली के लाभ हेतु ही बनाया गया है। ताकि रोगों से जल्दी और आसानी से लड़ा जा सके और बार-बार बीमार होने की प्रक्रिया पर नियंत्रण पाया जाए। इम्यूनो बूस्ट, प्राकृतिक इम्यून प्रणाली को सुदृढ़ कर रोगों से लड़ने की शक्ति बढ़ाता है और लम्बे समय तक प्रयोग करने पर पूर्णतया सुरक्षित है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

कलौंजी	(Nigella sativa Extact)	15 मि.ग्रा.
दशमूल	(Dashmool Extact)	20 मि.ग्रा.
मजीठ	(Rubia cordifolia Extact)	25 मि.ग्रा.
आमला	(Emblica officinalis Extact)	25 मि.ग्रा.
मुलेठी	(Glycyrrhiza glabra Extact)	25 मि.ग्रा.
हल्दी	(Curcuma longa Extact)	25 मि.ग्रा.
असगंद	(Withania somnifera Extact)	25 मि.ग्रा.
गिलो	(Tinospora cordifolia Extact)	40 मि.ग्रा.
गुग्गल	(Commifora mukkul Extact)	50 मि.ग्रा.
आमला	(Emblica officinalis Extact)	225 मि.ग्रा.

y{k.k %

अनुकूल पदार्थ (Adaptogen) के रूप में काम करता है और इम्यून प्रणाली को ठीक करता है और शरीर पर दुष्प्रभावों को रोक लगाने में सहायक है। शरीर को स्वभाविक क्रिया कलाप करने में सहायक है।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1 से 2 कैप्सूल प्रतिदिन प्रातःकाल।

12 वर्ष से अधिक के बच्चों को एक कैप्सूल दिया जा सकता है।

ijgst+o vkgkj %

कार्बोनेटेड पेय, मदिरा, कैफीन तथा अधिक नमक से परहेज़ करें। छोटी मछली, डेरी उत्पाद (दूध, पनीर आदि) सोया दूध, हरी सब्जियों, संपूर्ण अन्न और अपरिपक्व अनाज तथा मूंगफली आदि का अधिक प्रयोग करें। धूम्रपान न करें और पूरी नींद लें।

i Sdx %

60 कैप्सूल की बोतल।

ईजी-हील कैप्सूल

fooj.k :

गैंग्रीन या कोथ ऊतक का गल जाने अथवा उसकी मृत्यु हो जाने को कहते हैं जिसके कारण बहुत सारे हो सकते हैं जैसे संक्रमण, किसी रक्त वाहिनी में रक्त थक्के का बनना और रक्त प्रवाह में कमी आदि। ऐसा विशेषकर रक्त की सफ़लाई में अत्याधिक कमी के कारण होता है, जो अधिकतर दशाओं में किसी घाव के कारण से और फिर उस घाव में कीटाणु उत्पन्न होने के कारण हो जाता है।

एक व्यक्ति उस समय गैंग्रीन के खतरे में होता है जब उसे मधुमेह या उसे धमनीकलाकाटिन्य (धमनियों की दीवारों का उसके अन्तःअस्तरो में एथीरोमा बनने से मोटा एवं कठोर होना जिसके फलस्वरूप उनकी कोशिका तंग हो जाना) है — या तो मधुमेह के कारण से हो या रक्त में अत्यधिक मात्रा में वसा का बढ़ जाने के कारण से हो, किसी रक्त वाहिनी में रक्त थक्के का बनना — जो धमनीकलाकाटिन्य के कारण से भी हो सकता है और अत्यधिक ठण्ड के कारण खुले रहने वाले भागों में घाव हो जाने से। किन्तु गैंग्रीन का सब से बढ़ा कारण है प्रगामी धमनीकलाकाटिन्य। इसका दूसरा बढ़ा कारण है, जो धमनीकलाकाटिन्य रोग का भी एक कारण है, टाइप-2 मधुमेह (मधुमेह शक्करी) और जिसे मधुमेही कोथ भी कहते हैं।

ईजी-हील कैप्सूल गीली गैंग्रीन में बहुत लाभप्रद है जो मधुमेह के रोगियों को हो जाता है, जिसका कारण अधिकतर साधारण घाव होता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ:

पीपरमेन्ट तेल	(Peppermint Oil)	1 मिली लीटर
कीकर गोंद	(Acacia arabica)	1 मिली ग्राम
सन्दल तेल	(Sandal Wood Oil)	2.5 मिली लीटर
जवाखार	(Potassium Carbonate)	3 मिली ग्राम
बिहरोज़ा	(Pinus longifolia)	4 मिली ग्राम
राल सफ़ेद	(Veteria indica)	10 मिली ग्राम
इलाइची छोटी	(Elettaria cardamomum)	20 मिली ग्राम
फ़िटकरी	(Alumen)	20 मिली ग्राम
सफ़ेद जीरा	(Cuminum cyminum)	20 मिली ग्राम
कबाबचीनी	(Piper cubeba)	53 मिली ग्राम
तबाशीर	(Bambusa arundinacea)	165.5 मिली ग्राम
लाल गेरू	(Red Ochre)	200 मिली ग्राम

y{k.k %

मधुमेही कोथ ।

fu'ksk %

कोई नहीं ।

ndi kko %

कोई नहीं ।

l ou fof/k %

1 कैप्सूल दिन में 2 बार पानी से सेवन कराएं ।

ijgst+o vkgkj %

गैंग्रीन की रोकथाम और संक्रमण को रोकने के लिए मधुमेह के रोगियों (या प्रगामी धमनीकलाकाटिन्य के रोगियों) को यह सुझाव दिया जाता है कि वह अपने हाथों और पैरों का, विशेष रूप से नाखूनों का, ध्यान रखें। उन्हें अपने पैरों को प्रतिदिन साधारण गर्म (अधिक गर्म नहीं) पानी से धोना चाहिए, और पैर के नाखून का मांस में धंसना, घट्टा और गोखरू का तुरन्त रूप से चिकित्सा करें। उचित फिटिंग के जूते पहनें, जिसका सोल और उपरी हिस्सा कोमल हो, यदि कपड़े या चमड़े का बना हुआ हो तो अधिक अच्छा है। घर से बाहर नंगे पैर न निकलें और न पालथी मार कर बैठें क्योंकि इस प्रकार बैठने से टांगों और पैरों में रक्त परिसंचरण कम हो जाता है। उचित रक्त परिसंचरण वाले व्यक्तियों के यह एक साधारण सी बात है, लेकिन जिनके निचले अंग में रक्त परिसंचरण बिगड़ा हुआ है तो उनके लिए

यह एक बड़ी समस्या बन सकती है यहां तक कि उन्हें अपने पैरों से भी हाथ धोना पड़ सकता है।

ifda %

30 कैप्सूल का पैक ।

ऐक्टिलाइफ़ कैप्सूल

fooj.k :

आधुनिक टेक्नोलोजी के फलस्वरूप आज हम प्राकृतिक वातावरण को जिस प्रकार चाहें अनुकूल कर लेते हैं। ऐयर-कंडीशनिंग, घर के भीतर की रोशनियां, घर को केन्द्रित रूप में गर्म रखना, कीटनाशक दवाएं, भोजन को अधिक समय तक सुरक्षित रखने के लिए प्रयुक्त पदार्थ, कार, हवाई-जहाज़, पॉलिप्सटर, प्लास्टिक फुड असीम सुविधाएं हैं जिन्हें हम अपनी आवश्यकतानुसार अनुकूल करके प्रयोग में लाते हैं। किन्तु हमारी यह सुविधाएं या लाइफ-सर्पोटिंग नज़र आने वाली यह वस्तुएं अल्पकालिक में तो अच्छी लगती हैं लेकिन दीर्घ अवधि में तो यह दो-धारी तलवार हैं जिससे अनेक दुष्प्रभाव हाते हैं। इनमें से कुछ दुष्प्रभाव तो बड़ी तेज़ी के साथ स्पष्ट होकर सामने आ रहे हैं जैसे धुएँ और कोहरे का सम्मिश्रण, ओज़ोन परत का पतला होना, पृथ्वी के वायुमंडल में प्रदूषण के कारण तापवृद्धि एवं भारी धातु, कीटनाशक दवाएं, जंगली पौधों को नष्ट करने वाली दवाएं और अन्य रासायनिक पदार्थ जो हमारे कोमल व जटिल शरीर की बायो-केमिस्ट्री के इतिहास में पहली बार रक्त के प्रवाह में मिल रहे हैं। 'उत्तम जीवन' के ये अवशेष पृथ्वी की जातियों और जीव समूदाय की अनुकूलन एवं अस्तित्व में रहने की स्थिति में अब एक बड़ी समस्या बन गए हैं।

इन समस्याओं में अतिरिक्त वृद्धि उस समय हो जाती है जब हमें तीव्रता से बदलते हुए वातावरण के अनुसार स्वयं को अनुकूल बनाने की आवश्यकता उत्पन्न होती है परन्तु दुर्भाग्यवश हमारा पूरा समाज ही अपने शरीर को अनुकूल करने की प्राकृतिक क्षमता को नष्ट करने में लगा हुआ है। इसके लिए हम अपनी आवश्यकताओं के अनुसार वातावरण को ढालने का प्रयत्न तो करते हैं परन्तु स्वयं को नहीं ढालते। यह व्यंग्यात्मक है कि जितना भी हम स्वयं को वातावरण के परिवर्तनों से अलग करने की चेष्टा करेंगे उतना ही हम स्वयं को उन वस्तुओं से अलग कर देते हैं जिनसे हमें जीवन दान मिलता है। इसलिए जीवित रहने के लिए हमें अपने वातावरण के अनुसार अनुकूल होना चाहिए न कि उसके विपरीत। दूसरे शब्दों में गर्म मौसम से अनुकूल होने के लिए एअर-कनडिशनिंग पर निर्भर रहने के अतिरिक्त हमें स्वयं को शक्तिशाली बनाना चाहिए और शारीरिक एवं मन को लचीला बनाना चाहिए, और यहीं पर अनुकूल पदार्थों की महत्वता बढ़ जाती है। ऐक्टिलाइफ़ कैप्सूल में ऐसे तत्व हैं जो शरीर को विभिन्न दबाव के अनुसार अनुकूल बनाते

हैं। इसमें न तो विषैले तत्व हैं और न ही इसकी आदत पड़ती है। यह शरीर को इस प्रकार प्रभावित करता है कि उसके सामान्य कार्य पर किसी भी प्रकार का दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। ऐक्टिलाइफ़ कैप्सूल की सम्पूर्ण प्रभावों को वर्णित करना कठिन है क्योंकि इसका प्रभाव व्यक्तिगत रूप से अलग-अलग होता है। यदि आप मानसिक या शारीरिक रूप से थकावट का अनुभव कर रहे हैं तो यह कैप्सूल आप के अंदर कार्यशक्ति, तेजस्विता एवं जीवन का आनंद प्रदान करेगा – परन्तु यह सामान्य उत्तेजक नहीं है। यदि आप किसी मनोवैज्ञानिक दबाव में हैं या भावात्मक रूप से थके हुए हैं और ज़िंदगी से निपटने में असमर्थ हैं तो ऐक्टिलाइफ़ कैप्सूल आप को शान्ति पहुंचाता है और ज़िंदगी से निपटने में मदद करता है परन्तु यह ट्रैन्क्वीलाइज़र (शामक) नहीं है और आपके शरीर पर नशीले पदार्थ जैसा प्रभाव भी नहीं होगा। ऐक्टिलाइफ़ कैप्सूल में ऑक्सीकरण को रोकने अथवा उसे कम करने वाले कारक (Antioxidants) हैं जो शरीर को हानि पहुंचाने वाले मुक्त मूलकों (Free radicals) की क्रियाशीलता को समाप्त कर उन्हें निष्क्रिय कर देते हैं जो शरीर के चयापचय के समय ऑक्सीकरण की प्रक्रिया द्वारा निकलते हैं और जिनसे बहुत सारे रोग उत्पन्न होते हैं जैसे कोशिकाओं का व्यपजनन, कैंसर, समय से पूर्व वृद्धावस्था और कई अन्य रोग। ऐक्टिलाइफ़ कैप्सूल पूर्ण रूप से सुरक्षित एवं प्रभावी है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ:

ज़ाफ़रान	(Crocus sativus)	25 मिली ग्राम
तुलसी पत्ते	(Ocimum sanctum Extract)	50 मिली ग्राम
बासखपरा	(Boehavia diffusa Extract)	50 मिली ग्राम
हल्दी	(Curcuma longa Extract)	50 मिली ग्राम
मुलेठी	(Glycyrrhiza glabra Extract)	50 मिली ग्राम
बड़ी पीपल	(Piper longum Extract)	50 मिली ग्राम
बीजबंद काला	(Sida cordifolia Extract)	75 मिली ग्राम
मूसली सफ़ेद	(Chlorophytum arundinaceum Ext.)	75 मिली ग्राम
अश्वगन्धा	(Withania somnifera Extract)	75 मिली ग्राम

y{k.k %

मानसिक व शारीरिक थकान, रोग की समाप्ति के पश्चात् की कमज़ोरी, मनोवैज्ञानिक दबाव, मानसिक अवसाद (डिप्रेशन), चिंता व परेशानी, कार्य करने में मन का न लगना, नपुंसकता, प्रतिरक्षा क्षमता में कमी, खिलाड़ियों में फुर्ती बनाए रखने हेतु और समय से पूर्ण वृद्धावस्था।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल प्रातः सेवन कराएं। इसे 2-3 माह तक निरंतर सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

कैफीन, शराब, धूम्रपान, शक्कर, नमक और चिकनाई का सेवन न करें। शोधित, जले, भुने (तंदूरी) और तले हुए पदार्थों से भी परहेज़ करें।

कार्बोहाइड्रेट और रेशेदार आहार अधिक लें। सब्जियों का ज्यादा सेवन करें। दबाव को कम करने वाले भोजन जिसमें ज़िंक की मात्रा होती है जैसे समुद्री भोजन (ऑइस्टर), साबुत अनाज, कड़े छिलके वाले मेवे, अन्डे, और चिकनाई रहित गोश्त खाएं। अगर आप को दूध से बने पदार्थ के सेवन से कोई हानि नहीं होती तो पनीर और दही अपने आहार में शामिल कर लें।

i sdx %30 व 60 कैप्सूल का पैक।

ऐस्मा-कैप

fooj.k :

वर्तमान समाज में दमा एक जीर्ण बीमारी समझी जाती है। विश्व में लगभग 20 करोड़ लोग इस रोग से ग्रस्त हैं। अनुमान है कि यह रोग फैलता ही जा रहा है। पिछले दस सालों में लगभग 50 प्रतिशत यह रोग बढ़ चुका है। दमा फेफड़ों की घातक बीमारी है जो श्वास नलियों में कुछ रूकावटों के कारण पैदा होता है। यह रोग किसी भी उम्र में हो सकता है। दमा के दौरे में श्वास नलियों के आस-पास की मांसपेशियों में ऐंठन पैदा होती है जिससे सांस लेने में कठिनाई होती है। दमा के लक्षण हैं खांसी, सांस लेने में सीटी बजने जैसी आवाज़ निकलना, छाती में जकड़न तथा सांस लेने में कठिनाई। इस बीमारी का आक्रमण रोगी पर कुछ मिनट या कुछ घंटों तक रह सकता है।

दमा दो प्रकार का होता है (1) एलर्जी से पैदा होने वाला दमा और (2) बिना एलर्जी का दमा। अक्सर रोगी को विशेष वस्तुओं से एलर्जी होती है। ऐसी वस्तुओं में टंडी हवा, नशीली औषधियां, जानवरों का मल, चीनी, पोलेन (फूलों का पराग), पालतु जानवर, रासायनिक पदार्थ, धूल, चाएना साल्ट (MSG), दूषित वातावरण, भोजन को संरक्षित करने वाले रसायन तथा धुआ (विशेषतः तम्बाकू का धुआ) आदि शामिल हैं। बिना एलर्जी वाला दमा विशेष रूप से भावात्मक दबाव या तनाव, भय (बेचैनी), एड्रीनल ग्रन्थि में विकार, अपनी ओर ध्यान आकर्षित करना, अधिक व्यायाम इत्यादि

से होता है।

ऐस्मा—कैप दमा और श्वास नलियों की श्लेष्मिक कला की सूजन (ब्रोन्काइटिस) में लाभदायक है। इसमें श्वास नलियों का विस्कारण करने वाली, हिस्टामीन के प्रभावों को निष्फल करने वाली तथा बलगम को निकालने वाली जड़ी-बूटियाँ हैं जो एलर्जी पैदा करने वाली वस्तुओं के विरुद्ध प्राकृतिक बचाव करती हैं। ऐस्मा—कैप श्वास नलियों की सूजन और तंगी को दूर करती है और सार्वदैहिक शोफ (इडीमा)—फेफड़ों में तरल पदार्थ व बलगम जमने से रोकती है और श्वास मार्ग को फँलाती है जिसके कारण सांस लेने में आसानी होती है। ऐस्मा—कैप एलर्जी से पैदा होने वाले दमा के रोगी को मौसम के दुष्प्रभाव से बचाव करती है। ऐस्मा—कैप विशेष जड़ी-बूटियों से बनाई गई दवा है जिसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होता। यह पूर्णतया सुरक्षित है और इसका सेवन लम्बे समय तक कराया जा सकता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ:

ईरसा	(Iris germanica)	50 मिली ग्राम
काकड़ासिंगी	(Rhus succedanea)	50 मिली ग्राम
काली मिर्च	(Piper nigrum)	50 मिली ग्राम
अडूसा	(Adhatoda vasica)	50 मिली ग्राम
अजमोद	(Apium graveolens Extract)	50 मिली ग्राम
रुब्युस्सूस	(Glycyrrhiza glabra Dried Ext.)	50 मिली ग्राम
कुश्ता अबरक	(Talc Mica Calcined)	50 मिली ग्राम
जूफा	(Hyssopus officinalis)	50 मिली ग्राम
सोमलता	(Ephedra sinica Extract)	50 मिली ग्राम
खत्मी	(Althaea officinalis)	50 मिली ग्राम

y{k.k %

दमा, श्वास नलियों की श्लेष्मिक कला की सूजन (ब्रोन्काइटिस), छाती में जकड़न, सांस फूलना, श्वास नलियों में रोग, सांस बाहर छोड़ने में सीटी बजने जैसी आवाज़ निकलना, सांस लेने में कठिनाई तथा रात में लगातार खांसी।

fu'k'k %

हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), गर्भावस्था में तथा दूध पिलाने के दौरान इसका सेवन न कराएं।

nd i kko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1-1 कैप्सूल दिन में दो या तीन बार सेवन कराएं।

i jgst+o vkgk j %

अच्छे परिणाम के लिए जीवन शैली में आवश्यक परिवर्तन करें जैसे कुछ विशेष प्रकार के खानों, दूषित वातावरण तथा भावात्मक दबाव से बचें। दमा से बचने के लिए एलर्जी उत्पन्न करने वाले पदार्थ जैसे चीनी, केला, अण्डा, शीतल पदार्थ, तली हुई चीजें, आइसक्रीम, दूध से बने पदार्थ, तेज़ नमक, सफ़ेद पास्टा, आवरण युक्त मछली (शेलफिश), मूंगफली, भोजन को संरक्षित करने वाले रसायन, रासायनिक पदार्थ, नशीले पदार्थ, धूल, चाएना साल्ट (MSG), पालतु जानवर, बीडी, सिगरेट व तम्बाकू से दूर रहें। क्रोध, चिन्ता व बेचैनी से बचने की कोशिश करें। एस्प्रिन तथा गठिया रोग की औषधियाँ दमा में 5 प्रतिशत तक की वृद्धि कर सकती हैं।

प्रतिदिन खाने में 75 प्रतिशत हिस्सा फल, हरी सब्जियाँ, चिकनी मछली, अंकुरित अनाज और सूखे मेवे (बिना तले हुए) का होना चाहिए।

i sdx %

30 व 60 कैप्सूल का पैक।

ऐपी-कैप

fooj.k :

मिर्गी (अपस्मार) का रोग मनुष्य को इस संसार के प्रारंभ से ही कष्ट देता चला आ रहा है। इसका अनुमान चिकित्सकीय खोजबीन करने वाली पुस्तकों से लगाया जा सकता है। यह एक ऐसी अवस्था है जिसमें स्नायु प्रणाली प्रभावित होती है। मिर्गी के आक्रमण को 'दौरा पड़ जाना' भी कहते हैं। इस रोग की पहचान उस समय होती है जब रोगी को कम से कम ऐसे दो दौरें पड़ जाएं और जिसका कारण शराब को छोड़ देना या ब्लड शुगर (रक्त में शक्कर) का अत्यधिक कम हो जाना नहीं होता। मिर्गी का संबंध किसी मानसिक चोट या पारिवारिक रुझान से भी हो सकता है, लेकिन अधिकतर कारणों (70%) का पता नहीं है। मिर्गी का रोग साधारण रोग है और यह विकसित देशों में 2 प्रतिशत लोगों को होता है। मिर्गी का दौरा उस वक्त पड़ता है जब स्नायु कोशिकाओं में बिजली जैसे झटके आने लगते हैं जिन पर काबू न पाया जा सके। दौरे से मानसिक चेतना, गतिविधि और अनुभूति पर प्रभाव पड़ता है।

ऐपी-कैप स्नायु प्रणाली को शक्ति देती है और यह एक दौरा निरोधक दवा है। क्योंकि यह दवा दौरा निरोधक है इसलिए यह शरीर की ऐंठन और दौरे जैसे मिर्गी का दौरा, बालमिर्गी तथा मांसपेशीय लहर में लाभदायक है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

जुंद बिदस्तर	(Castoreum)	35 मिली ग्राम
एलुआ	(Aloe vera Dessicated)	35 मिली ग्राम
सलाए-गुगुल	(Boswellia serrata)	35 मिली ग्राम
ब्रह्मी	(Centella asiatica)	130 मिली ग्राम
संखाहुली	(Evolvulus alsinoides)	130 मिली ग्राम
ऊद सलीब	(Paeonia officinalis)	135 मिली ग्राम

y{k.k %

मिर्गी (अपस्मार), बालमिर्गी तथा मांसपेशीय लहर।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i kko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

2-2 कैप्सूल दिन में दो बार पानी के साथ सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

शराब, धूम्रपान, मार्जरिन (वनस्पति तेलों या चर्बी से बना मक्खन), नमक, चाएना साल्ट (MSG), भोजन को संरक्षित करने वाले रसायन, चीनी व मिठास बढ़ाने वाले पदार्थ और रिफाइन्ड तेल से परहेज करें। चिकनाई युक्त दूध से बने पदार्थ, मछली, मांस, मुर्गा, टर्की, शराब, कैफीन, सोडा, अण्डा, तली हुई चीजें, तम्बाकू, छना हुआ आटा और मशीन द्वारा बना और मांसाहारी खानों से भी परहेज करें। इनमें रासायनिक तत्व, कीटनाशक दवा या जहरीले पदार्थ की मिलावट होती है जो शरीर पर खतरनाक प्रभाव डालती है। अपना शरीर साफ-सुथरा रखना चाहिए ताकि दौरा बार-बार न पड़े और न ही दौरे की सख्ती हो। जितना हो सके तनाव और खिचाव से दूर रहें। एल्यूमिनियम के बर्तनों को खाना पकाने के लिए प्रयोग न करें क्योंकि मिर्गी ग्रस्त लोगों के मस्तिष्क में अधिक एल्यूमिनियम पाया जाता है।

ताजी सब्जियों और फलों का सेवन करें। यह पूर्णतया: पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं जो पोषण की कमी वाली कोशिकाओं को आहार प्रदान करते हैं और जो बीमारी की गंभीरता को रोकते हैं। मस्तिष्क में रक्त की गति को ठीक रखने के लिये प्रतिदिन व्यायाम करें। दौरों के समय रोगी का मुंह खोलने का प्रयास न करें और न ही उसके दांतों के बीच कुछ रखने का प्रयास करें। रोगी के कपड़े ढीले कर दें और देखते रहें कि वह किसी खतरे में न हो। रोगी को करवट से लिटा दें, ऐसा

करने से मुंह से लार व उल्टी आदि आसानी से बाहर निकल जाएगी।

isdax %

28 कैप्सूल का पैक।

ओबेलीन कैप्सूल

fooj.k :

ग्लोबलाइजेशन तथा आर्थिक उन्नति के कारण कमर का नाप बढ़ रहा है कि इंडियन काउन्सिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के अनुसार 48.6% स्त्रियों में तथा 35% प्रतिशत पुरुषों में जो शहरी इलाके में रहते हैं। वह मोटापे से ग्रस्त हो जाते हैं। इससे उनका स्वास्थ्य गिरने लगता है जिससे वो आन्तरिक रूप से कमजोर हो जाते हैं तथा हृदय रोग हड्डियों तथा जोड़ों की पीड़ा मधुमेह, कैंसर तथा उच्च रक्तचाप जैसी बीमारीयां हो जाती हैं। यह गलत है कि मोटापे का केवल जवानों और बालियों पर ही प्रभाव पड़ता है बल्कि यह किसी भी आयु में हो सकता है। इसके लक्षण बाल्यावस्था में ही नजर आने लगते हैं।

ओबेलीन कैप्सूल जड़ी बूटियों द्वारा बनाई गई एक ऐसी औषधि है जो बिना किसी दुष्प्रभाव के मोटापे को कम करती है यह अनेक प्रकार के शरीर के भार कम करने की तकनीकों से संबधित है। यह भूख को नियमित करने में सहायक है तथा संतुष्टि का अहसास दिलाती है जिससे खाने की इच्छा नियमित हो जाती है। यह धीरे-धीरे चर्बी को घुलाती है। यह उन औषधियों से बहतर है जो बिना किसी प्रयास के वजन तुरंत कम कर देती हैं, वे वास्तव में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

कुल्थी	(Dolichos biflorus)	40 मिली ग्राम
बूरा अरमनी	(Armenian Bole)	40 मिली ग्राम
लाख	(Cateria lacca Purified)	40 मिली ग्राम
शिलाजीत	(Asphaltum)	40 मिली ग्राम
वरुन छाल	(Crataeva nurvula)	40 मिली ग्राम
सौंफ	(Foeniculum valgare)	100 मिली ग्राम
अजवाएन	(Ptychotis ajowan)	100 मिली ग्राम
काला जीरा	(Carum carvi)	100 मिली ग्राम

y{k.k %

मोटापे में भूख पर काबू करना, चयापचय ठीक करना तथा कॉलिस्ट्रॉल कम करना।

fu'ksk %

गर्भावस्था में तथा गुर्दे की विफलता में इसका सेवन न कराएं।

nd i hko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

दो-दो कैप्सूल दिन में दो बार भोजन से 30 मिनट पूर्व एक गिलास पानी के साथ दें। इस दवा का सेवन दी गई मात्रा में ही करें। अच्छे परिणामों के लिए ओबेलीन का पांच-छह महिने तक लगातार प्रयोग करें। हर व्यक्ति का शरीर अलग-अलग प्रकार का होता है उसी के अनुसार परिणाम भी भिन्न होने आवश्यक हैं।

ijgst+o vkgkj %

मोटापा कम करने के लिए कम चिकने एवं अधिक रेशेदार भोजन खाना चाहिए तथा व्यायाम करना अति आवश्यक है जिससे शरीर का भार स्थायी एवं नियमित रह सके। सुबह का नाश्ता अवश्य करें तथा पानी अधिक मात्रा में पियें, लगभग दस गिलास पानी प्रतिदिन पीयें। अधिक नमक के सेवन से बचें और दो बार खाना खाने के बजाए दिन में 2-3 घंटे के अंतराल में 3-4 छोटे-छोटे भोजन लें, परन्तु सांय 8 बजे के बाद भोजन न करें। फलों और सब्जियों का इस्तेमाल ज़्यादा करें। चावल, आलू, चाकलेट, शराब, आइसक्रीम, पनीर, मक्खन और मिष्ठान न लें। क्रीम निकला दूध लें।

isdax %

60 कैप्सूल का पैक।

औलिगो-एस

fooj.k :

अल्पशुक्राणुता का मतलब है वीर्य में सामान्य संख्या से कम शुक्राणु। एक समय में कम से कम 3 मिली लीटर वीर्य निकलना चाहिए। शुक्राणु की सामान्य रेंज 20 Million/ml से 250 Million/ml तक होती है। 60 प्रतिशत गतिशील एवं सामान्य शुक्राणु होने चाहिए। जिन मर्दों में 20 Million/ml से कम शुक्राणु हों उन्हें अल्पशुक्राणुता का रोग होता है।

हाल ही में किये जाने वाली जांच के अनुसार अल्पशुक्राणुता का रोग बढ़ता जा रहा है। औलिगो-एस में शुक्राणुओं को उत्पन्न करने वाले पदार्थ होते हैं। जिन लोगों को सन्तान नहीं होती उनके अन्दर शुक्राणु उत्पन्न करके उनकी इस कमी को पूरा करता है। साथ ही सामान्य शारीरिक दुर्बलता को दूर करता है। शरीर की सामान्य गरिमा को भी बढ़ाता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

अम्बर	(Ambra grasea)	10 मिली ग्राम
जाफ़रान	(Crocus sativus)	10 मिली ग्राम
आकरकर्हा	(Anacyclus pyrethrum)	25 मिली ग्राम
हालून	(Lepidium sativum)	25 मिली ग्राम
इंदरजो मीठा	(Wrightia tinctoria)	25 मिली ग्राम
शकाकुल मिसरी	(Pastinaca sativa)	25 मिली ग्राम
उटंगन बीज	(Blepharis edulis)	25 मिली ग्राम
संभालू बीज	(Vitex negundo)	25 मिली ग्राम
मूसली सफ़ेद	(Chlorophytum arundinaceum)	50 मिली ग्राम
मूसली काली	(Curculigo orchoides)	50 मिली ग्राम
सिंघाड़ा	(Trapa bispinosa)	50 मिली ग्राम
सालब मिसरी	(Orchis latifolia)	50 मिली ग्राम
जौहर खुसिया	(Goat's Testis Powder)	130 मिली ग्राम

y{k.k %

अल्पशुक्राणुता, सामान्य शारीरिक दुर्बलता, बांझपन, गतिहीन शुक्राणु, असामान्य शुक्राणु और पौरुष शक्ति की कमी।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i hko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

दो कैप्सूल दिन में दो बार एक गिलास दूध के साथ सेवन कराएं। इसे 3-4 माह तक सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

तंग कपड़े ना पहने और गर्म पानी से स्नान न करें क्योंकि अंडकोष गर्म हो जाते हैं और शुक्राणु कम बनने लगते हैं। धूम्रपान, कैफ़ीन, नशीले पदार्थ, शराब और मनोवैज्ञानिक दबाव बांझपन पैदा करते हैं। शिश्न को कीटनाशक दवाएं, सीसा, विकरण, भारी धातु और बुढ़ापा बहुत अधिक प्रभावित करता है।

अच्छा आहार और जीवन शैली में बदलाव गर्भधारण कराने में मदद करते हैं। लाल गोश्त और दूध से बने पदार्थ में अमीनो एसिड होता है जो शुक्राणुओं की गतिशीलता बढ़ाता है और शुक्राणुओं के रूप व रचना को बेहतर करता है।

ऑइसटर, सार्डीन मछली, प्याज़ और छोटी इलाइची का सेवन करें।

ifdx %

28 कैप्सूल का पैक।

ऑस्टो-पी

fooj.k :

अस्थिभंगुरता (ऑस्टियोपोरोसिस), जिसका मतलब होता है हड्डियों की छिद्रलता, के कारण हड्डियां इतनी कमजोर और भंगुर हो जाती हैं कि केवल मामूली झुकने से, कोई भारी वस्तु उठाने से या केवल खांसने से ही हड्डियां टूट जाती हैं। इस रोग से ग्रसित लोगों की हड्डियां धीरे-धीरे खोखला होने लगती हैं। ज्यादातर हड्डियों की कमजोरी कैल्सियम, फ़ास्फ़ोरस या दूसरे खनिज पदार्थों में कमी से होती है। सामान्यतः हड्डियां उम्र के अनुसार कमजोर होने लगती हैं, बालिगों में शायद 0.7% प्रतिवर्ष होती है। मासिक धर्म रूक जाने के बाद स्त्रीयों में हड्डियां ज्यादा कमजोर होने लगती हैं (पांच वर्ष तक 2-5% प्रतिवर्ष)। उसी उम्र में पुरुषों को ऐसी शिकायत कम होती है। मासिक धर्म के रूक जाने से स्त्रियों में अस्थिभंगुरता हो जाती है क्योंकि इसमें नारी हार्मोन की कमी होती है। 50 प्रतिशत 45 से 75 साल की उम्र की स्त्रियों में यह रोग होता है जिसमें से 30 प्रतिशत गंभीर होते हैं।

ऑस्टो-पी जड़ी बूटीयों व खनिज पदार्थों से बनाई जाने वाली असरकारक औषधि है जो हड्डियों की चयापचय में सहायता करती है और हड्डियों के घनत्व को बढ़ाती है। इसके सेवन से हड्डियों की छिद्रलता कम हो जाती है और हड्डियां कम टूटती हैं। ऑस्टो-पी में प्राकृतिक कैल्सियम होता है इसलिए यह खून में कैल्सियम का सन्तुलन बनाती है जिस से मूत्र ग्रंथि में कैल्सियम से बनने वाली पथरियों का खतरा नहीं होता। ऑस्टो-पी में शामिल प्राकृतिक नारी हार्मोन बिना किसी दुष्प्रभाव के विभिन्न हार्मोन बनाता है तथा उनमें सन्तुलन बनाये रखता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

कुश्ता सदफ़	(Cypraea moneta Calx.)	75 मिली ग्राम
कुश्ता गौदन्ती	(Gypsum Calx.)	75 मिली ग्राम
बड़ी पीपल	(Piper longum Extract)	75 मिली ग्राम
कुचला	(Strychnos Nux-vomica)	75 मिली ग्राम
सलाजीत	(Asphaltum)	100 मिली ग्राम
अश्वगन्धा	(Withania somnifera Extract)	100 मिली ग्राम

y{k.k %

मासिक धर्म के रूक जाने से अस्थिभंगुरता, वृद्धावस्था के कारण स्त्रियों एवं पुरुषों में अस्थिभंगुरता, गर्भावस्था के बाद अस्थिभंगुरता, किसी दवा के सेवन की वजह से अस्थिभंगुरता और हड्डियों का टूटना।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i kko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

2-2 कैप्सूल दिन में दो बार खाने के साथ सेवन कराएं।

i jgst+o vkgkj %

धूम्रपान, अत्यधिक शराब और कैफीन से बचें। चीनी, पेस्ट्रीज़, अधिक नमक, शराब व कोला पेय, डबलरोटी, मिठाई, चॉकलेट, अधिक मात्रा में नमक इत्यादि कैल्सियम को शरीर से बाहर निकालते हैं।

कैल्सियम और विटामिन-डी युक्त पदार्थों का सेवन ज्यादा करें और वजन उठाने वाले व्यायाम करें। सप्ताह में कम से कम 3 बार 20 मिनट तक व्यायाम करें। जिन पदार्थों में कैल्सियम की अधिक मात्रा है वे हैं दूध, पनीर, दही, सालमन मछली, सार्डीन मछली, सूखे मेवे विशेष रूप से बादाम, गहरे हरे रंग की सब्जियां, बेकड बींस और ब्रॉकली। विटामिन-डी का सबसे अच्छा स्रोत अंडा और बकरे का यकृत है। सप्ताह में दो या तीन बार 15 मिनट धूप में बैठना लाभदायक है।

ifdx %

30 व 60 कैप्सूल का पैक।

काम-डाउन

fooj.k :

चिन्ता व परेशानी मनुष्य की दिनचर्या को बिगाड़ कर रख देती हैं। एक अनुमान है कि लगभग दुनिया के 6.5% लोग इस रोग से दुखी हैं। चिन्ता व परेशानी का कारण अक्सर कुछ बिमारियां होती हैं जो मनुष्य के जैविक निर्माण तथा जीवन के अनुभव से सम्बन्ध रखती हैं और जिनका सम्बन्ध पारिवारिक होता है। चिन्ता व परेशानी मनुष्य को दुर्बल बना देने वाली और भयभीत अवस्था है जो पीड़ित को दूसरों से छिपने को मजबूर कर देती है। चिन्ता व परेशानी कई प्रकार की होती है और हर एक के विभिन्न लक्षण होते हैं। चिन्ता व परेशानी का रोग आपको बिना

किसी कारण के चिंतित रखता है। या कभी-कभी इस रोग का अनुभव इतना हानिकारक हो जाता है कि रोगी अपने प्रतिदिन के कार्य को भी छोड़ देता है। कभी-कभी आपको चिन्ता व परेशानी के यदा-कदा हमले पड़ते हैं जिससे आप डर जाते हैं और चलने-फिरने में असमर्थ हो जाते हैं। मानसिक रोगों में सबसे आम चिन्ता व परेशानी है और यह रोग किसी भी उम्र में हो सकता है।

इस रोग के प्रभाव की शारीरिक पहचान में जो बातें पाई जाती हैं उनमें हथेलियों में पसीना आना, चक्कर आना, दस्त, पाचनक्रिया में गड़बड़ी, गले में कुछ रुकावट का महसूस होना, नींद न आना और बेचैनी। इसके अतिरिक्त भी बहुत से शारीरिक कष्ट इस रोग से होते हैं। इसमें रोगी को बिना किसी कारण के हर चीज़ में संदेह, बेचैनी और भय का अहसास रहता है। रोगी की दिल की धड़कन तेज़ हो जाती है, छाती में खिचाव, सांस लेने में तेज़ी और हाथ पैरों में झुनझुनी होती है। चिन्ता व परेशानी के लम्बे समय तक रहने से रोगक्षमता और ग्रांथिल संस्थानों पर प्रभाव पड़ता है जिसके कारण यह शरीर को थका देता है।

काम-डाउन पुरानी चिन्ता व परेशानी को बिना किसी हानिकारक प्रभाव के कम करती है। इसमें ऐसी जड़ी बूटियां शामिल हैं जो अधिवृक्क ग्रन्थि तथा मस्तिष्क की सहायता करती हैं जिसके द्वारा चिन्ता व परेशानी नियंत्रण में हो जाती हैं। काम-डाउन मानसिक शान्ति देती है और सामान्य नींद लाती है। शरीर व मस्तिष्क के बीच एक सामंजस्य पैदा करती है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ:

ब्रह्मी	(Centella asiatica Extract)	50 मिली ग्राम
उस्तरुदूस	(Lavandula stoechas Extract)	50 मिली ग्राम
काली मिर्च	(Piper nigrum Extract)	50 मिली ग्राम
संखाहुली	(Evolvulus alsinoides Extract)	50 मिली ग्राम
असरोल	(Rauwolfia serpentina Extract)	300 मिली ग्राम

y{k.k %

पुरानी चिन्ता व परेशानी, आम फिक्र व ग़म (GAD), भय, सामाजिक चिन्ता, संदेह, भावात्मक गड़बड़ी, अनिद्रा, चिड़चिड़ापन और बच्चों में अधिक क्रियाशीलता और आक्रामक व्यवहार इत्यादि।

fu'ksk %

कोई नहीं।

ng i tkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

एक या दो कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के बाद पानी के साथ सेवन कराएं। 6 साल से अधिक उम्र के बच्चों को एक-एक कैप्सूल दिन में दो बार सेवन कराएं। इस दवा का सेवन दी गई मात्रा में उस समय तक कराते रहें जब तक कि रोग के लक्षण पाए जाएं और जैसे-जैसे यह लक्षण कम होते जाएं दवा की मात्रा कम करते जाएं। जब रोग के लक्षण समाप्त हो जाएं तो कुछ सप्ताह तक इस दवा का सेवन जारी रखने के बाद इसे बंद करा दें।

ijgst+o vkgkj %

कैफीन, शराब, चॉकलेट, कार्बोहाइड्रेट पदार्थ, शक्कर, मिठाइयां, स्टार्च, सन्तरे का शर्बत, शोधित पदार्थ और एलर्जी उत्पन्न करने वाले पदार्थ जैसे दूध से बने पदार्थ, सोया बीन, नींबू संतरा आदि, मूंगफली, सूखे मेवे, गेंहू, अण्डा, मछली, मक्का, भोजन के स्वाद, रंग एवं उसकी खुशबू तथा अन्य गुणों को बढ़ाने के लिए उसमें मिलाया जाने वाला पदार्थ आदि से परहेज़ करें।

ताज़ी सब्जियां, फल, अंकुरित अनाज और प्रोटीन जो स्नायुओं को पोष्टिक आहार देता है, इनका सेवन अधिक मात्रा में करें। नियमित व्यायाम मनोदशा को सुधारता है और चिन्ता आदि को कम करता है।

i fdk %

28 कैप्सूल का पैक।

कुलिया बजूरी-SF

fooj.k %

यकृत शरीर के अन्दर सबसे बड़ा अंग और शरीर की सबसे बड़ी ग्रन्थि है। यकृत कई शारीरिक प्रकृतियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है विशेषकर हाजमा, चयापचय विषाक्त पदार्थों, विटामिन व मिनरल का संचयन, कई अति आवश्यक प्रोटीन व पित्त की उत्पत्ति आदि। ऐसे कई रोग हैं जो यकृत पर असर डालते हैं। यकृत विकारों के लक्षण में थकान, वज़न का कम होना, मतली, जी मचलाना और त्वचा का पीलापन (पीलिया) शामिल है।

वृक्क या गुर्दे शरीर में रक्त की सफाई करते हैं। हमारे शरीर का समस्त रक्त दिन में अनेकों बार गुर्दों से छनता है। गुर्दे शरीर से बेकार पदार्थों को बाहर करते, शरीर में द्रव की मात्रा संतुलित करते और इलेक्ट्रोलाइट को उचित मात्रा में बनाए रखते हैं। रक्त छानने से मूत्र बचता है जो मूत्र नलिकाओं द्वारा मूत्राशय में जमा होता है। प्रत्येक गुर्दे में लगभग 10 लाख इकाइयां होती हैं जिन्हें नेफ्रॉन कहते हैं। इस

बात की संभावना है कि गुर्दों की 90 % कार्यकुशलता समाप्त हो चुकी हो और हमें पता भी न चले। हमारे गुर्दे संस्थान (Renal System) में विकार के कुछ लक्षण हैं, गुर्दे एवं इसकी श्रोणि का शोथ (Pyelonephritis), गुर्दे के शोथ के साथ गुर्दा केशिकागुच्छों एवं गुर्दा नलिकाओं का शोथ (Glomerulonephritis), गुर्दों में पथरी, Polycystic kidney disease और मूत्र का रूक जाना।

कुलिया बजूरी—SF एक विशेष शकर रहित उत्पाद है जो गुर्दों और यकृत को सामान्य रूप से कार्य करने में सहायक है ताकि यह महत्वपूर्ण अंग अपना काम स्वभाविक और प्राकृतिक ढंग से करते रहें।

कुलिया बजूरी—SF दूषित रक्त को साफ करती है और यकृत को शरीर से बेकार विषाक्त पदार्थों को बाहर करने में मदद करती है जो नशीले पदार्थ, जीवाणु, कीटाणु, खाने में मिलाए जाने वाले कृत्रिम पदार्थ, रसायन, वसा, अलकोहल आदि। यह यकृत गुर्दों और मूत्राशय के पित्तीय असर को अधिक मात्रा में मूत्र द्वारा शरीर से बाहर करती है और पीलिया की गर्मी के कारण बुखार को कम करती है। यह पीलिया में बहुत लाभकारी है। कुलिया बजूरी—SF गुर्दों में पथरी बनने से रोकती है और मूत्राशय व गुर्दों की पथरी को घुला कर बाहर करने में सहायक है। यह मूत्रल (diuretic) के रूप में काम करता है और मूत्र के pH को सामान्य कर मूत्र की जलन समाप्त करती है। मूत्राशय की जलन और सूजन को दूर करती है। कुलिया बजूरी—SF मूत्र नलिका के संक्रमण में भी लाभकारी है।

feJ.k %

प्रत्येक 10 मि.ली. की खुराक में शामिल पदार्थ :

गोखरू	(Tribulus terrestris)	500 मि.ग्रा.
बेखे कासनी	(Cichorium intybus)	500 मि.ग्रा.
तुख्म कासनी	(Cichorium intybus)	500 मि.ग्रा.
तुख्म खर्बूजा	(Cucumis melo)	500 मि.ग्रा.
तुख्म खीरा	(Cucumis sativus)	500 मि.ग्रा.
बेखे बदियान	(Foeniculum vulgare)	500 मि.ग्रा.
शकर रहित बेस	(Sugar Free Base)	आवश्यकतानुसार

y{k.k %

पित्त, विषाक्त रक्त, मूत्र में जलन, मूत्र का कम होना, पित्तीय गर्मी से बुखार, मूत्राशय में सूजन, पीलिया, यकृत का ठीक काम न करना, मूत्र नलिका संक्रमण आदि।

fu'k'k %

गर्भ के पहले त्रिमास (Trimester) में सेवन निषेध है। दूसरे त्रिमास में चिकित्सक परामर्श द्वारा दिया जा सकता है।

nd iHkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

10 मि.ली. प्रतिदिन सुबह—शाम।

ijgst+o vkgkj %

कम वसा और अधिक तन्तुओं वाला भोजन खाएं, पानी अधिक पिएं। यह शरीर को विशैले पदार्थों को साफ करने और अन्दर बेकार पदार्थों को दूर करने में सहायक होगा। मदिरा और मादक पदार्थों का सेवन न करें।, बाजार का पैक किया खाना और अन्य हानिकारक खाद्य पदार्थों से परहेज करें। भोजन में हरी सब्जियां और ताजे फल अवश्य लें। साथ ही कम प्रोटीन वाला भोजन और मछली, टोफू (tofu) और बीन व लेन्टिल लें।

i fda x %

200 मि.ली. और 500 मि.ली. की पेट बोटल।

कैलवित-सी

fooj .k :

कैलवित—सी में प्राकृतिक कैल्सियम और विटामिन—सी शामिल हैं। कैल्सियम स्वस्थ हड्डियों और मजबूत दांतों के विकास के लिए आवश्यक है। गर्भवती महिलाओं, दूध पिलाने वाली मांओं, बच्चों और किशोरावस्था में कैल्सियम की आवश्यकता इस अवस्था में भोजन से प्राप्त होने वाले कैल्सियम की मात्रा से अधिक होती है। कैल्सियम हड्डियों की छिद्रलता (ऑस्टियोपोरोसिस) के लिये लाभदायक है तथा खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को नियंत्रण में रखता है। कैल्सियम स्नायुओं, मांसपेशियों तथा पाचन क्रिया को सहायता देती है, हृदय की मांसपेशियों तथा नौद को नियंत्रण में रखती है। कैल्सियम बच्चों के बढ़ने वाली उम्र में स्वस्थ हड्डियों के लिए, हड्डियों के जुड़ने में तथा कैल्सियम हीनता संलक्षण में लाभदायक है। विटामिन—सी उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड प्रेशर) और कोलेस्ट्रॉल को कम करती है, खून को पतला करती है और ऑक्सीकरण से बचाती है। विटामिन—सी धमनियों की दीवारों को मोटा एवं कठोर होने से रोकती है। विटामिन—सी की पर्याप्त मात्रा लेने से मस्तिष्क में रक्तस्राव तथा दिल का दौरा पड़ने से भी बचाव होता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

कुश्ता सदफ	(Cypraea moneta Calx.)	40 मिली ग्राम
------------	------------------------	---------------

कुशता गौदन्ती	(Gypsum Calx.)	40 मिली ग्राम
सिंघाड़ा	(Trapa bispinosa)	40 मिली ग्राम
आंवला रस	(Emblica officinalis Fresh)	50 मिली ग्राम
आंवला सूखा	(Emblica officinalis)	330 मिली ग्राम

y{k.k %

हड्डियों की छिद्रलता, मासिक धर्म के रुक जाने के कारण हड्डियों का प्रतिगमन और कैल्सियम तथा विटामिन-सी की कमी।

fu'k'k %

जिन लोगों के गुर्दों में पथरी है या पथरी होने की संभावना है, या जिनके खून या मूत्र में कैल्सियम की मात्रा बहुत अधिक है या जिनकी थाइरॉयड ग्रन्थि क्रियाशीलता अत्यधिक बढ़ी हुई है या गुर्दों में असामान्यता है इसका सेवन न करें।

nd i kko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

2-2 कैप्सूल दिन में दो बार पानी के साथ दें।

ijgst+o vkgkj %

कैफीन, शराब, शीतल पदार्थ और अत्यधिक नमक से बचें। सार्डीन मछली, दूध से बने पदार्थ जैसे पनीर आदि और सोया बीन का दूध (जिसमें प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होती है और स्टार्च कम होती है) का प्रयोग अधिक करें। हरी सब्जियां, अंकुरित अनाज, बिना परिवर्तन किया हुआ अनाज और मूंगफली में अधिक कैल्सियम होता है। विटामिन-सी से भरपूर पदार्थ हैं खट्टे फल व रस (संतरा, नींबू, छोटा चकोतरा आदि), हरी सब्जियां, स्ट्रॉबेरी, कीवी और टमाटर जिनका प्रयोग अधिक मात्रा में करें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

जिर्यानिल

fooj.k :

वीर्यस्खलनता (जिर्यान) एक दुखद रोग है जिससे आम शारीरिक दुर्बलता, काम में मन न लगना, संभोग की इच्छा में कमी और अंत में नपुंसकता हो जाती है। यह रोग अधिकतर अविवाहित और नवदम्पतियों में जल्द अलगाव होने वाले मर्दों में पाया जाता है। वीर्यस्खलनता कई प्रकार की होती है। सबसे स्पष्ट स्वप्नदोष या सोते में वीर्य का स्राव है और सब से खतरनाक तब है जब पेशाब के साथ वीर्य

निकलता है और यह पता नहीं चलता।

जिर्यानिल वीर्यस्खलनता या बिना संभोग के वीर्य का स्राव (ज्यादातर सोते समय) में लाभदायक है। यह गुर्दा और मूत्राशय को शक्ति देती है। वीर्य को गाढ़ा करती है और बार-बार पेशाब आने को रोकती है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

कुशता कलई	(Tin Oxide Calcined)	10 मिली ग्राम
काली मिर्च	(Piper nigrum)	40 मिली ग्राम
मूसली सफ़ेद	(Chlorophytum arundinaceum)	90 मिली ग्राम
इसबगोल	(Plantago ovata)	180 मिली ग्राम
कटहल	(Artocarpus heterophyllus)	180 मिली ग्राम

y{k.k %

बार-बार पेशाब आना, स्वप्नदोष और वीर्यस्खलनता।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i kko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

2-2 कैप्सूल दिन में दो बार पानी से सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

कैफीन और शराब से बचें। खट्टे पदार्थ, लाल मिर्च आदि, गरम मेवे (चिलगोज़ा, बादाम, अखरोट आदि) से परहेज़ करें। कम प्रोटीन वाले आहार जिसमें अण्डा न शामिल हो लाभदायक हैं।

i fda %30 व 60 कैप्सूल का पैक।

जीवन-रक्षक कैप्सूल

fooj.k :

आजकल लोगों में तन्दुरुस्ती के प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई है। नौजवान 'मसल्स-बिल्डिंग' के प्रति विशेष रूप से रीझते दिखाई दे रहे हैं। आज का हर नौजवान अपनी मांसपेशियों को स्वस्थ, सुन्दर, आकर्षक व सुडौल बनाने की हसरत रखता है।

जीवन-रक्षक कैप्सूल दुबले शरीर को हृष्टपुष्ट बनाता है तथा शरीर को मजबूत व गठीला बनाकर शरीर को हर तरह से स्वस्थ रखता है। इसके सेवन से चेहरे पर लाली आ जाती है और बल में वृद्धि होती है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

कुश्ता खबसुल हदीद (Ferroso-Ferric Oxide)	15 मिली ग्राम
कुश्ता मिर्गांग (Unani Compound)	30 मिली ग्राम
छुआराह (Phoenix dactylifera Extract)	30 मिली ग्राम
अश्वगन्धा (Withania somnifera Extract)	75 मिली ग्राम
बिनौला (Gossypium herbaceum Extract)	75 मिली ग्राम
सतावर (Asparagus racemosus Extract)	125 मिली ग्राम
जई (Avena sativa Extract)	150 मिली ग्राम

y{k.k %

दुबलापन और आम शारीरिक कमजोरी।

fu'ksk % कोई नहीं।

nd i kko % कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

3-3 कैप्सूल दिन में दो बार पानी से सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

जो लोग पतले-दुबले होते हैं और उनका शारीरिक विकास किसी तरह नहीं हो पाता तो वे असन्तुलित भोजन लेने लगते हैं। वह केवल फल, सब्जियां और अनाज का सेवन करने लगते हैं और दूध, गोश्त, मछली और अण्डे नहीं खाते। जबकि उनके लिये यही उचित है कि वह फल, सब्जियां और अनाज के साथ-साथ दूध और उससे बनी हुई चीजें, बिना चर्बी वाला गोश्त, मछली, अण्डे इत्यादि का भी सेवन करते रहें। यदि आप शाकाहारी हैं या केवल सब्जियों तक ही अपने खाने को सीमित रखेंगे तो आपका वजन बढ़ना मुश्किल हो जाएगा। सब्जियों में ज्यादा रेशा और पानी पाया जाता है जिसकी वजह से उनकी योग्यता कम हो जाती है और आपको इनकी बहुत ज्यादा मात्रा खानी पड़ेगी तब जाकर आपको भरपूर पोषण मिलेगा। इसलिए शरीर को मजबूत और शक्तिशाली बनाने के लिए अपने आहार में दूध, दही, पनीर और अण्डे, 3-4 चम्मच सूर्यमुखी या जैतून का तेल शामिल कर लें। अखरोट व सूखे मेवे खाने से शरीर को शक्ति प्रदान होती है।

ifdax % 30 व 60 कैप्सूल का पैक।

टैस्ट्रॉन

fooj.k :

पुरुष लिंग हॉर्मोन (टेस्टोस्टेरोन) पुंस्त्वभवन उत्पन्न करने वाला हॉर्मोन है जो शिश्न (लिंग) तथा पुरुष जननांगों के सामान्य विकास के लिए मुख्यतः जिम्मेदार है। इससे उनके शरीर अथवा इसके भागों में पेशियों का व्यवस्थापन, हड्डियों का आकार, शरीर में चिकनाई का फैलाव, बालों का ढंग, स्वरयन्त्र का बढ़ना और आवाज को भारी बनाता है। इसके अतिरिक्त सामान्य पुरुष लिंग हॉर्मोन स्तर, शक्ति स्तर, मूड, जनन क्षमता, काम व्यवहार और कामइच्छा को बनाए रखता है।

मर्दा में 20-25 साल की उम्र तक इस हॉर्मोन का स्तर चोटी पर होता है, फिर हर 10 साल में इसका उत्पादन 10-15% कम होने लगता है। दबाव, शारीरिक सक्रियता की कमी, बहुत अधिक प्रशिक्षण, बिमारी, धूम्रपान, शराब आदि से यह हॉर्मोन जल्दी कम होने लगता है। इससे बहुत सी बीमारियां हो जाती हैं जैसे मोटापा, शारीरिक दुर्बलता, कामइच्छा और सहनशक्ति कम होना, और मानसिक व शारीरिक क्षमता में कमी।

अपने शरीर को कार्यशील रखने के लिये यह अति आवश्यक है कि पुरुष लिंग हॉर्मोन स्तर की मात्रा चोटी पर रखें। टैस्ट्रॉन शुक्राणुओं के बनने की क्रिया और पुरुष लिंग हॉर्मोन स्तर की मात्रा को प्राकृतिक ढंग से बढ़ाता है। पौरुष शक्ति की कमी दूर करता है और शुक्राणुओं की गतिशीलता, कमजोरी और असामान्यता को बहतर करता है। सामान्य शारीरिक दुर्बलता में लाभदायक है और शरीर में गर्मी पैदा करता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

खुसिया बुज़ (Goat's Testicle Powder)	100%
--------------------------------------	------

y{k.k %

वीर्य में शुक्राणुओं का अभाव, यौनइच्छा की कमी, नपुंसकता, सामान्य शारीरिक दुर्बलता, वीर्य का पतलापन, बांझपन, वीर्य में शुक्राणुओं की कमी, गतिहीन व कमजोर शुक्राणु, काम वासना एवं पौरुष शक्ति की कमी।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i kko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

2 कैप्सूल प्रातःकाल पानी से सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

तंग कपड़े ना पहने और गर्म पानी से स्नान न करें क्योंकि अंडकोष गर्म हो जाते हैं और शुक्राणु कम बनने लगते हैं। धूम्रपान, कैफीन, नशीले पदार्थ, शराब और मनोवैज्ञानिक दबाव बांझपन पैदा करता है। शिश्न को कीटनाशक दवाएँ, सीसा, विकरण, भारी धातु और बुढ़ापा बहुत अधिक प्रभावित करते हैं।

अच्छा आहार और जीवन शैली में बदलाव गर्भधारण कराने में मदद करते हैं। लाल गौशत और दूध से बने पदार्थ में अमीनो एसिड होता है जो शुक्राणुओं की गतिशीलता बढ़ाता है और शुक्राणुओं के रूप व रचना को बेहतर करता है। ऑइसटर, सार्डीन मछली, प्याज़ और छोटी इलाइची का सेवन करें।

ifdx %

3X10 कैप्सूल का स्ट्रिप पैक।

ट्रीट हेयर केयर कैप्सूल

fooj.k :

बाल शारीरिक निखार के लिए महत्वपूर्ण संपदा है। परंतु आजकल बाल गिरना एक आम परेशानी है। गंजापन या बालों का हलका हो जाना बड़ी समस्या है जिस से आप जल्दी से जल्दी छुटकारा पाना चाहेंगे।

बाल गिरने के कुछ सामान्य कारणों में से आवश्यकता से अधिक शारीरिक या मनोवैज्ञानिक तनाव, हार्मोन या न्यासर्ग का असंतुलन, पौष्टिक पदार्थों की शरीर में कमी, एलर्जी, हानिकारक रसायनों का बालों की देखभाल के लिए प्रयोग, प्रदूषण, बालों के रख रखावों का अभाव और पौष्टिक गुण।

ट्रीट हेयर केयर कैप्सूल मस्तिष्क और बालों के लिए अत्यन्त प्रभावशाली 15 जड़ी बूटियों का मिश्रण है जो बाल बढ़ने और उन्हें प्राकृतिक रूप से काला रखने में सहायक होता है। यह समस्त रोगों से मुक्त कर बालों को चमकदार, लम्बा और घना करता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

सुंबुल-तीब

(Nardostachys jatamansi) 20 मि.ग्रा.

आमला	(Emblica officinalis)	20 मि.ग्रा.
मग्जे बादाम शीरी	(Prunus amygdalus)	20 मि.ग्रा.
हलेला	(Terminalia chebula)	20 मि.ग्रा.
बहेड़ा	(Terminalia belerica)	20 मि.ग्रा.
भूर्ई आमला	(Phyllanthus niruri)	20 मि.ग्रा.
मुलैठी	(Glycyrrhiza glabra)	20 मि.ग्रा.
असगंद नागोरी	(Withania somnifera)	20 मि.ग्रा.
ब्रह्मी बूटी	(Centella asiatica)	20 मि.ग्रा.
कुंजद	(Sesamum indicum)	20 मि.ग्रा.
फिल-फिल दराज	(Piper longum)	20 मि.ग्रा.
फिल-फिल सियाह	(Piper nigrum)	20 मि.ग्रा.
जंजबील	(Zingiber officinale)	20 मि.ग्रा.
कुशता फौलाद	(Iron Calx.)	30 मि.ग्रा.
भृंगराज	(Eclipta alba Extract)	210 मि.ग्रा.

y{k.k %

सूखे और खुदरे बाल, बालों का झड़ना, बालों की कोमलता और चमक में कमी।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd iHkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1 कैप्सूल दिन में एक या दो बार।

ijgst+o vkgkj %

सालमन मछली (प्रोटीन, विटामिन डी, ओमेगा -3 वसाअम्ल), सारडीन मछली, अखरोट (प्रचुर मात्रा में ओमेगा -3 वसाअम्ल, बायोटीन, विटामिन ई) शकरकंद (प्रचुर मात्रा में बीटा कैरोटीन जिसे शरीर विटामिन ए, गाजर, आम, कददू, खुबानी (प्रचुर मात्रा में बीटा कैरोटीन), अण्डा (प्रचुर मात्रा में प्रोटीन के साथ 4 मिनरल - जिंक, सिलेनियम, सल्फर व आयरन), मुर्गा, पालक, (आयरन, बीटा कैरोटीन व विटामिन सी) मसूर की दाल, (प्रोटीन, आयरन, जिंक और बायोटीन), सोयाबीन, राजमा, आदि का भोजन में प्रयोग करें।

ifdx %

60 कैप्सूल का पैक।

ट्रीट हर्बल शैम्पू

fooj.k :

बाल शारीरिक निखार के लिए महत्वपूर्ण संपदा है। परंतु आजकल बाल गिरना एक आम परेशानी है। गंजापन या बालों का हलका हो जाना बड़ी समस्या है जिस से आप जल्दी से जल्दी छुटकारा पाना चाहेंगे।

ट्रीट हर्बल शैम्पू आठ हर्बल औषधियों का मिश्रण है। यह बालों को उगाने और उन्हें प्राकृतिक रूप से काला रखने में सहायता करता है। बालों को सभी रोगों से बचाता है और लम्बा, चमकदार, घना मुलायम और सुन्दर बनाता है। यह रूसी को दूर करता है और बाल झड़ने से रोकता है। ट्रीट हेयर शैम्पू एक देसी मिश्रण है जो पूरी तरह सुरक्षित है। हर मौसम में सभी आयुवर्ग के लोग प्रयोग कर सकते हैं। इसका निरंतर उपयोग बालों को घना और चमकीला बनाता है।

feJ.k %

प्रत्येक 10 मि.ली. में शामिल अर्क पदार्थ :

आमला	(Emblca officinalis)	5 मि.ग्रा.
पोस्त रीठा	(Sapindus mucorossi)	5 मि.ग्रा.
घृतकुमारी	(Aloe vera)	5 मि.ग्रा.
सुबुलतीब	(Nardostachys jatamansi)	5 मि.ग्रा.
बर्गे हिना	(Lawsonia inermis)	2 मि.ग्रा.
रैहान	(Ocimum sanctum)	2 मि.ग्रा.
भृंगराज	(Eclipta alba)	1 मि.ग्रा.
बेस	(Base)	आवश्यकतानुसार

y{k.k %

सूखे और खुदरे बाल, बालों का झड़ना, बालों की कोमलता और चमक में कमी।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i tkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

i z ks fof/k %

भीगे बालों पर 3-5 मि.ली. शैम्पू धीरे-धीरे 1 मिनट तक मलें और पानी से धो दें। आवश्यकत हो तो दोबारा प्रयोग करें।

ijgst+o vkgkj %

सालमन मछली (प्रोटीन, विटामिन डी, ओमेगा -3 वसाआम्ल), सारडीन मछली,

अखरोट (प्रचुर मात्रा में ओमेगा -3 वसाअम्ल, बायोटीन, विटामिन ई) शकरकंद (प्रचुर मात्रा में बीटा कैरोटीन जिसे शरीर विटामिन ए, गाजर, आम, कदकू, खुबानी (प्रचुर मात्रा में बीटा कैरोटीन), अण्डा (प्रचुर मात्रा में प्रोटीन के साथ 4 मिनरल - जिंक, सिलेनियम, सल्फर व आयरन), मुर्गा, पालक, (आयरन, बीटा कैरोटीन व विटामिन सी) मसूर की दाल, (प्रोटीन, आयरन, जिंक और बायोटीन), सोयाबीन, राजमा, आदि का भोजन में प्रयोग करें।

ifdx %

100 मि.ली. की बोतल।

देहल्वी अंबर शिलाजीत कैप्सूल

fooj.k :

स्नायु संस्थान (Nervous System) बहुत मुख्य तंत्र है। इसके कई भाग हैं। स्नायु संस्थान दो संस्थानों में विभाजित किया गया है - केंद्रीय स्नायु संस्थान (Central Nervous System) - और परीसरीय स्नायु संस्थान (Peripheral Nervous System)। केंद्रीय स्नायु संस्थान में मस्तिष्क एवं सुषुम्ना रज्जू (स्पाइनल कॉर्ड) होते हैं। इसका संवेदनी भाग चारों ओर से सूचना एकत्रित करता है तथा प्रेरक भाग शरीर की अनुक्रियाओं के लिए उत्तरदायी होता है। परीसरीय स्नायु संस्थान में सारी स्नायुओं और तार होते हैं। ये केंद्रीय स्नायु संस्थान से सूचना एकत्रित करके शरीर के भाग को भेजता है।

देहल्वी अंबर शिलाजीत कैप्सूल केंद्रीय स्नायु संस्थान को पोषण देता है। ये खून का संचारण सुधारता है और सामान्य शारीरिक दुर्बलता तथा सुस्ती में लाभदायक है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ:

जुंद बिदस्तर	(Castoreum)	10 मिली ग्राम
अम्बर	(Ambra grasea)	15 मिली ग्राम
शिलाजीत	(Asphaltum)	475 मिली ग्राम

y{k.k %

स्नायुओं की कमजोरी विशेष रूप से सुषुम्ना रज्जू की, सामान्य शारीरिक दुर्बलता तथा सुस्ती।

fu'ksk %

कोई नहीं।

ndiHkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

lou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल प्रातः सेवन कराएं।

ifdk %

10 कैप्सूल का पैक।

डायब-ईज

fooj.k :

मधुमेह यानी डायबिटीज एक चयापचयी रोग (Metabolic Disease) है जो शरीर में भोजन द्वारा प्राप्त पोषक तत्व कार्बोहाइड्रेट के चयापचय (metabolism) में गड़बड़ी उत्पन्न हो जाने के फलस्वरूप रक्त में शक्कर का प्रमाण बढ़ जाता है। जिन व्यक्तियों को टाइप-2 मधुमेह होता है उनमें या तो इन्सुलिन सही मात्रा में नहीं बनता अथवा उनके शरीर में बनने वाले इन्सुलिन का उचित प्रयोग नहीं हो पाता या दोनों बातें पाई जाती हैं। मधुमेह के रोगी ग्लूकोज को पूर्णतया ऊर्जा में परिवर्तित नहीं कर पाते, जिसके कारण ग्लूकोज रक्त में रह जाता है जिसके फलस्वरूप रक्त में शक्कर की मात्रा बढ़ जाती है और दूसरी तरफ अन्य कोशिकाएं ग्लूकोज से वंचित रह जाती हैं। मधुमेह में ज़ख्म देर से भरते हैं, इन्फ़ैक्शन का खतरा बढ़ जाता है। यदि मधुमेह को नियन्त्रित न किया जाए तो दृष्टि कमजोर होने लगती है और गुर्दे, हृदय और स्नायु प्रणाली पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ता है।

मधुमेह का रोग लगातार बढ़ रहा है। पिछले 10-15 वर्षों में विश्व के सभी देशों में मधुमेह के रोगियों की संख्या अत्यधिक प्रमाण में बढ़ी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार वर्ष 2004 तक विश्व में 15 करोड़ लोग मधुमेह से पीड़ित थे और वर्ष 2025 तक इस संख्या के दुगना होने की संभावना है। वर्ष 2000 में एक अध्ययन के अनुसार भारत में लगभग 13.2% लोग मधुमेह से पीड़ित थे। 25% रोगियों में मधुमेह रोग होने का पारिवारिक इतिवृत्त मिलता है।

डायब-ईज ऐसी जड़ी-बूटियों का मिश्रण है जिसमें अनेक असरकारक जड़ी-बूटियां प्रयोग की गई हैं जो यूनानी एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति में 5000 वर्षों से लगातार प्रयोग होती रहीं हैं। इस प्रकार डायब-ईज मधुमेह शक्करी पर नियन्त्रण पाने के लिए असरकारक औषधि सिद्ध होती है। यह रक्त में शक्कर का स्तर

नियन्त्रण में रखती है जिससे अधिक इन्सुलिन लेने की आवश्यकता या रक्त में ग्लूकोज को कम करने की दवाओं की आवश्यकता नहीं पड़ती या कम पड़ती है। यह मीठा खाने की इच्छा को कम करती है, रक्त संचरण को बढ़ाती है, विशेषकर हाथों और पैरों में, और आंखों की तंत्रिकाओं में रक्त प्रवाह को नियन्त्रित करके इनमें होने वाले विकारों को दूर करती है। इसके अतिरिक्त कमजोरी, सर चकराना, पैरों व शरीर में दर्द, पेशाब की अधिकता व खुजली में भी लाभदायक है। डायब-ईज में सल्फोनामाइड्स और बाइग्वानाइड्स नहीं होते (जो अधिकतर एलोपैथिक दवाओं में पाए जाते हैं)। इसलिए इस दवा का कोई दुष्प्रभाव नहीं होता।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

नीलोफर फूल	(Nyphae lotus)	50 मिली ग्राम
मेथी बीज	(Trigonella foenum-graceum Ext.)	50 मिली ग्राम
करेला बीज	(Momordica charantia Extract)	50 मिली ग्राम
गिलोय	(Tinospora cordifolia)	50 मिली ग्राम
जामुन गुठली	(Eugenia jambolana Extract)	50 मिली ग्राम
गुडमार	(Gymnema sylvestre Extract)	50 मिली ग्राम
गूलर छाल	(Ficus racemosa Extract)	50 मिली ग्राम
दारचीनी	(Cinnamomum zeylanicum)	50 मिली ग्राम
शिलाजीत	(Asphaltum)	100 मिली ग्राम

y{k.k %

मधुमेह, उदकमेह, शर्कराहमेह और मूत्र को रोकने में अक्षमता।

fu'ksk %

गर्भावस्था में तथा दूध पिलाने के दौरान इसका सेवन न कराएं।

ndiHkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

lou fof/k %

2-2 कैप्सूल दिन में दो या तीन बार पानी से सेवन कराएं। जब खून में शक्कर की मात्रा कम हो जाए तो दवा की मात्रा कम कर दें।

ijgst+o vkgkj %

अधिकतर लोगों की यह ग़लत धारणा है कि मधुमेह रोग अधिक मात्रा में मीठा खाने से ही होता है। वे आहार जिनमें कार्बोहाइड्रेट्स अधिक मात्रा में पाए जाएं और जिनमें फाइबर की कमी एवं ग्लूकोज की अधिकता हो ऐसे आहार टाइप-2 मधुमेह के दुष्प्रभाव को बढ़ा देते हैं। वे आहार जिनका सेवन अधिक मात्रा में करने से मधुमेह

का खतरा बढ़ जाता है वे हैं डबलरोटी, चावल, आलू, शकरकन्द, मीठे फल तथा मीठे शीतल पेय।

अंकुरित अनाज से बने आहार जिनमें फाइबर की मात्रा अधिक हो तथा ग्लूकोज की मात्रा कम हो ऐसे आहार मधुमेह के रोगियों के लिए लाभदायक हैं। मोटापे के कारण टाइप-2 मधुमेह का खतरा अधिक बढ़ जाता है। यह रोग माता-पिता से बच्चों में हो सकता है। व्यायाम की कमी, आलस्यता, मानसिक तनाव इत्यादि इस रोग के कारण होते हैं।

ifdx %

60 कैप्सूल का पैक।

डिप्रेसोनिल

fooj.k :

लोगों में अवसाद (डिप्रेषन) का रोग इस दौर में पहले की तुलना में ज़्यादा फैल रहा है। इस रोग से सभी आयु, समाज व श्रेणी के लोग प्रभावित हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के एक अनुमान के मुताबिक सन् 2020 तक दुनिया में होने वाली सर्वाधिक बीमारियों में से हृदय रोगों के बाद दूसरे स्थान पर डिप्रेषन का रोग सबसे बड़ी समस्या के रूप में चुनौती बनकर खड़ा होगा। दुनिया में एक तिहाई लोग अपने जीवन में कभी न कभी डिप्रेषन के दौर से अवश्य गुज़रते हैं और 5% लोग सदैव इस रोग से पीड़ित रहते हैं। स्त्रियों में यह रोग मर्दों की अपेक्षा दुगुना होता है। 50% यह रोग माता-पिता से बच्चों में पहुंचता है। डिप्रेषन रोगी के लिये तो एक समस्या है ही किन्तु उन लोगों के लिए भी कठिनाई पैदा करता है जो ऐसे व्यक्ति से जुड़े हुए हों जो डिप्रेषन का शिकार है। यह रोग विभिन्न प्रकार के भौतिक और रासायनिक कारणों से घटित होता है जिससे रोगी का स्वास्थ्य और उसकी कार्य-प्रणाली प्रभावित होती है। डिप्रेषन एक मनोविकारी रोग है जिसमें उदासी, निष्क्रियता, विचार करने की क्रिया तथा एकाग्रता होने में कठिनाई, भूख और नींद में महत्वपूर्ण बदलाव (ज़्यादा या कम), यौनाकर्षण में कमी, निराशा का अहसास और कभी-कभी रोगी के मन में आत्महत्या के बारे में विचार पैदा होने लगते हैं। मनःस्थिति (मूड) रोगों में यह रोग सबसे ज़्यादा पाया जाता है।

डिप्रेसोनिल प्राकृतिक जड़ी बूटियों के मिश्रण से बनी असरकारक दवा है जो डिप्रेषन, चिन्ता, अनिद्रा, भूख की कमी और अयोग्यता के अहसास को कम करती है। यह शान्ति का अहसास कराती है, अधिक भावुकता को कम करती है, मनःस्थिति को सुधारती है, दूसरों से मिलनसार बनाती है, दर्द और थकावट को कम करती है और मानसिक चौकसी ठीक करती है। अवसाद को रोकने वाली अंग्रेज़ी दवाओं के विपरीत डिप्रेसोनिल को आसानी से बर्दाश्त किया जा सकता है क्योंकि यह शत

प्रतिशत प्राकृतिक है और इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

मुलेठी	(Glycyrrhiza glabra Extract)	50 मिली ग्राम
बादरंज बोया	(Melissa parviflora Extract)	50 मिली ग्राम
तगर	(Valeriana wallichii Extract)	50 मिली ग्राम
बालछड़	(Nardostachys jatamansi Extract)	50 मिली ग्राम
अश्वगन्धा	(Withania somnifera Extract)	75 मिली ग्राम
उस्तखुद्दूस	(Lavandula stoechas Extract)	100 मिली ग्राम
कौंच	(Mucuna pruriens Extract)	125 मिली ग्राम

y{k.k %

अवसाद (डिप्रेषन), डिप्रेषन के कारण से चिन्ता, मनःस्थिति (मूड) विकार, डिप्रेषन के कारण अनिद्रा, कुछ समय शान्ति के पश्चात दुबारा डिप्रेषन, बार-बार डिप्रेषन से उन्माद या पागलपन और अनैच्छिक विचार।

fu'ksk %

गर्भावस्था में तथा दूध पिलाने के दौरान इसका सेवन न कराएं।

ndi hkkk %

ज़्यादा नींद आना।

lou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के बाद पानी के साथ सेवन कराएं। इस दवा का सेवन दी गई मात्रा में उस समय तक कराते रहें जब तक कि रोग के लक्षण पाए जाएं और जैसे-जैसे यह लक्षण कम होते जाएं दवा की मात्रा कम करते जाएं। जब रोग के लक्षण समाप्त हो जाएं तो कुछ सप्ताह तक इस दवा का सेवन जारी रखने के बाद इसे बंद करा दें।

ijgst+o vkgkj %

दैनिक कार्यों के बीच थोड़ा अवकाश लें। कॉफी, शक्कर, शराब और दूध से बने पदार्थ के सेवन से बचें। कैफीन का सेवन करने से मानसिक अवसाद होता है। यदि आप एक दिन में चार कप या इससे ज़्यादा कॉफी पी लेते हैं तो इसके बदले बिना कैफीन वाली कॉफी पियें। मशीन द्वारा बना खाना, अप्राकृतिक रंग, उत्तेजक खाने, डिब्बे में बंद खाने, धूम्रपान, गोश्त, अण्डा और मछली से बचें। प्रतिदिन भोजन में चिकनाई की मात्रा 30 प्रतिशत आपकी दिन की पूर्ण कैलोरीज़ तक सीमित कर दें। यह कोशिश करें कि एक दिन में 300 मिली ग्राम से ज़्यादा कोलेस्ट्रॉल पैदा करने वाले पदार्थ के सेवन से बचें।

ओट्स (जई), दलिया, तुलसी और चुकन्दर में मानसिक अवसाद को रोकने वाली

विशेषता है। भोजन बार-बार व थोड़ी-थोड़ी मात्रा में करें। नियमित व्यायाम मनःस्थिति (मूड) को सुधारता है और अवसाद (डिप्रेशन) को कम करता है।

ifda %

28 कैप्सूल का पैक।

ड्रैगन फोर्स

fooj.k %

जीवनकाल में एक विवाहित पुरुष कई तरह की दुविधाएं झेलता है, जैसे तनाव, अवसाद, आत्म विश्वास में कमी, नींद न आना या कमी, न्यासर्ग (Hormone) असमानता (टेस्टोस्ट्रोन की असमानता) अस्वस्थ शरीर, पारिवारिक कलह, मदिरा या ड्रग का सेवन अथवा ब्लड प्रेशर या अवसाद के लिए दवाओं का प्रयोग। किसी हद तक यह सभी कारण उसके संपूर्ण स्वास्थ्य और यौन संबन्धी प्रदर्शन पर असर करते हैं।

ड्रैगन फोर्स, एक प्रभावी यूनानी जड़ी बूटियों का समिश्रण है जो इन सभी विकारों से लड़ने की शक्ति देता है जिसके फलस्वरूप यौन शक्ति में कमी अपने आप ही दूर हो जाती है। ड्रैगन फोर्स आपके वैवाहिक जीवन में निराशा को फटकने नहीं देता। यह पूर्णतया प्राकृतिक उत्पाद है और इसके कोई दुष्प्रभाव नहीं है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

अम्बर	(Ambra grasea)	5 मि.ग्रा.
केसर	(Crocus sativus)	10 मि.ग्रा.
छोटी इलाइची	(Elettaria cardamomum)	10 मि.ग्रा.
बावबरंग	(Embelia ribes)	10 मि.ग्रा.
जावित्री	(Myristica fragrans)	10 मि.ग्रा.
नारियल	(Cocos nucifera)	20 मि.ग्रा.
तालमखाना	(Hygrophila spinosa)	20 मि.ग्रा.
सिंघाड़ा खुश्क	(Trapa bispinosa)	20 मि.ग्रा.
ढाक	(Butea frondosa)	20 मि.ग्रा.
रेवन्द चीनी	(Rheum emodi)	20 मि.ग्रा.
जदवार	(Delphinium denudatum)	20 मि.ग्रा.
बादाम गिरी	(Prunus amygdalus)	20 मि.ग्रा.
सालब मिश्री	(Orchis latifolia)	20 मि.ग्रा.

हल्दी	(Curcuma longa Extract)	20 मि.ग्रा.
सतावर	(Asparagus racemosus Extract)	20 मि.ग्रा.
अकरक़रा	(Anacyclus pyrethrum Extract)	20 मि.ग्रा.
हलून	(Lepidium sativum Extract)	20 मि.ग्रा.
अर्जुना	(Terminalia arjuna Extract)	20 मि.ग्रा.
शिलाजीत	(Asphaltum Extract)	20 मि.ग्रा.
मोचरस	(Bombax malabaricum Extract)	20 मि.ग्रा.
असगंद	(Withania somnifera Extract)	20 मि.ग्रा.
बिनौला	(Gossypium indicum Extract)	20 मि.ग्रा.
कोंच	(Mucuna pruriens Extract)	25 मि.ग्रा.
मुसली सफ़ेद	(Chlorophytum arundinaceum Ext.)	90 मि.ग्रा.

y{k.k %

कामेच्छा में कमी, संभोग के बाद थकावट, नपुंसकता, यौन शक्ति की क्षीणता, उत्तेजन शक्ति में कमी, वीर्य में कमी, लिंग अवसाद, शिशिन का ढीलापन और सामान्य दुर्बलता।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1 कैप्सूल प्रतिदिन प्रातःकाल दूध या पानी से लें। स्थायी परिणाम के लिए कम से कम 20 दिनों तक प्रयोग करें।

ijgst+o vkgkj %

अधिक शराब से बचें क्योंकि यह कामेच्छा को कम करती है, उत्तेजना में शिथिलता और स्नायु प्रोत्साहन में बाधक है और ऐसी प्रक्रिया को प्रोत्साहित करती है जो स्तंभन शक्ति कम करते हैं। यदि मुटापा हो तो वजन घटाए। अधिक वजन हार्मोन का संतुलन बिगाड़कर रक्त संचारण प्रणाली में बाधक होता है। उचित भोजन और नियमित व्यायाम पुरुष हार्मोन संतुलित रखने में सहायक हैं, रक्त संचार और मनः स्थिति संतुलित करते हैं जो यौन प्रक्रिया को सामान्य करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। निकोटीन रक्त प्रणाली को बिगाड़ता है अतः धूम्रपान भी उत्थान शक्ति में कमी करने के लिए खतरा है।

ifda %

6 कैप्सूल का ब्लिस्टर पैक।

पर्ल कैल्सियम कैप्सूल

fooj.k :

इस कैप्सूल में 38 से 45 प्रतिशत प्राकृतिक कैल्सियम होता है जो स्वस्थ हड्डियों के विकास तथा मजबूत दांतों के लिये अत्यन्त आवश्यक होता है। यह अस्थिभंगुरता (ऑस्टियोपोरोसिस) और खून में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को नियंत्रण में रखती है। कैल्सियम स्नायुओं, मांसपेशियों तथा पाचन क्रिया को सहायता देती है, हृदय की मांसपेशियों तथा नींद को नियंत्रण में रखती है। पर्ल कैल्सियम बच्चों के बढ़ने वाली उम्र में स्वस्थ हड्डियों के लिए, दूध पिलाने के समय, हड्डियों के जुड़ने में तथा कैल्सियम हीनता संलक्षण में भी लाभदायक है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

कुशता सदफ़ (Cypraea moneta Calx.) 500 मिली ग्राम

y{k.k %

अस्थिभंगुरता, मासिक धर्म के रुक जाने से अस्थिभंगुरता, हड्डियों का टूटना और कैल्सियम हीनता संलक्षण।

fu'k'k %

जिन लोगों में गुर्दे की पथरी की संभावना है या जिनके खून या मूत्र में कैल्सियम की मात्रा अत्यधिक हो या थायरॉइड की अत्यधिक मात्रा है या गुर्दों में असामान्यता हो वह इसका सेवन न करें।

nd i kko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

1-1 कैप्सूल पानी के साथ दिन में दो बार सेवन कराएं। गर्भावस्था और दूध पिलाने के दौरान दिन में तीन बार सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

धूम्रपान, अत्यधिक शराब और कैफीन से बचें। चीनी, पेस्ट्रीज, शराब व कोला पेय, डबलरोटी, मिठाई, चॉकलेट, अधिक मात्रा में नमक इत्यादि कैल्सियम को शरीर से बाहर निकालता है। दूध, सोयाबीन का दूध, पनीर, दही, सालमन मछली, सार्डीन मछली, सूखे मेवे ख़ास तौर पर बादाम, गहरे हरे रंग की सब्जियां, सिकी हुई बीनस और ब्रॉकली का सेवन ज़्यादा करें।

i f d x % 60 कैप्सूल का पैक।

पाईलीना कैप्सूल

fooj.k :

गुदा-मलाशय-क्षेत्र में या उसके आस-पास कुछ खून से भरी बड़ी वाहिका होती है जो फूलकर मस्से का रूप धारण कर लेती है जिसे बवासीर (पाइल्स) कहते हैं। यह मस्से किसी के गुदा-मलाशय-क्षेत्र के अंदर होते हैं और इनसे मल त्याग के समय वेदना रहित रक्त निकलता है। इसलिए इसे आम भाषा में खूनी बवासीर के नाम से जाना जाता है। इसके विपरीत जब यह मस्से प्रारंभ से ही गुदा-मलाशय-क्षेत्र के बाहर हाते हैं जहां उन्हें देखा व महसूस किया जा सकता है, तो इन्हें आम भाषा में बादी बवासीर केहते हैं क्योंकि इनमें खून नहीं निकलता। इन मस्सों में खुजली अथवा कभी-कभी दर्द की शिकायत रहती है। बवासीर एक आम बीमारी है और लगभग 50 प्रतिशत लोगों को होती है। यह उन देशों में ज़्यादा आम होती है जहां आहार में पारम्परिक रूप से बदलाव किया गया हो और जिस में रेशा कम मात्रा में हो। बवासीर का कारण वह तत्व बनते हैं जो पेट में दबाव पैदा करते हैं जिससे खून की वाहिका में सूजन आ जाती है और वह फूल जाती है।

पाईलीना कैप्सूल खूनी व बादी बवासीर, गुदा के किनारे लाइन में बना ज़ख़्म (फ़िशर) और भगंदर में लाभदायक है। दोनो प्रकार के बवासीर में दर्द और खुजली दूर करता है और जल्द ही प्रभावित कोशिकाओं को सुधारता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

सफ़ेद सन्दल	(Santalum album Extract)	50 मिली ग्राम
रसौत	(Berberis aristata)	50 मिली ग्राम
हारसिंघार	(Nyctanthes arbor-tristis Extract)	50 मिली ग्राम
नीलोफ़र	(Nymphae Lotus Extract)	50 मिली ग्राम
मोचरस	(Bombax malabaricum Extract)	75 मिली ग्राम
लोध पठानी	(Symplocos racemosa)	75 मिली ग्राम
लज्जालु	(Mimosa pudica Extract)	75 मिली ग्राम
नीम फ़ल	(Melia azadirachta Extract)	75 मिली ग्राम

y{k.k %

खूनी व बादी बवासीर, गुदा के किनारे लाइन में बना ज़ख़्म (फ़िशर) और भगंदर।

fu'k'k %

कोई नहीं।

ng i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

दो कैप्सूल दिन में दो बार खाने के बाद सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

कब्ज नहीं होने देना चाहिए। बहुत देर तक शौच के लिए बैठना और जोर लगाना, कांखना नहीं चाहिए। शराब, धूम्रपान, चाय, कॉफी, मसालेदार खाने, फास्ट फूड और तली हुई चीजों से बचें। लगातार अधिक परिश्रम न करें, न ही किसी सख्त सतह पर बहुत देर तक बैठें। बासी और सूखा खाना न खाएं।

हरी पत्तेदार सब्जियां और ताजा फल खाएँ जो आंत की क्रमाकुंचन गतियों को उत्तेजित करते हैं तथा मल-त्याग कराते हैं। रात को ठीक से सोएं, मुंह एवं गुदा की सफाई के प्रति सचेत रहें और वजन घटाने की कोशिश करें। रेशेदार खाना खाएँ और अधिक मात्रा में पानी पियें।

i fda% %

30, 60 व 6X10 कैप्सूल का स्ट्रिप पैक।

पावर-जेन कैप्सूल

fooj.k :

उत्थान में दुष्क्रिया, जिसे नपुंसकता भी कहते हैं, का अर्थ है पुरुष में लैंगिक शक्ति का अभाव, जिससे लिंग में उतनी कठोरता न हो या उतनी देर तक न हो जिससे वह सम्भोग, वीर्यपात या दोनों कर सके। कामेच्छा और लैंगिक सम्भोग के उत्कर्ष में कमी का होना आवश्यक नहीं। चूंकि सामान्य तौर पर हर एक पुरुष को कभी न कभी उत्थान में कमी का सामना करना पड़ता है इसलिए कोई पुरुष सम्भोग में 25% बार असफल होता है तो डाक्टर उसे नपुंसक कहते हैं। नपुंसकता चिकित्साशास्त्र या मानव अनुभव में कोई नई समस्या नहीं है परन्तु पुरुष इसकी खुली चर्चा आसानी से नहीं करते। पुरुष अपनी लैंगिक दुर्बलता के बारे में बातें करना सांस्कृतिक तौर पर ग़लत समझते हैं इसलिए बहुत से पुरुष इसकी चिकित्सा से घबराते हैं जबकि बहुसंख्यक हालात में चिकित्सा इनके लिए लाभदायक हो सकती है। नपुंसकता के लिए अंग्रज़ी का शब्द 'इम्पोटेन्स' लातीनी भाषा से लिया गया है जिसका अर्थ है शक्ति में क्षीणता।

पावर-जेन कैप्सूल जड़ी-बूटियों और खनिज पदार्थों का पूर्ण मिश्रण है जो खोई हुई शक्ति को पुनः प्राप्त कराता है और लैंगिक दुर्बलता के समस्त विकारों को दूर

करता है। यह नपुंसकता की चिकित्सा में भी लाभकारी है, इसे जवान और बूढ़े दोनों टॉनिक के रूप में सेवन कर सकते हैं। पावर-जेन कैप्सूल से कोई दुष्प्रभाव नहीं होता, इसे लम्बे समय तक सेवन कराया जा सकता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

अंबर	(Ambra grasea)	1.5 मिली ग्राम
केसर	(Crocus sativus)	1.5 मिली ग्राम
तबाशीर	(Bambusa bambos)	8.5 मिली ग्राम
कुश्ता मिर्गांग	(Unani Compound)	10 मिली ग्राम
अश्वगन्धा	(Withania somnifera Extract)	10 मिली ग्राम
खरातीन	(Pheretima Sp.)	10 मिली ग्राम
बेहमन सफ़ेद	(Centaurea behen)	10 मिली ग्राम
शकाकुल मिसरी	(Pastinaca sativa)	10 मिली ग्राम
कुश्ता खबसुल हदीद	(Ferroso-Ferric Oxide)	10.5 मिली ग्राम
खुरासानी अजवाएन	(Hyoscyamus niger)	12.5 मिली ग्राम
बड़ी पीपल	(Piper longum)	12.5 मिली ग्राम
गाजर बीज	(Daucus carota)	12.5 मिली ग्राम
मूसली सफ़ेद	(Chlorophytum arundinaceum Extract)	12.5 मिली ग्राम
खुसिया बुज़	(Goat's Testis Powder)	13 मिली ग्राम
नागकेसर	(Mesua ferrea)	14.5 मिली ग्राम
कुचला	(Strychnos Nux-vomica)	14.5 मिली ग्राम
आकरकर्हा	(Anacyclus pyrethrum)	15.5 मिली ग्राम
प्याज़ बीज	(Allium cepa)	16 मिली ग्राम
सौंठ	(Zingiber officinale)	20 मिली ग्राम
सालब मिसरी	(Orchis latifolia)	22.5 मिली ग्राम
शिलाजीत	(Asphaltum Purified)	26 मिली ग्राम
खुलंजान	(Alpinia galanga)	43 मिली ग्राम
माही रूबियां	(Palemon curtinus)	57 मिली ग्राम
कौंच	(Mucuna pruriens)	136 मिली ग्राम

y{k.k %

यौनइच्छा की कमी, संभोग के बाद थकावट, नपुंसकता, खोई हुई शक्ति, थकान, उत्तेजन शक्ति में कमी, वीर्य में कमी, लैंगिक थकावट, संभोग के दौरान शिश्न में ढीलापन और सामान्य कमज़ोरी।

fu'ksk %

कोई नहीं।

ndiHkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

lou fof/k %

दो कैप्सूल प्रतिदिन प्रातः व रात को दूध से सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

अधिक शराब से परहेज करें क्योंकि यह कामेच्छा को कम करता है, उत्तेजना को कम करता है और उन स्नायुओं को प्रोत्साहन में बाधा डालता है जिससे उत्थान होता है। अगर आपको मोटापा है तो अपना भार कम करें। मोटापे से हार्मोन्स का संतुलन बिगड़ जाता है और परिसंचरण में बाधा हाती है जिसके फलस्वरूप नपुंसकता भी हो सकती है। नियमित व्यायाम और सही आहार पुरुषों के हार्मोन स्तर को कायम रखते हैं, रक्त के परिसंचरण को सुधारते हैं और मूड (मनोदशा) को बढ़ाते हैं, जो लैंगिक कार्य को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। निकोटीन परिसंचरण को बिगाड़ देता है इसलिए धूम्रपान उत्थान शक्ति में कमी के खतरे को बढ़ाता है।

isdax %

30, 50 व 5X10 कैप्सूल का स्ट्रिप पैक।

पीनाईल कैप्सूल

fooj.k :

पुरुषों को सदैव अपने शिश्न (लिंग) के आकार की चिन्ता रहती है और जबकि उनकी पत्नियों का यही कहना है कि आकार का कोई महत्व नहीं है फिर भी पुरुष के लिए यह एक बहुत बड़ी परेशानी का कारण है। गैर सरकारी अध्ययनों से ज्ञात हुआ है कि बड़ा शिश्न स्त्रियों को ज्यादा उत्तेजित करता है और यौन आनन्द बढ़ा देता है। बड़ा शिश्न स्त्रियों के योनि में ज्यादा अन्दर तक पहुंचकर यौन आनन्द देता है।

पीनाईल कैप्सूल शिश्न को आवश्यक आहार पहुंचाती है। शिश्न को प्राकृतिक ढंग से लंबा और मोटा करने के साथ-साथ उसके स्वास्थ्य के कई पहलुओं को सुधारती है। यह शिश्न को प्राकृतिक ढंग से लंबा और मोटा करने की औषधि है जो सम्भोग के दौरान पुरुष के शिश्न में रक्त प्रवाह को बढ़ाती है जिससे कठोरता व देर तक लैंगिक उत्तेजना बनी रहती है। पीनाईल कैप्सूल सेक्स आनन्द को बढ़ाती है। इसके प्रयोग से कोई दुष्प्रभाव नहीं होते।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

अश्वगन्धा	(Withania somnifera Extract)	125 मिली ग्राम
जई	(Avena sativa Extract)	125 मिली ग्राम
ब्रह्मी	(Centella asiatica Extract)	125 मिली ग्राम
कौंच	(Mucuna pruriens Extract)	125 मिली ग्राम

y{k.k %

मर्दाना ताकत और सैक्स सहनशक्ति की कमी, लैंगिक उत्तेजना बनाए रखने में कमी, अधूरी लैंगिक उत्तेजना और शिश्न के आकार में कमी।

fu'ksk %

कोई नहीं।

ndiHkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

lou fof/k %

2-2 कैप्सूल दिन में दो बार खाने के साथ सेवन कराएं। पूर्ण परिणाम में 6 महीने लग सकते हैं जो व्यक्तिगत एवं स्वास्थ्य तथा आयु पर निर्भर है।

ijgst+o vkgkj %

धूम्रपान शरीर के लिए सबसे खराब होता है। इससे शिश्न सिकुड़ जाता है और आम स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक है। अधिक शराब पीना भी हानिकारक है। शराब नपुंसकता तो पैदा करती ही है लेकिन आम शारीरिक भार को भी बढ़ाती है। अधिक शारीरिक भार होने से शिश्न शरीर के अन्दर 'छिप जाता' है। जिन लोगों का पेट ज्यादा बढ़ा हुआ होता है उनका शिश्न भी उतना ही छोटा होता है।

शरीर को अच्छी आहार दें। शरीर को हल्का करने वाले अच्छे आहार लेने से, जिसमें जस्त और विटामिन-ई शामिल हों, शिश्न को स्वस्थ बनाया जा सकता है जो जनन संस्थान के लिए भी लाभदायक है। यह विटामिन मांस, अंडा की जर्दी, मक्खन, दूध, अंकुरित अनाज, वीट जर्म और हरी सब्जियों में पाया जाता है। केले में जस्त की मात्रा अधिक होती है। जस्त नोजवानों में जननांगों को बढ़ने में मदद करता है और स्वस्थ वीर्य की पैदावार को भी बढ़ाता है। विटामिन-ई रक्त संचरण को तेज करता है।

isdax %

30, 60 व 6X10 कैप्सूल का स्ट्रिप पैक।

प्रेशर-ईज् कैप्सूल

fooj.k :

यदि रक्तचाप (ब्लड-प्रेशर) 140/90 mmHg या इससे भी अधिक हो तो उसे उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड-प्रेशर) समझा जाता है। यह दोनों नम्बर महत्वपूर्ण हैं। यदि इनमें से एक भी या दोनों बढ़ें हों तो इसका अर्थ है कि आपको उच्च रक्तचाप (Hypertension) है। एक वर्तमानिक सर्वेक्षण के अनुसार प्रत्येक तीन बालिग व्यक्तियों में से एक व्यक्ति उच्च रक्तचाप का रोगी है, चूंकि इसके लक्षण प्रकट नहीं होते इसलिए एक तिहाई व्यक्तियों को इस बात का पता ही नहीं चलता कि उन्हें यह रोग है। वास्तविकता तो यह है कि अधिकतर लोगों को वर्षों से उच्च रक्तचाप है परन्तु वह इससे अज्ञात होते हैं। यदि उच्च रक्तचाप पर नियंत्रित न किया गया तो इसके परीणाम में पक्षाघात, दिल का दौरा, हृदपात (हार्ट फेल्योर) या वृक्क पात हो सकता है। इसी कारण से उच्च रक्तचाप को 'गुप्त हत्यारा' भी कहा जाता है। केवल ब्लड-प्रेशर चैक करने से पता चलता है कि आपको उच्च रक्तचाप है या नहीं।

उच्च रक्तचाप वर्तमान युग का रोग है। जीवन की दौड़-भाग और कारोबारी आवश्यकताओं की पूर्ति और मेट्रोपोलिटन वातावरण मानसिक एवं शारीरिक दबाव बढ़ाते हैं जिसके फलस्वरूप उच्च रक्तचाप का रोग बढ़ने लगा है। साधारण रूप से उच्च रक्तचाप की सर्वप्रथम पहचान यह होती है कि प्रातः उठने के पश्चात् सिर के पिछले भाग और गर्दन में दर्द होता है जो जल्द ही समाप्त हो जाता है। इस रोग के कुछ और अन्य लक्षण हैं जैसे सिर चकराना, हृदय की धड़कन, हृदय के आस-पास दर्द होना, बार-बार मूत्र आना, मानसिक तनाव, थकावट और सांस लेने में कष्ट का अनुभव। उच्च रक्तचाप का सबसे बड़ा कारण मनोवैज्ञानिक दबाव और अनुचित रूप से जीवन व्यतीत होना है। धूम्रपान और मादक द्रव्यों का अधिकतर सेवन, चाय, कॉफी और शोधित पदार्थ जीवन की प्रकृतिक गति को नष्ट कर देते हैं और शरीर से अवशेष एवं विषैले पदार्थों के निकलने में रुकावट डालते हैं। इसके अतिरिक्त धमनीकलाकाठिन्य (धमनियों की दीवारों का उसके अन्तःअस्तरों में एथीरोमा बनने से मोटा एवं कठोर होना जिसके फलस्वरूप उनकी कोशिका तंग हो जाना), मोटापा और मधुमेह से भी उच्च रक्तचाप होता है। उच्च रक्तचाप के कुछ और कारण हैं नमक का अधिक प्रयोग, चिकनाई युक्त अहार और कम फाइबर वाले अहार।

प्रेशर-ईज् कैप्सूल रक्तचाप को सामान्य बनाए रखने और पूर्ण रूप से कन्ट्रोल में रखता है और ऐसी क्रिया-विधियों को नष्ट करता है जो इसके मुख्य स्रोत का कारण हैं। प्रेशर-ईज् कैप्सूल के कुछ संघटक अंश विशेष रूप से उन रक्त वाहिनियों को

निशाना बनाता है जो सुकृड़ गई हैं, जबकि दूसरे संघटक अंश हृदय के द्वारा रक्त की सप्लाई को स्वस्थ बनाने में सहायता करते हैं और धमनीयों में होने वाली रुकावटों को होने से रोकता है। प्रेशर-ईज् कैप्सूल मनोवैज्ञानिक दबाव को दूर करता है और शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

कहरुबा	(Succinum)	50 मिली ग्राम
गुलाब फूल	(Rosa damascena)	100 मिली ग्राम
इलाइची छोटी	(Elattaria cardamomum)	100 मिली ग्राम
सन्दल सफ़ेद	(Santalum album)	100 मिली ग्राम
छोटा चांद	(Rauwolfia serpentina)	150 मिली ग्राम

y{k.k %

उच्च रक्तचाप, अनिद्रा, मनोवैज्ञानिक दबाव और चिंता व परेशानी।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd iHkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1 कैप्सूल रात को सोते समय पानी से सेवन कराएं। निश्चित मात्रा से अधिक न दें।

ijgst+o vkgkj %

कैल्सियम उच्च रक्तचाप को कम करने में अत्यधिक महत्वपूर्ण कार्य करता है। चूंकि यह मूत्रल है इस कारण यह वृक्क से सोडियम और पानी निकालने में सहायता करता है। इसी आधार के दृष्टि-कोण से कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि उच्च रक्तचाप के कुछ कारण कैल्सियम की कमी होती है न के सोडियम की अधिकता। प्रकृतिक कैल्सियम दूध से बने पदार्थ (जिसमें चिकनाई की मात्रा कम हो), हरी पत्तेदार सब्जियां, ब्रॉकलि, शलजम, हड्डियों के साथ सालमन और सार्डीन मछली, शुष्क अन्जीर और चना में होता है। अधिक से अधिक फल और सब्जियां खाएं जैसे सेब, मूसली, केला, बन्द गोभी, गाजर, बैंगन, लहसुन, चकोतरा, खरबूजा, प्याज़, मटर, किशमिश, रसभरी, टमाटर, कद्दू और शकर कन्द। ताज़ा जूस को अपने आहार में सम्मिलित करें। निम्नांकित जूस स्वास्थ्यदायक होते हैं : चुकन्दर, गाजर एवं अजमोद, किशमिश, खट्टे फल, पालक और तरबूज। भूरा चावल और जई का प्रयोग करें।

हर प्रकार के पशुओं की वसा से परहेज करें। गाय, सुअर का गोशत, बीफ, मुर्गी का यकृत, धुएँ से गलाये हुए और संसाधित किया हुआ मांस से भी परहेज करें। पशुओं के मांस में केवल भुनी हुई सफ़ेद मछलियों, बिना खाल के टर्की और मुर्गी खाना चाहिए और वह भी सीमित मात्रा में। इनके स्थान पर प्रोटीन को सब्जियाँ, अनाज और फलियों के द्वारा प्राप्त करें। पुराना पनीर और मांस, चाक्लेट, खट्टी क्रीम, शराब, दही, कैफीन और तम्बाकू से परहेज करें।

स्वास्थ्य कारक भार बनाए रखकर आप उच्च रक्तचाप को रोक सकते हैं। यदि भार बढ़ गया है तो अपना भार कम करें। अधिक व्यायाम और कम नमक का खाना खाने से भी रक्तचाप को समान रखने में सहायता मिल सकती है।

ifdx %

28 कैप्सूल का पैक।

प्रोस्टेट-बी एच

fooj.k :

यह रोग केवल पुरुषों में अर्धे अवस्था से वृद्धावस्था तक होता है। डाक्टर इसे “बैनाइन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लेसिया (BPH)” या “बैनाइन प्रोस्टेटिक हाइपरट्रॉफी” कहते हैं। WHO के अनुसार पुरुषों में 50 वर्ष से अधिक उम्र के 50 प्रतिशत से ज़्यादा पुरुष BPH के रोगी होते हैं और 85 वर्ष से अधिक उम्र में 90 प्रतिशत पुरुष BPH के रोगी होते हैं। यह मुख्यतः मूत्राशय से संबंधित रोग है जिसमें मूत्र नाली संकुचित हो जाती है तथा सूजन के कारण मूत्र त्यागने में रुकावट होती है। मूत्र त्याग की इच्छा होती है परंतु मूत्र त्याग नहीं हो पाता अथवा बार-बार पेशाब आता है तथा रुक-रुक कर आता है यहां तक कि रात को बिस्तर पर पेशाब निकल जाता है। जैसे-जैसे पुरुष की आयु बढ़ती है वैसे-वैसे प्रोस्टेट ग्रन्थि दो बड़े विकास काल से गुजरती है। पहली बार यौवनारंभ में जब प्रोस्टेट ग्रन्थि का आकार दुगना हो जाता है। जब वह 25 वर्ष की आयु का हो जाता है फिर प्रोस्टेट ग्रन्थि का आकार बढ़ने लगता है। यह दूसरा विकास कई वर्षों बाद BPH का कारण बनता है। एक पुरुष के जीवन-काल में प्रोस्टेट ग्रन्थि का आकार बढ़ता रहता है परंतु केवल वृद्धावस्था में यह रोग परेशान करता है। 40 वर्ष की उम्र से पहले बहुत कम BPH के लक्षण पुरुषों में नज़र आते हैं।

जब प्रोस्टेट ग्रन्थि का आकार बढ़ता है तो उसके आस-पास की कोशिकाएँ उसको बढ़ने से रोकती हैं जिसके कारण प्रोस्टेट ग्रन्थि मूत्र मार्ग को उस तरह दबा देता है जैसे कोई क्लैम्प पाइप को दबाता है। मूत्राशय की दीवार मोटी और संवेदनशील हो जाती है जिसके कारण थोड़ा सा पेशाब बनते ही मूत्राशय खिंचना शुरू हो जाता

है और बार-बार पेशाब करने की इच्छा होती है। जिसके कारण मूत्राशय इतना कमजोर हो जाता है कि अपने आप को पूरी तरह खाली भी नहीं कर पाता। मूत्राशय में पेशाब बाकी रह जाता है। मूत्राशय का संकीर्ण हो जाना और फिर मूत्राशय का पूर्ण खाली न होना BPH से जुड़ी बहुत सारी कठिनाईयाँ पैदा कर देता है। बहुत सारे लोग प्रोस्टेट ग्रन्थि का विचार-विमर्श करने से इसलिए घबराते हैं क्योंकि प्रोस्टेट ग्रन्थि सेक्स और पेशाब दोनों में यह एक महत्वपूर्ण कार्य अदा करता है। प्रोस्टेट ग्रन्थि का बढ़ना बढ़ती हुई उम्र का एक साधारण अंश है जैसे बढ़ती हुई उम्र में बाल सफ़ेद होना। जितनी उम्र बढ़ती है उतनी ही BPH की संभावना बढ़ जाती है।

प्रोस्टेट-बी एच इस रोग के लिए बिना हानि के गुणकारी औषधि है जो BPH में लाभदायक है। ये मूत्र की मात्रा को बढ़ाती है, सूजन को कम करती है जिससे मूत्र खुलकर आता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

काहू	(Lactuca sativa)	75 मिली ग्राम
वरुन छाल	(Crataeva nurvula)	75 मिली ग्राम
खयारैन बीज	(Cucumis sativus)	100 मिली ग्राम
बिनौला	(Gossypium herbaceum)	100 मिली ग्राम
गोखरू छोटा	(Tribulus terrestris)	150 मिली ग्राम

y{k.k %

प्रोस्टेट ग्रन्थि का आकार बढ़ना और बार-बार पेशाब आना।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd iHkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

2-2 कैप्सूल दिन में दो बार पानी से सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

प्रोस्टेट ग्रन्थि के आकार को बढ़ने से तो रोका नहीं जा सकता लेकिन इसके दुष्प्रभाव कम किए जा सकते हैं। शाम को तरल पदार्थ न लें विशेष रूप से शराब और कैफीन युक्त पेय। इन दोनों के सेवन में कमी करने से रात को पेशाब के लिए बार-बार उठने में कमी होगी। इसके अतिरिक्त अधिक शराब पीने से मूत्राशय या प्रोस्टेट

ग्रन्थि में जलन हो सकती है। अपने चिकित्सक से कहें कि वह उन दवाओं को बंद कर दें या बदल दें जिनसे यह रोग बढ़ सकता है। उन दवाओं में हिस्टामीन के प्रभावों को निष्फल करने वाली, अधिक पेशाब लाने वाली, रक्ताधिक्य अथवा शोथ को कम करने वाली, ऐंठन को रोकने अथवा कम करने वाली और मानसिक तनाव को कम करने वाली औषधियां शामिल हैं। ये औषधियां मूत्राशय की मांसपेशियों को कमजोर कर सकती हैं या प्रोस्टेट ग्रन्थि के मुंह को संकुचित कर सकती हैं। जब पेशाब लगे तो तुरंत करलें और आराम से बैठकर मूत्राशय को पूरी तरह खाली करें। ब्रॉकलि, गोभी, शलगुम, फूलगोभी आदि, गाजर और कद्दू अधिक खाएं। अपने प्रोस्टेट ग्रन्थि को ताकत देने के लिए रोजाना वे खाने खाएं जिनमें जसता हो जैसे समंदर से प्राप्त खाना, पालक, सूरजमुखी के बीज, अंकुरित अनाज और विशेष रूप से कद्दू के बीज। दूध या दूध से बने पदार्थ से परहेज करें।

ifda %

30 व 60 कैप्सूल का पैक।

फर्म-अप कैप्सूल

fooj.k :

स्तन में विकास यौवनारंभ में शुरू होता है। उस समय जवान स्त्री को पीयूष ग्रन्थि से रासायनिक तत्व मिलने शुरू हो जाते हैं। ये तत्व एक स्त्री के शरीर में प्रभावशाली परिवर्तन लाते हैं। स्तन की कोशिकाओं में कार्य-कुशल विकास तब होता है जब वृद्धि हॉर्मोन्स की संतुलित मात्रा मौजूद हो। इन वृद्धि हॉर्मोन्स की असंतुलित मात्रा स्तन के विकास में बाधा डाल सकती है।

फर्म-अप कैप्सूल स्तन की कोशिकाओं में कार्य-कुशल विकास पैदा करता है। इसकी जड़ी बूटियों के गुण नारी लिंग हार्मोन जैसे होते हैं। इसके सेवन से शरीर उत्तेजित होकर यौवनारंभ के समय जो बढ़ने की प्रक्रिया का अनुभव होता है उसकी नकल करता है। स्तन-ग्रन्थियां दुबारा सक्रिय हो जाती हैं और नई व स्वस्थ स्तन की कोशिकाओं में विकास पैदा होता है और मौजूदा कोशिकाएं फूलने लगती हैं। फर्म-अप कैप्सूल न केवल स्तन को दृढ़ रखता है बल्कि दबे हुए स्तन फूलने लगते हैं और ढीले स्तन सुडौल बनने लगते हैं। औरतें जिनके स्तन बढ़े और झुके हुए होते हैं उनके स्तन स्थिर रहते हैं या दृढ़ता के साथ बढ़ने लगते हैं। यह विकास प्राकृतिक, सुरक्षित और बहुत प्रभावशाली है जिसमें कोई रासायनिक हॉर्मोन्स नहीं हैं।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

बिदारी कन्द (Pueraria tuberosa Extract) 50 मिली ग्राम

बादरंज बोया	(Melissa parviflora Extract)	50 मिली ग्राम
काला जीरा	(Carum carvi Extract)	50 मिली ग्राम
मेथी	(Trigonella foenum-graceum Ext.)	75 मिली ग्राम
सौंफ	(Foeniculum vulgare Extract)	75 मिली ग्राम
जई	(Avena sativa Extract)	100 मिली ग्राम
बिनौला	(Gossypium herbaceum Extract)	100 मिली ग्राम

y{k.k %

स्तन के आकार में कमी तथा ढीलापन।

fu'ks'k %

इसको 18 वर्ष से कम आयु की स्त्री, गर्भवती महिलाएं एवं पुरुष सेवन न करें। इस दवा का सेवन दी गई मात्रा में ही कराएं।

nd iHkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

2-2 कैप्सूल दिन में दो बार खाने के बाद एक गिलास पानी के साथ दें। इसका परिणाम 20 दिन में नजर आना शुरू हो जाएगा लेकिन इसके पूरे परिणाम में 3 से 6 महीने लग सकते हैं जो व्यक्तिगत एवं स्वास्थ्य तथा आयु पर निर्भर है।

ijgst+o vkgkj %

कैफीन (चॉकलेट, कॉफी, कैफीन युक्त पेय, चाय, इत्यादि) से बचें। इन चीजों से हार्मोन्स का संतुलन बिगड़ सकता है जिसके कारण स्तन विकास में रुकावट आ सकती है।

तनाव को नियमित रूप से व्यायाम करके दूर करना, अच्छी नींद लेना और उचित आहार खाना (जिससे खून में शक्कर की मात्रा न बढ़े) इन सबसे हार्मोन्स में सन्तुलन बना रहता है तथा स्तन विकास को मदद मिलती है। अपने स्तन को पूरे समय ढीला छोड़ दें या ढीली ब्रा का इस्तेमाल करें या कभी-कभी न भी करें।

ifda %

28 कैप्सूल का पैक।

फर्म-अप लोशन

fooj.k :

स्तन विकास किशोरावस्था में आरंभ हो जाता है उस समय किशोरी की पीयूष ग्रन्थि से रासायनिक संकेत प्राप्त होने लगते हैं। यह संकेत युवती में प्रभावकारी शारीरिक

परिवर्तन का कारण बनते हैं। स्तन तन्तुओं का विकास मूलतः शारीरिक विकास के जिम्मेदार संतुलित हार्मोन की उत्पत्ति से संभव होता है। इन हार्मोन की असंतुलित उत्पत्ति स्तन विकास में बाधक होती है। पौष्टिक पदार्थों की कमी और हार्मोन की कमी के कारण कुछ महिलाओं के स्तन छोटे रह जाते हैं या उनका पूर्ण विकास नहीं हो पाता। महिलाओं की एक और परेशानी स्तन की शिथिलता भी है। यह स्थिति एक न एक समय हर स्त्री के जीवन में आती है। अधिकतर महिलाओं में यह गर्भ धारण से भी पहले हो जाता है। इसके साथ-साथ, बहुत सी किशोरियां भी स्तन के लटक जाने की शिकायत करती हैं। लेकिन अधिक वजन वाली महिलाओं में अधिक वसा के कारण, स्तन दूसरों से पहले ढीले पड़ जाते हैं।

फर्म-अप लोशन स्वस्थ स्तन स्नायुओं के विकास में सहायता करता है। फर्म-अप लोशन में मौजूद पदार्थ स्तन ग्रन्थियों की त्वचा स्नायुओं को पुनः बढ़ने के लिए उत्तेजित करते हैं। ऐसा विभिन्न जड़ी बूटियों में पाए जाने वाले इस्ट्रोजन जैसे लक्षणों के कारण संभव होता है। अतः शरीर में इस्ट्रोजन पैदा करने में सहायक होते हैं। इन पदार्थों का मिश्रण स्वतः शरीर को किशोरावस्था या गर्भावस्था जैसी स्थिति का आभास कराता है फलस्वरूप ग्रन्थियों के स्नायुओं का विकास बढ़ने के कारण आप स्तनों के आकार में बढ़ौतरी महसूस करते हैं।

फर्म-अप लोशन केवल स्तन को सुदृढ़ ही नहीं रखता बल्कि उनकी शिथिलता और ढीलेपन को दूर करता है और आकार में व्यापक बढ़ौतरी लाता है। विकसित स्तनों वाली महिलाएं जिनके स्तन बड़े और ढीले हों, कुछ ही समय में दृढ़ और स्थिर स्तनों का आभास करती हैं। यह समस्त प्रक्रिया पूर्णतया प्राकृतिक, सुरक्षित और प्रभावी है।

feJ.k %

प्रत्येक मि.ली. में शामिल पदार्थ :

बाबूना	(Anthemis nobilis Oil)	5 %
सौंफ	(Foeniculum vulgare Oil)	5 %
मेथी	(Trigonella foenum-graecum Oil)	5 %
अरण्डी	(Ricinus communis Oil)	5 %
मूलेठी	(Glycyrrhiza glabra Oil)	5 %
धीकवार जूस	(Aloe Vera Juice)	5 %
विधारी कंद	(Pueraria tuberosa Oil)	5 %
बादाम	(Prunus amygdalus Oil)	5 %

Base आवश्यकतानुसार

y{k.k %

अविकसित और ढीले व शिथिल स्तन।

fu'ksk %

कोई नहीं।

ng i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

i z ks fof/k %

अपनी उंगली के सिरों पर आवश्यकतानुसार लोशन को लेकर प्रत्येक स्तन पर लगाएं और धीरे-धीरे अपनी हथेली से गोलाई में उपर की ओर 3-5 मिनट तक मालिश करें ताकि लोशन त्वचा में सूख जाए। दाएं हाथ से घड़ी की दिशा में और बायें हाथ घड़ी की उल्टी दिशा में इस प्रकार मालिश करें कि निपल पर हाथ न लगे। अधिक लाभ के लिए दिन में दो बार प्रयोग करें। केवल 20 दिनों में लाभ दिखने लगेगा फिर भी संपूर्ण लाभ के लिए उसे 6 माह का समय लगेगा। आयु, स्वास्थ्य, जेनेटिक तथ अन्य कारणों से अलग-अलग परिणाम आ सकते हैं।

i jgst+o vkgkj %

कैफीन जैसे काफी, चाकलेट, कैफीन युक्त पेय, चाय आदि से बचे। यह पदार्थ हार्मोन का संतुलन बिगाड़ते हैं और स्तन विकास में बाधक हो सकते हैं। तम्बाकू का धुवां स्वतंत्र रैडिकल्स के द्वारा त्वचा कोशिकाओं को हानि पहुंचा कर उसके लचीलेपन को समाप्त कर देते हैं। इसके कारण स्तन शिथिलता और चेहरे पर झुर्रियां आ सकती हैं। नियमित व्यायाम से तनाव दूर करें, अच्छी और गहरी नींद लें और पौष्टिक आहार द्वारा रक्त में शर्कर की मात्रा को संतुलित रखें ताकि हार्मोन संतुलन बना रहे और प्राकृतिक स्तन विकास हो सके। कोशिश करें कि आपके स्तन ज्यादातर बाधारहित विकसित हों इसके लिए चाहे आपको ब्रा रहित या ढीली ब्रा का इस्तेमाल ही क्यों न करना पड़े। यह धारणा गलत है कि ब्रा स्तन को ढीला होने से बचाती है। सच्चाई तो यह है कि यदि ब्रा हर समय पहनी जाए तो स्तन को संभालने वाले स्नायु कमजोर पड़ जाते हैं।

i fda %

40 मि.ली. की पेट बोटल।

फेशन अप

fooj.k %

त्वचा हमारे शरीर का ऐसा मुख्य बाहरी अंग है जो शरीर के अन्दरूनी अंगों की चोट, गर्मी और संक्रमण से सुरक्षा करती है और शरीर से पसीने के रूप में गन्दगी बाहर करने में सहायक होती है। सरकारी यातायात साधनों से सफर हो या साइकिल की

सवारी दोनों से त्वचा का नुकसान हो सकता है। आप काम पर जाना बन्द नहीं कर सकते इसका यह मतलब तो नहीं कि आप प्रदूषण को अपनी त्वचा से खिलवाड़ करने देंगे? जवाब है नहीं। यदि आप उचित देखभाल करें तो त्वचा को नुकसान से बचा सकते हैं। अतः धूप में बाहर जाते समय त्वचा की रक्षा आवश्यक हो जाती है। लोग गुलाब को एण्टी आक्सीडेंट के रूप में प्रयोग करते हैं जो त्वचा कोशिकाओं को सुदृढ़ कर नई कोशिकाओं की उत्पत्ति में सहायक है। इन्हीं विशेषताओं के चलते गुलाब जल कोमल त्वचा वालों के लिए विशेषकर बहुत लाभप्रद होता है। फ्रेशेन अप एक प्राकृतिक उत्पाद है जो सूजन नाशक है, एलर्जी दूर करने और त्वचा को मुलायम करने में गुणों से परिपूर्ण है। त्वचा को धूल आदि से साफ कर टंडा रखता और निखारता है, साथ ही दाग धब्बों को दूर कर चिकनेपन को सामान्य करता है। त्वचा में पानी की मात्रा सामान्य कर उसे चमकदार लचीला बनाता है। यह कोई सामान्य गुलाब जल नहीं बल्कि बोलत में बंद सुदर त्वचा है। अचानक गर्मी की लहर दौड़ना व पसीना आना, धूप से झुलसी त्वचा या सर्दियों के सूखेपन में जादू सा असर दिखाता है। नहाते समय पानी में फोशन अप को थोड़ा स्प्रे, गिरी हुई तबियत अनिद्रा और उदासी दूर कर देता है। संक्रमण नाशक विरोधी, प्रतिदूषक और कीटाणुनाशक व ऐस्ट्रिजेन्ट व सूजन नाशक होने की वजह से इसे छिलने, कटने या त्वचा पर चोट लगने में स्प्रे किया जा सकता है, त्वचा की एलर्जी और कीड़ों के काटने में भी लाभकारी है।

feJ.k %

प्रत्येक 100 मि.ली. में शामिल पदार्थ :

गुलाब जल (Rosa damascena) 100%

y{k.k %

त्वचा के धब्बे, चिकनापन, धूल-मिट्टी या भद्दी त्वचा, रूखापन, धूप से झुलसी त्वचा, सर्दियों में रूखी व फटी त्वचा, रजो रोध की गर्मी, उदासी, दुख, अनिद्रा, छिलना, कटना या त्वचा पर चोट, त्वचा की एलर्जी और कीड़ों के काटने में।

fu'ks'k %

कोई नहीं।

nd i tkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

i z ks fof/k %

2-3 बार चेहरे या ग्रस्त भाग पर स्प्रे करें अथवा आवश्यकतानुसार।

i sdx %

100 मि.ली. की स्प्रे बोतल।

फिर्मॉन

fooj.k :

प्राचीन काल से स्त्रियों को उनकी यौन सम्बन्धी बीमारियों को बुरा समझ कर उन्हें घृणा से देखा जाता था या उस बात को सुना नहीं जाता था या उसे गलत समझा जाता था। पश्चिमी देशों में पिछले 40 वर्षों से औरतों को अधिकार दिलाने के लिए काम करने और उन्हें आजादी दिलाने वाले संगठनों के प्रयासों से यौन सम्बन्धित समस्याओं में रोमांचक परिवर्तन आया है। 43 प्रतिशत औरतें यौन समस्याओं का सामना करती हैं जबकि सिर्फ 31 प्रतिशत मर्द यौन समस्याओं का सामना करते हैं। इनमें यौनइच्छा की कमी, उत्तेजित न होना, संभोग का उत्कर्ष न होना और संभोग के समय पीड़ा आदि होती हैं। यौनइच्छा की कमी एक तिहाई औरतों की आम समस्या है जो कभी न कभी उनकी जिंदगी में सामने आई होगी।

स्त्रियों की यौनइच्छा उनके मस्तिष्क में होती है और उसका कारण उनके जीवन साथी के साथ संबंधों पर होता है। लेकिन इसका कारण उनकी पारिवारिक समस्याएं, बिमारी या किसी का देहान्त, बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी, काम का दबाव, भौतिक और भावात्मक दुर्वचन तथा अवसाद (डिप्रेशन) भी हो सकता है। हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप), हृदय रोग, कैंसर, थाइरॉइड विकार, मधुमेह, स्नायु रोग तथा स्वक्षम रोग (ऑटोइम्यून डिजीज़) जैसे त्वचा रोग जिसमें ज़ख्म बनता है यौनइच्छा की कमी पैदा करते हैं। इनके अतिरिक्त कुछ ऐसी दवाओं का प्रयोग जैसे उच्च रक्तचाप को रोकथाम करने वाली और अवसाद रोकने वाली या और कोई दवा, नशीले पदार्थ और शराब का प्रयोग भी इसका कारण हो सकता है।

फिर्मॉन प्राकृतिक जड़ी बूटियों के मिश्रण से बनी असरकारक दवा है जो स्त्री की जननेंद्रियों में खून का संचरण बढ़ाकर यौन, शारीरिक व मानसिक संतुष्टि प्रदान करती है। यौन, शारीरिक व मानसिक संतुष्टि मिलने से योनि में तरी आती है, योनि की मांसपेशियां ढीली होती हैं जिसके कारण संभोग के दौरान आनन्द पैदा होता है। जिन स्त्रियों को संभोग उत्कर्ष प्राप्ति में कठिनाई होती है उनके लिए भी फिर्मॉन लाभदायक है। स्त्रियों की जननेंद्रियों में सुग्राहिता बढ़ाकर संभोग के दौरान ज़्यादा आनन्द पैदा करती है। फिर्मॉन संभोग उत्कर्ष प्राप्ति की तीव्रता को भी बढ़ाती है और सामान्य थकावट तथा सामान्य कमजोरी में भी लाभदायक है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

अम्बर	(Ambra grasea)	5 मिली ग्राम
आकरकर्हा	(Anacyclus pyrethrum Extract)	15 मिली ग्राम
चोबचीनी	(Smilax china Extract)	25 मिली ग्राम

खुलंजान	(Alpinia galanga Extract)	25 मिली ग्राम
जाफ़रान	(Crocus sativus)	25 मिली ग्राम
गोखरू छोटा	(Tribulus terrestris Extract)	50 मिली ग्राम
कौंच	(Mucuna pruriens Extract)	90 मिली ग्राम
अश्वगन्धा	(Withania somnifera Extract)	100 मिली ग्राम
सतावर	(Asparagus racemosus Extract)	165 मिली ग्राम

y{k.k %

यौनइच्छा की कमी, यौन उत्तेजना में कमी (FSAD), बांझपन, संभोग उत्कर्ष प्राप्ति में कठिनाई, संभोग के दौरान पीड़ा, योनि का सूखापन, सामान्य थकावट तथा सामान्य कमजोरी।

fu'ksk %

गर्भावस्था में तथा दूध पिलाने के दौरान इसका सेवन न कराएं।

nd i lko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

दो कैप्सूल रात को संभोग से 1 घंटा पहले और खाने के 1 घंटे बाद दूध के साथ सेवन कराएं। थकावट तथा सामान्य कमजोरी में एक कैप्सूल सुबह पानी के साथ सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

कैफ़ीन, धूम्रपान, शराब व भावात्मक तनाव से बचें, यह बांझपन के मुख्य कारण होते हैं। तेज़ मिर्च—मसाले और नमक की अधिकता से भी बचें। अवसाद (डिप्रेशन) और चिंता से यौनइच्छा कम होती है।

नियमित व्यायाम शक्ति बढ़ाकर तथा तनाव को कम करके यौनइच्छा को उत्साहित करता है। स्वस्थ आहार, जिसमें चिकनाई कम हो, ताज़ी सब्जियां, फ़ल व अंकुरित अनाज खाएं।

ifdx %

10 कैप्सूल का पैक।

मूसली केसर

fooj.k :

एक सवाल लोग आमतौर से पूछते हैं, 'मुझे परिपूरक की क्या आवश्यकता? क्या विभिन्न पौष्टिक आहार मेरी शारीरिक आवश्यकता पूरी नहीं कर सकते? इसका एक

सीधा सा जवाब है और हो सकता है यह आपको चौंका दे, 'नहीं! और यह कोई विकल्प नहीं बल्कि सच्चाई है' परिपूरक आहारों में विटामिन, मिनरल, जड़ी बूटियां, अमीनो एसिड, इनजाईम और भी अन्य पदार्थ होते हैं जो आहार में शामिल किए जा सकते हैं ताकि सम्पूर्ण पौष्टिकता से किसी प्रकार की कमी न पैदा हो सके।

मूसली केसर एक विशिष्ट मिश्रण युक्त नुसखा है जिसमें 23 नवजीवन दायिनी जड़ी बूटियां हैं। मूसली केसर, औषधि नहीं बल्कि स्वास्थ्य परिपूरक हैं जो शरीर को दिनभर फिट रखता है। सर से पैर तक, मूसली केसर, शरीर के समस्त अंगों को बल प्रदान करता है। मूसली केसर का प्रत्येक तत्व, शरीर के हर एक ऊतक को सक्रिय करता है। मूसली केसर हर मौसम में सभी आयु वर्ग के लोगों को बिना किसी दुष्प्रभाव के समान रूप में दिया जा सकता है।

मूसली केसर का विभिन्न अंगों पर प्रभाव :

1. इम्यून प्रणाली : इम्यून नियामक के रूप में शरीर की इम्यून प्रणाली को सक्रिय करता है।
2. हृदय प्रणाली : हृदय को सुदृढ़ करता, धड़कन को स्थिर करता, प्रसन्न चित्त करता और नाड़ी को नियमित करता है।
3. मस्तिष्क व तंत्र प्रणाली : मस्तिष्क एवं स्नायु तंत्र को दृढ़ करता, स्मरण शक्ति को बल देता, सर दर्द दूर करता, चक्कर और थकावट दूर करता और शारीरिक दर्द को दूर करता है।
4. श्वास प्रणाली : फेफड़ों के उत्तकों को दृढ़ कर, मूसली केसर दमे के रोगी की श्वास क्रिया नियमित करता है। रोग निरोधक होने के कारण सीने के संक्रमण को रोकने में सहायक है।
5. यकृत : यकृत को सामान्य कार्य करने हेतु दृढ़ करता है। शरीर से विषैले पदार्थों को निकालने में यकृत की मदद करता है।
6. पाचन प्रणाली : पाचन क्रिया में लाभकारी है और पाचन प्रणाली को सुदृढ़ करता है। भूख बढ़ाता है।
7. सामान्य शारीरिक दुर्बलता : मांसपेशियों व अस्थि तंत्र को सुदृढ़ बनाता है, इसी कारण खिलाड़ियों और शारीरिक व्यायाम करने वालों के लिए वर्दान है।
8. पुरुषों के विशेष विकार : शरीर के सभी विशिष्ट अंगों को सामान्य करने के कारण पौरुष को बढ़ाता है और ताकत और स्टेमिना को बढ़ाता है।
9. महिला स्वास्थ्य : महिलाओं के प्रजनन अंगों को नियंत्रित करने के कारण, महिलाओं को स्वस्थ रखता है। स्तनपान कराने वाली महिलाओं को फिट और स्वस्थ रखता है और मासिक धर्म नियंत्रित करता है। कमर दर्द, सर चकराने, पैरों के दर्द और मासिक धर्म के समय अन्य परेशानियों को दूर करता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

केसर	(Crocus sativus)	5 मि.ग्रा.
छोटी इलायची	(Elettaria cardamomum)	10 मि.ग्रा.
बावबरंग	(Embelia ribes)	10 मि.ग्रा.
जावित्री	(Myristica fragrans)	10 मि.ग्रा.
नारियल	(Cocos nucifera)	20 मि.ग्रा.
तालमखाना	(Hygrophila spinosa)	20 मि.ग्रा.
सिंघाड़ा	(Trapa bispinosa)	20 मि.ग्रा.
ढाक	(Butea frondosa)	20 मि.ग्रा.
रेवन्द चीनी	(Rheum emodi)	20 मि.ग्रा.
जदवार	(Delphinium denudatum)	20 मि.ग्रा.
बादाम गरी	(Prunus amygdalus)	20 मि.ग्रा.
सालब मिश्री	(Orchis latifolia)	20 मि.ग्रा.
हल्दी	(Curcuma longa Extract)	20 मि.ग्रा.
सतावर	(Asparagus racemosus Extract)	20 मि.ग्रा.
अकरकरह	(Anacyclus pyrethrum Extract)	20 मि.ग्रा.
हलून	(Lepidium sativum Extract)	20 मि.ग्रा.
अर्जुना	(Terminalia arjuna Extract)	20 मि.ग्रा.
शिलाजीत	(Asphaltum Extract)	20 मि.ग्रा.
मोचरस	(Bombax malabaricum Extract)	20 मि.ग्रा.
असगंद	(Withania somnifera Extract)	20 मि.ग्रा.
बिनौला	(Gossypium indicum Extract)	20 मि.ग्रा.
कोंच	(Mucuna pruriens Extract)	20 मि.ग्रा.
मूसली सफेद	(Chlorophytum arundinaceum Extract)	100 मि.ग्रा.

y{k.k %

अतालता (Arrhymias), दमा, बदन दर्द, सर चकराना, बदहज्मी, थकावट, तबियत ढीली होना, यकृत विकार, हाथों का सुन्न होना, पैर दर्द, धड़कन, मासिक धर्म से पूर्व के कष्ट (PMS), संभोग विकार, मस्तिष्क व स्नायु की कमजोरी, हृदय की कमजोरी, इम्यून प्रणाली की कमजोरी और याददाश्त में कमी।

fu'k'k %

7 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए निषेध है।

nd i kko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

15 वर्ष और अधिक – एक कैप्सूल दिन में एक या दो बार, दूध या पानी से, 7 से 14 वर्ष के बच्चों को एक कैप्सूल प्रतिदिन दूध या पानी से

ukV % मूसली केसर खाली पेट भी लिया जा सकता है।

ijgst+o vkgkj %

दूध, मौसम के फल, हरी सब्जियां, अनाज आदि अधिक मात्रा में सेवन करें। अंडा, मांस, मछली भी खा सकते हैं। मसालेदार, तला हुआ भोजन न खाएं।

i fda %

30 कैप्सूल की बोतल।

मूसली केसर प्राश

fooj.k :

एक सवाल लोग आमतौर से पूछते हैं, 'मुझे परिपूरक की क्या आवश्यकता? क्या विभिन्न पौष्टिक आहार मेरी शारीरिक आवश्यकता पूरी नहीं कर सकते? इसका एक सीधा सा जवाब है और हो सकता है यह आपको चौका दे, 'नहीं! और यह कोई विकल्प नहीं बल्कि सच्चाई है' परिपूरक आहारों में विटामिन, मिनरल, जड़ी बूटियां, अमीनो एसिड, इनजाईम और भी अन्य पदार्थ होते हैं जो आहार में शामिल किए जा सकते हैं ताकि सम्पूर्ण पौष्टिकता से किसी प्रकार की कमी न पैदा हो सके।

मूसली केसर प्राश एक विशिष्ट मिश्रण युक्त नुसखा है जिसमें 23 नवजीवन दायिनी जड़ी बूटियां हैं। मूसली केसर प्राश औषधि नहीं बल्कि स्वास्थ्य परिपूरक है जो शरीर को दिनभर फिट रखता है। सर से पैर तक, मूसली केसर प्राश शरीर के समस्त अंगों को बल प्रदान करता है। मूसली केसर प्राश का प्रत्येक तत्व, शरीर के हर एक ऊतक को सक्रिय करता है। मूसली केसर प्राश हर मौसम में सभी आयु वर्ग के लोगों को बिना किसी दुष्प्रभाव के समान रूप में दिया जा सकता है।

मूसली केसर प्राश का विभिन्न अंगों पर प्रभाव :

1. इम्यून प्रणाली : इम्यून नियामक के रूप में शरीर की इम्यून प्रणाली को सक्रिय करता है।
2. हृदय प्रणाली : हृदय को सुदृढ़ करता, धड़कन को स्थिर करता, प्रसन्न चित्त करता और नाड़ी को नियमित करता है।
3. मस्तिष्क व तंत्र प्रणाली : मस्तिष्क एवं स्नायु तंत्र को दृढ़ करता, स्मरण शक्ति को बल देता, सर दर्द दूर करता, चक्कर और थकावट दूर करता और शारीरिक दर्द को दूर करता है।
4. श्वास प्रणाली : फेफड़ों के उत्तकों को दृढ़ कर, मूसली केसर दमे के रोगी की

श्वास क्रिया नियमित करता है। रोग निरोधक होने के कारण सीने के संक्रमण को रोकने में सहायक है।

5. यकृत : यकृत को सामान्य कार्य करने हेतु दृढ़ करता है। शरीर से विषैले पदार्थों को निकालने में यकृत की मदद करता है।

6. पाचन प्रणाली : पाचन क्रिया में लाभकारी है और पाचन प्रणाली को सुदृढ़ करता है। भूख बढ़ाता है।

7. सामान्य शारीरिक दुर्बलता : मांसपेशियों व अस्थि तंत्र को सुदृढ़ बनाता है, इसी कारण खिलाड़ियों और शारीरिक व्यायाम करने वालों के लिए वर्दान है।

8. पुरुषों के विशेष विकार : शरीर के सभी विशिष्ट अंगों को सामान्य करने के कारण पौरुष को बढ़ाता है और ताकत और स्टेमिना को बढ़ाता है।

9. महिला स्वास्थ्य : महिलाओं के प्रजनन अंगों को नियंत्रित करने के कारण, महिलाओं को स्वस्थ रखता है। स्तनपान कराने वाली महिलाओं को फिट और स्वस्थ रखता है और मासिक धर्म नियंत्रित करता है। कमर दर्द, सर चकराने, पैरों के दर्द और मासिक धर्म के समय अन्य परेशानियों को दूर करता है।

feJ.k %

प्रत्येक 10 ग्राम में शामिल पदार्थ :

केसर	(Corcus sativus)	5 मि.ग्रा.
तेजपात	(Cinnamomum tamala)	18 मि.ग्रा.
लौंग	(Myrtus caryophyllus)	29 मि.ग्रा.
पीपल	(Piper longum)	36 मि.ग्रा.
असगंद	(Withania somniferum)	54 मि.ग्रा.
गुलाब	(Rosa damascena)	72 मि.ग्रा.
सतावर	(Asparagus racemosus)	72 मि.ग्रा.
बिधारी कंद	(Pueraria tuberosa)	72 मि.ग्रा.
गिलो	(Tinospora cordifolia)	72 मि.ग्रा.
नागकेसर	(Mesua ferrea)	72 मि.ग्रा.
छोटी इलायची	(Elettaria cardamomum)	90 मि.ग्रा.
जायफल	(Myristica fragrans)	90 मि.ग्रा.
जावित्री	(Myristica fragrans)	90 मि.ग्रा.
धनिया	Coriandrum sativum)	90 मि.ग्रा.
दारचीनी	(Cinnamomum zeylanicum)	90 मि.ग्रा.
सफेद जीरा	(Cuminum cyminum)	90 मि.ग्रा.
मूसली सफेद	(Chlorophytum arundinaceum)	360 मि.ग्रा.
देसी घी	(Clarified Butter)	360 मि.ग्रा.

शहद	(Honey)	580 मि.ग्रा.
बादाम	(Prunus amygdalus)	652 मि.ग्रा.
आमला पिश्टी	(Emblica officinalis)	1.881 ग्राम
शकर	(Sugar)	आवश्यकतानुसार

y{k.k %

एसिडिटी, अफारा, जी मिचलाना, सरदर्द, थकावट, चक्कर आना, अपच, यकृत विकार, आंत की पीड़ा, दस्त, खांसी, दमा, सीने की पीड़ा, श्वास तंत्र संक्रमण, सर्दी, तनाव, धड़कन, स्मरण शक्ति, सामान्य कमजोरी, जोड़ों का दर्द, बदन दर्द, कमर दर्द, पैरों का दर्द, हाथ पैर सुन्न होना, शरीरिक दुर्बलता, शुक्राणु की कमी (Oligospermia), प्रमेह, यौन संबन्धी विकार, स्तन में दूध की कमी, समय से पूर्व बुढ़ापा, इम्यून प्रणाली की कमजोरी के कारण बार-बार इन्फेक्शन आदि।

fu'ksk %

मधुमेह, पेशाब के साथ मवाद आना (Pyelonephritis), विटामिन सी के चयापचय प्रक्रिया विकार।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

3 से 7 वर्ष – 1/2 चमचा दूध या पानी से दिन में एक बार।

8 से 14 वर्ष – 1 चमचा एक या दो बार दूध या पानी से दे।

15 वर्ष से ऊपर – 2 चमचा 1 या 2 बार दूध या पानी से दे।

ijgst+o vkgkj %

दूध, मौसम के फल, हरी सब्जियां, अनाज आदि अधिक मात्रा में सेवन करें। अंडा, मांस, मछली भी खा सकते हैं। मसालेदार, तला हुआ भोजन न खाएं।

i fda %

380 ग्रा. का जार

माइग्रा-कैप

fooj.k :

माइग्रेन (आधा सीसी का दर्द) का रोग पूरी दुनिया में 10 प्रतिशत लोगों को है और स्त्रियों में पुरुषों से तीन गुणा ज्यादा पाया जाता है। माइग्रा-कैप माइग्रेन (जिसमें तीव्र व धड़कन के साथ सिर के एक तरफ दर्द होता है) में लाभकारी है। इस तरह का दर्द अचानक आंख या कनपटी में या उनके आस-पास उठता है और फिर यह

आधे सिर या पूरे सिर में फैल जाता है और फिर भूख की कमी, मतली, उलटी, प्रकाश और ध्वनि के प्रति संवेदनशीलता और खाने को मन नहीं करना आदि पैदा हो जाते हैं। प्रायः देखा गया है कि यह दर्द सूर्योदय होते ही प्रारंभ होता है, दोपहर के समय दर्द बहुत अधिक बढ़ जाता है। परन्तु जैसे-जैसे सूर्य पश्चिम की तरफ ढलता है, सिरदर्द में आराम मिलने लगता है। सूरज छिपने के बाद दर्द स्वयं ही ठीक हो जाता है। परन्तु ऐसा प्रत्येक माइग्रेन ग्रस्त रोगी के साथ हो यह ज़रूरी नहीं है। यह हमला 4 से 72 घंटों तक रह सकता है। माइग्रेन यूं तो किसी भी आयु वर्ग के लोगों को अपना शिकार बना सकता है, लेकिन यह प्रायः 10 से 30 वर्ष की उम्र में शुरु होता देखा गया है। ऐसा माना जाता है की माइग्रेन माता-पिता से बच्चों में पहुंचता है क्योंकि 50 प्रतिशत रोगियों में कोई न कोई उनके खानदान में इस रोग में ग्रस्त होगा। लगभग 30 प्रतिशत रोगियों में लक्षण पहले से दिखाई देने लगते हैं जैसे आंखों के सामने चिंगारियां सी उड़ती नज़र आने लगती हैं, आंखों के सामने अंधेरा छाने लगता है, टेढ़ी-मेढ़ी लाइनें और चमकदार रंगीन रोशनी दिखाई देने लगती हैं और शरीर का कोई अंग सुन होने लगता है और आंखों से धुंधला नज़र आने लगता है, जिसे 'औरा' कहा जाता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

पीली हड़	(Terminalia chebula, Yellow)	25 मिली ग्राम
काबुली हड़	(Terminalia chebula, Brown)	25 मिली ग्राम
काली हड़	(Terminalia chebula, Black)	25 मिली ग्राम
बहेड़ा	(Terminalia belerica)	25 मिली ग्राम
ऑवला	(Emblica officinalis)	25 मिली ग्राम
सनाय मक्की	(Cassia angustifolia)	25 मिली ग्राम
निसोंठ	(Operculina turpethum)	25 मिली ग्राम
बिसफाइज	(Polypodium vulgare)	25 मिली ग्राम
मस्तगी	(Pistacia lentiscus)	25 मिली ग्राम
अकाशबेल	(Cuscuta reflexa)	25 मिली ग्राम
धनिया	(Coriandrum sativum)	25 मिली ग्राम
काली मिर्च	(Piper nigrum)	25 मिली ग्राम
सोंठ	(Zingiber officinale)	25 मिली ग्राम
उस्तखुददूस	(Lavandula stoechas)	175 मिली ग्राम

y{k.k %

धड़कन के साथ सिर का दर्द और माइग्रेन।

fu'ksk %

गर्भावस्था में तथा दूध पिलाने के दौरान इसका सेवन न कराएं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल दिन में दो बार पानी के साथ सेवन कराएं, एक बार सूर्य निकलने से पहले जरूर दें।

ijgst+o vkgkj %

माइग्रेन के उद्दीपक जैसे तनाव, थकान, धूम्रपान, धुआ, चमकीली रोशनी, दूध से बने पदार्थ विशेषतः पनीर, चॉकलेट, अण्डा, संतरा, साग, केला, गेंहू और गेहूं से बने पदार्थ, मूंगफली, खट्टे फल, टमाटर, लाल मांस, कोष वाली मछली और शराब विशेषतः रेडवाइन से परहेज़ करें। कब्ज़, यकृत की दुष्क्रिया या आम जकड़न भी माइग्रेन को उद्दीपक कर सकते हैं। ओरल गर्भनिरोधक दवाइयां भी माइग्रेन को उद्दीपक कर सकती हैं।

निरन्तर भोजन लेना और अल्प भोजन माइग्रेन को रोकने के लिए ज़रूरी है। कुछ लोगों में चाय या कॉफी को अचानक छोड़ने से माइग्रेन का हमला हो सकता है। चीनी, रिफाईन किया हुआ भोजन, चिकनाई युक्त खाना, जानवरों के दूध और मांस से बने पदार्थ, चॉकलेट, सोडा और नमक लेना कम कर दें। पानी ज़्यादा पियें, रेशेदार खाने, हरी सब्जियां, अंकुरित अनाज और सब्जियों से मिलने वाले प्रोटीन खाने में अवश्य लें।

i sdx %

30 व 60 कैप्सूल का पैक।

मेमोराइज़

fooj.k %

पुरुषों में उम्र के साथ-साथ स्मरणशक्ति और दिमागी तेज़ी में कमी पैदा होने लगती है। जहां तक स्त्रियों का संबंध है उन्हें मासिक धर्म के रुक जाने से स्मरणशक्ति में कमी और अस्पष्ट विचार पैदा होने लगते हैं। हम सब यह सोच कर परेशान हो जाते हैं कि हमें बुढ़ापे के साथ होने वाली शारीरिक एवं मानसिक दुर्बलता, एल्जेमर की बीमारी और दूसरी मानसिक शक्ति की कमजोरी न हो जाए। आधुनिक जीवन शैली से भी मनुष्य दिमागी तौर पर थका हुआ और कमजोर महसूस करता है।

स्मरणशक्ति की कमी का एक कारण दिमाग को खून के द्वारा पोषण की कमी है। क्योंकि खून शरीर की जिन्दगी है जो हमारे शरीर की सभी कोशिकाओं को पोषण देता है। दिमाग की रक्षा के लिए एक झिल्ली होती है जो उसके चारों तरफ से

लिपटी होती है और वह खून में शामिल तत्व को ही दिमाग तक पहुंचने देती है जो उसके लिए लाभदायक हैं। अगर कोलेस्ट्रॉल के कारण खून गाढ़ा होगा तो वह झिल्ली से कम मात्रा में दिमाग तक पहुंचेगा जिसके कारण पोषण युक्त खून दिमाग को कम मिलेगा और कुछ समय बाद दिमाग में आवश्यक पदार्थों की कमी हो जाएगी। दिमाग का कार्य न्यूरोट्रान्समिटरस पर निर्भर है। खून के पोषक तत्वों से दिमाग न्यूरोट्रान्समिटरस बनाता है जो दिमाग में स्विच का काम करते हैं। अगर दिमाग में नियमित मात्रा में न्यूरोट्रान्समिटरस नहीं होते या खून के पोषक तत्वों की कमी के कारण दिमाग न्यूरोट्रान्समिटरस नहीं बना पाता तो स्मरणशक्ति कम होने लगती है। दिमाग अतिसंवेदनशील अंग है जो ज़हरीले तत्वों से प्रभावित हो जाता है। खाने में ज़हरीले तत्व, प्रदूषक पदार्थ, दांतों की मरकरी, कीटनाशक दवाएं, नशीले पदार्थ, अप्राकृतिक मिठास बढ़ाने के पदार्थ, तंबाकू और शराब से दिमाग को बहुत हानि पहुंचती है जिससे स्मरणशक्ति कम होने लगती है।

मेमोराईज़ में एसी प्राकृतिक जड़ी बूटियां हैं जो वर्षों से परखी व जांची जा चुकी हैं। यह न्यूरोट्रान्समिटरस की सतह को बढ़ाती है और दिमाग में खून का संचरण करती है जिससे आक्सीजन और पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ती है जो स्मरणशक्ति बढ़ाते हैं। यह औषधि विशेषतः उन लोगों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है जिन्हें दैनिक कार्यों के लिए अधिक मानसिक शक्ति अपेक्षित है। मेमोराईज़ दिमाग की खोई हुई ताकत फिर से वापिस लाती है और मानसिक तनाव दूर करती है। मानसिक थकान व अंधेड़ उम्र वाले लोगों को भी मेमोराईज़ के सेवन से बहुत लाभ पहुंचता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

सोंठ	(Zingiber officinale Extract)	50 मिली ग्राम
मालकन्गनी	(Celastus paniculatus)	50 मिली ग्राम
ऑवला	(Emblica officinalis)	50 मिली ग्राम
बालछड़	(Nardostachys jatamansi Extract)	50 मिली ग्राम
काली मिर्च	(Piper nigrum Extract)	50 मिली ग्राम
ब्रह्मी	(Centella asiatica Extract)	125 मिली ग्राम
संखाहुली	(Evolvulus alsinoides Extract)	125 मिली ग्राम

y{k.k %

देर तक मानसिक कार्य करने के परिणाम स्वरूप मानसिक थकान, दिमाग का खालीपन, स्मरणशक्ति की कमी, काम में मन न लगाना, बुढ़ापे के कारण मानसिक दुर्बलता, मानसिक अवसाद, सुस्ती, निष्क्रियता, शिथिलता, सामान्य शारीरिक दुर्बलता, सुस्त शारीरिक क्रिया के कारण भूख की कमी, मांसपेशियों में खिंचाव या कमजोरी

और परीक्षा के समय चिन्ता व तनाव।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd iHkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

2-2 कैप्सूल दिन में दो बार खाने के बाद पानी के साथ सेवन कराएं। इस दवा का सेवन दी गई मात्रा में उस समय तक कराते रहें जब तक के रोग के लक्षण पाए जाएं और जैसे-जैसे यह लक्षण कम होते जाएं दवा की मात्रा कम करतें जाएं। जब रोग के लक्षण समाप्त हो जाएं तो कुछ सप्ताह तक इस दवा का सेवन जारी रखने के बाद इसे बंद करा दें।

i jgst+o vkgkj %

कोला पेय, कैफीन (चॉकलेट, कॉफी, कैफीन युक्त पेय, चाय, इत्यादि), शराब, चीनी, तम्बाकू और नशीले पदार्थ से बचें। तम्बाकू से दिमाग में खून का संचरण कम हो जाता है और रक्त चाप बढ़ जाता है। नशीले पदार्थों का लम्बे समय तक के सेवन से याददाश्त कम हो जाती है। मनोवैज्ञानिक दबाव को कम करें। अवसाद से भी याददाश्त पर हरनिकारक प्रभाव पड़ता है।

शरीर को सन्तुलित आहार दें जिसमें चिकनाई कम और प्रोटीन अधिक हो। ये स्नायु प्रणाली की रक्षा करेगा। हरी सब्जियां, अखरोट आदि और बीजों का अधिक सेवन करें। पानी अधिक मात्रा में पिएं और आराम करें। व्यायाम से भी याददाश्त बढ़ती है।

i fda %

30 व 60 कैप्सूल का पैक।

मैनसो-पी

fooj.k :

मैनोपॉज़ दो यूनानी शब्दों 'महीना' और 'बंद' से मिलकर बना है जिसका मतलब है मासिक धर्म या ऋतु स्राव का रुक जाना (रजोनिवृत्ति)। इसकी डॉक्टरी परिभाषा यह है जब मासिक धर्म को बंद हुए बारह माह हो जाएं। यह उन स्त्रियों में होता है जिनकी उम्र 45 से 55 वर्ष के बीच है। यह उन स्त्रियों में भी होता है जिनकी बच्चे दानी ओर डिम्बग्रन्थियों को सर्जरी द्वारा निकाल दिया गया हो। वास्तविक मासिक धर्म स्राव के रुक जाने से पहले स्त्री के मासिक धर्म में काफी बदलाव आना

आरंभ हो जाता है। यह रोग नारी लिंग हार्मोन (इस्ट्रोजन) की कमी से होता है। अध्ययनों से यह पता चला है कि मेडिकल हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरपी (HRT) के लंबे समय तक सेवन करने से अत्यन्त खतरनाक परिणाम हो सकते हैं। इससे 6 गुना बच्चेदानी के कैंसर का खतरा, 50 प्रतिशत सीने में कैंसर और 3 गुना दिल की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। कुछ स्त्रियों में HRT से फायदा के मुकाबले में खतरा ज़्यादा होता है।

मैनसो-पी प्राकृतिक जड़ी बूटियों के मिश्रण से बनी असरकारक दवा है जिस का सेवन या तो मासिक धर्म रुकने से पहले या बीच में या मासिक धर्म के रुकने के बाद होता है। इसमें बहुत सी जड़ी बूटियां हैं जिनमें नारी लिंग हार्मोन शामिल है। मैनोपॉज़ के बहुत से सामान्य लक्षण हैं जैसे अचानक गर्मी की लहरें दौड़ना और उसके पश्चात पसीना आना, चिड़चिड़ापन, मांसपेशियों में दर्द, यौनइच्छा में बदलाव, रात में पसीना आना, सिर दर्द, बार-बार पेशाब आना, जल्दी जागना, जननांगों में सूखापन, मूड में बदलाव, नींद न आना, थकावट, शारीरिक भार बढ़ना, हॉट व ठोड़ी पर बाल उगना आदि। मैनसो-पी से उपर्युक्त रोगों में आराम मिलता है और हड्डियों में कैल्सियम को सोखने में मदद करके हड्डियों को मज़बूत बनाता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

कहरुबा	(Pinus succinifera)	35 मिली ग्राम
बनसलोचन	(Bambusa arundinacea)	35 मिली ग्राम
यशब	(Jade)	35 मिली ग्राम
ज़हर मोहरा	(Serpent Stone)	35 मिली ग्राम
मोती	(Mytilus margaritiferus)	35 मिली ग्राम
कमरकस	(Butea frondosa)	63 मिली ग्राम
लोध पठानी	(Symplocos racemosa)	63 मिली ग्राम
बड़ी माई	(Tamarix gallica)	63 मिली ग्राम
Excipient		q.s.

y{k.k %

मासिक धर्म रुकने से पहले या मासिक धर्म रुकने के बाद के लक्षण जैसे अनियमित मासिक धर्म, जननांगों में खुजली व सूखापन, अचानक गर्मी की लहरें दौड़ना और उसके पश्चात पसीना आना, रात में पसीना आना, दिल की धड़कन, अवसाद, सिर दर्द, चिड़चिड़ापन, नींद न आना, थकावट, शारीरिक भार बढ़ना, बार-बार पेशाब आना, मांसपेशियों में दर्द, यौनइच्छा में बदलाव, जल्दी जागना, मूड में बदलाव, हॉट व ठोड़ी पर बाल उगना आदि।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd iHkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

2-2 कैप्सूल दिन में दो बार दूध के साथ सेवन कराएं। इसे 6 महीने या उससे भी ज़्यादा दिन तक सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

कैफीन, शराब, गर्म पेय, शराब और मसालेदार खाने कम खाएं। मांस और दूध से बने पदार्थ के सेवन से शरीर में गर्मी की लहरें दौड़ना और उसके पश्चात पसीना आना बढ़ाते हैं।

नियमित व्यायाम करने से डिप्रेशन (अवसाद) और चिड़चिड़ापन कम हो सकता है। अच्छी मांसपेशियों से ऊर्जा मिलती है और टीस व पीड़ा कम हो जाती है। कुछ तरह के व्यायाम हड्डियों को कमज़ोर होने से रोकते हैं। आहार जिसमें कार्बोहाइड्रेट की मात्रा अधिक हो और दिन में थोड़ा-थोड़ा और कई बार खाने से चिड़चिड़ापन कम होता है और मूड ठीक हो जाता है। देहल्वी पर्ल कैल्सियम कैप्सूल मैनोपॉज़ के रोग में लाभदायक है।

i sdx %

30 व 60 कैप्सूल का पैक।

नैचुरो-ज़ाइम कैप्सूल

fooj.k :

आहार एंजाइम पाचन प्रणाली के लिए प्रमुख हैं। सभी आहार को पाचन की आवश्यकता है, और एंजाइम खाद्य यौगिकों को बदलने में सक्षम हैं ताकि वे खून में सम्मिलित हो सकें। भिन्न खाद्य यौगिकों से निपटने के लिए सैकड़ों विभिन्न एंजाइमों की आवश्यकता पड़ती है। बड़ी मात्रा में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा को पचाने के लिए कुछ एंजाइम शरीर द्वारा उत्पादित होते हैं। कुछ एंजाइम खाद्य पदार्थों में पाए जाते हैं। तथापि, अधिकांश उत्पादित खाद्य पदार्थ में उचित पाचन के लिए आवश्यक एंजाइम की कमी होती है। उच्च स्वास्थ्य के लिए उचित पाचन एक आवश्यकता है और अधूरी या अव्यवस्थित पाचन क्रिया कई रोगों के विकास के लिए एक बड़ा कारण होती है। इतना ही नहीं, जब अधूरा पचा खाना और कुछ लाभ के पोषक तत्व शरीर में बिना टूटे सम्मिलित हैं, लेकिन यह भी हो अनुपयुक्त

प्रणालीगत संचलन में समाहित कर सकते हैं तो यह बीमारियों को जन्म देते हैं और खाद्य एलर्जी का विकास भी करते हैं। इसके अतिरिक्त, जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है वैसे-वैसे हमारे शरीर में प्राकृतिक एंजाइम उत्पादन धीमा हो सकता है। कम उत्पादन के कुछ कारणों में खाद्य अपचन या एलर्जी, शराब और अर्द्ध भुखमरी डाइट या भूख की कमी हैं। पुराना तनाव जो पाचन तंत्र को रक्त परिसंचरण से दूर कर देता है भी एंजाइम के उत्पादन में हस्तक्षेप कर सकता है।

नैचुरो-ज़ार्म कैप्सूल एक उत्तम पाचन सहायक है जिसमें खाद्य पाचन एंजाइम पूर्ण रूप से हैं। कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा को तोड़ने में ये मूल्यवान एंजाइम मदद करते हैं जैसे स्टार्च, सेल्यूलोज, लैक्टोज और अन्य शर्करा। खाना पकाने और प्रसंस्करण के दौरान खाद्य पदार्थों से खोए एंजाइमों को फिर से भरने का नैचुरो-ज़ार्म कैप्सूल एक शानदार प्राकृतिक तरीका है।

eJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

काली मिर्च	(Piper nigrum)	26 मिली ग्राम
हींग	(Ferula foetida)	26 मिली ग्राम
कचूरा	(Zingiber zerumbet)	26 मिली ग्राम
सौंफ	(Foeniculum vulgare)	34 मिली ग्राम
छोटी इलाएची	(Elettaria cardamomum)	34 मिली ग्राम
सत पुदीना	(Mentha arvensis)	34 मिली ग्राम
पपीता	(Carica papaya)	39 मिली ग्राम
पीपलामूल	(Piper longum)	39 मिली ग्राम
सफ़ैद जीरा	(Cuminum cyminum)	39 मिली ग्राम
अख	(Calotropis gigantea)	52 मिली ग्राम
सोंठ	(Zingiber officinale)	52 मिली ग्राम
अजवाएन देसी	(Trachyspermum ammi)	99 मिली ग्राम

y{k.k %

पाचन क्रिया की अस्तव्यस्तता, पेट फुलना, सूजन, अत्यधिक डकार, खाद्य एलर्जी जैसे लैक्टोज असहिष्णुता, उदर वायु, सीने में जलन और Irritable Bowel Syndrome।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i kko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

एक या दो कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के बाद सेवन कराएं।

i jgst+o vkgkj %

जहां तक संभव हो कच्चे आहार का प्रयोग करें। ताजा फल और सब्जी का जूस शरीर को Detoxify करने के लिए उत्तम हैं। ये प्राकृतिक एंजाइम और पोषक तत्वों में उच्च हैं। गाजर, चुकंदर और अजवाएन का प्रयोग करें। भोजन ठीक से चबाकर खाएं।

i fda %

30 व 60 कैप्सूल का पैक।

यूनिकैल कैप्सूल

fooj.k :

शरीर में कुछ ऐसे तत्व पैदा होते हैं जिनके इकट्ठा होने से मूत्राशय और गुर्दों में पथरी (अश्मरी) बनने लगती है। यह पथरियां कई आकार की होती हैं – बजरी से लेकर गॉल्फ की गेंद तक जिनकी संख्या एक भी हो सकती है और अनेक भी। इन पथरियों के कारण कभी-कभी मूत्र के रास्तों में रुकावट पैदा हो जाती है और गुर्दे फूल जाते हैं। गुर्दे में सूजन होने पर गुर्दा क्षतिग्रस्त होने का खतरा भी बना रहता है।

आधुनिक अध्ययन के अनुसार लगभग 95 प्रतिशत लोग जिनके गुर्दों में पथरी होती है वह कैल्सियम पथरी होती है जब पेशाब में कैल्सियम की मात्रा प्रमाण से ज्यादा हो। दूसरी प्रकार की पथरी यूरिक एसिड की बनी होती है। ये पथरियां कैल्सियम की पथरियों से कम होती हैं। ऐसी पथरियां अक्सर पानी की कमी से होती हैं उदाहरणार्थ गर्मी के दिन में या बीमारी के दौरान या कड़े व्यायाम से। ये उन लोगों को होती हैं जिनके मूत्र में यूरिक एसिड की मात्रा प्रमाण से ज्यादा हो और जिनको गठिया-वात का रोग हो। गुर्दों की पथरी 20 साल से 40 साल तक की उम्र के लोगों को होती है और 10 प्रतिशत लोग इस बीमारी का शिकार हैं। स्त्रियों की अपेक्षाकृत पुरुषों में ज्यादा होती है। जब एक बार किसी व्यक्ति को एक से ज्यादा पथरियां हो जाती हैं तो उसे वह बार-बार हो सकती हैं।

यूनिकैल कैप्सूल पेशाब की पथरी के लिये अत्यन्त लाभदायक है। यह पेशाब की नली को साफ करता है। यह उन पदार्थों का विसर्जन भी करता है जो पाचन क्रिया की गड़बड़ी या भोजन की कमी से होते हैं तथा जिनसे गुर्दों में पथरियां बनती हैं। यूनिकैल कैप्सूल का प्रतिदिन सेवन गुर्दों और पेशाब की नली को साफ करता है। यह विशेषतः उन लोगों के लिये लाभदायक है जिनमें पेशाब कम आता है और जो खाने में ऐसी वस्तुओं का सेवन करते हैं जिनसे उनके मूत्र में रवे बन जाते हैं।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

सलाजीत	(Asphaltum)	25 मिली ग्राम
मजीठ	(Rubia cordifolia)	25 मिली ग्राम
संगसरे माही	(Stone of Head of Fish)	25 मिली ग्राम
हजरुल यहूद	(Fossil Encrinite)	35 मिली ग्राम
नागर मोटा	(Cyperus rotundus)	90 मिली ग्राम
तगर	(Valeriana wallichii)	100 मिली ग्राम
काकनज	(Physalis alkekengi)	100 मिली ग्राम
नागकेसर	(Mesua ferrea)	100 मिली ग्राम

y{k.k %

गुर्दे और मूत्राशय की पथरी, गुर्दों में बजरी, पेशाब में जलन और पानी अवधारण।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i tkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

1-1 कैप्सूल दिन में दो बार पानी के साथ सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

रिफ़ाईन की हुई चीनी और कार्बोहाइड्रेट लेने से गुर्दों में पथरी बन सकती है क्योंकि चीनी अग्न्याशय को उत्तेजित करती है जिसके कारण इंसूलिन निकलने लगती है जिससे पेशाब में अधिक कैल्सियम आने लगता है। दूसरा कारण विटामिन-सी और ऑक्सेलिड एसिड की अधिक मात्रा के सेवन से ऑक्सेलेट निकलता है जो पथरी बनाता है जैसे पकी हुई पालक। जानवरों से प्राप्त प्रोटीन भी ऑक्सेलेट के अवशेषण का कारण बनता है। चिकने पदार्थों, तले हुए, कोला पेय, शराब, चाय, चॉकलेट और प्रोसेस किए हुए खानों से बचना चाहिए। पथरी के प्रमुख कारणों में से एक टमाटर का प्रयोग है।

पानी पीने से पेशाब की मात्रा बढ़ती है जिससे वह तत्व घुल कर निकल जाते हैं जिनसे पथरी बनती है और फिर दोबारा उसके बनने की संभावना कम हो जाती है। इसी कारण से पथरी के रोगियों को एक दिन में 2-3 लीटर तक तरल पदार्थ पीने चाहिए, जिनमें जौ का पानी, नारियल का पानी, गन्ने का रस और कुलथी का पानी विशेष सहयोगी हैं। गर्म वातावरण में रहने वालों को भी तरल पदार्थ की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए।

ifdax %30 व 60 कैप्सूल का पैक।

रेग्युलेट

fooj.k :

औरतों की सेहत परिवार, समाज और संस्कृति से भी प्रभावित होती है। औरत के अंदर किसी भी प्रकार का भौतिक या मानसिक विकार उसके मासिक धर्म-चक्र की सामान्यता को गड़बड़ा सकता है जिसके कारण उसके संतान पैदा करने की क्षमता में कमी आ सकती है। 16 वर्ष की उम्र से लड़कियों में सामान्य मासिक धर्म शुरू हो जाता है लेकिन कुछ लड़कियों में यह नहीं हो पाता। इसे प्राइमरी एमेनोरिया (प्राथमिक अनार्तव) कहते हैं। यदि किसी स्त्री को नियमित रूप से मासिक धर्म हो रहा हो और अचानक इसके बाद 6 महीनों या उससे ज्यादा दिनों तक मासिक धर्म बंद हो जाए, तो उसे सेकण्ड्री एमेनोरिया (द्वितीयक अनार्तव) कहते हैं।

सभी औरतों के रोगों में से एमेनोरिया सबसे ज्यादा चिंता का विषय रहा है क्योंकि यही बाद में बांझपन, गर्भाशय की भीतरी सतह को आस्तरित करने वाली श्लेष्मिक झिल्ली में अतिवृद्धि और कैंसर का कारण बन सकता है।

रेग्युलेट कैप्सूल अनियमित मासिक धर्म, प्राइमरी व सेकण्ड्री एमेनोरिया और थोड़ी मात्रा में अथवा कभी-कभी मासिक धर्म होने की स्थिति में लाभदायक है। यह हार्मोन रहित जड़ी बूटियों से तैयार की हुई औषधि है जो औरतों के सन्तानोत्पत्ति के अंगों को मजबूत करता है और मासिक धर्म को सामान्य करता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

जाफ़रान	(Crocus sativus)	20 मिली ग्राम
मजीठ	(Rubia cordifolia Extract)	50 मिली ग्राम
नागकेसर	(Mesua ferrea Extract)	50 मिली ग्राम
अभल	(Juniperus communis Extract)	75 मिली ग्राम
एलुआ	(Aloe vera Dessicated)	75 मिली ग्राम
मुर्मकी	(Commiphora myrrha Extract)	75 मिली ग्राम
हींग	(Ferula foetida)	75 मिली ग्राम
बर्गे सुद्दाब	(Ruta graveolens Extract)	80 मिली ग्राम

y{k.k %

प्राइमरी व सेकण्ड्री एमेनोरिया, थोड़ी मात्रा में अथवा कभी-कभी मासिक धर्म और अनियमित मासिक धर्म।

fu'ksk %

गर्भावस्था में इसका सेवन न कराएं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1-1 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के बाद पानी से सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

भावात्मक दबाव और शारीरिक रोग भी अनियमित मासिक धर्म के कारण हो सकते हैं। यह हो सकता है कि अनियमित मासिक धर्म भावात्मक दबाव के दौरान न हो। लाल गोश्त और दूध से बने हुए पदार्थ से परहेज करें। कैफीन, चीनी, शराब और धूम्रपान का सेवन न करें। अच्छे आहार लें और मोटापा न होने दें और ज्यादा श्रमसाध्य खेल न खेलें, ये सेकण्ड्री एमेनोरिया के कारण हो सकते हैं।

i fda %

14 कैप्सूल का पैक।

रिह्युमा

fooj .k :

सन्धिवात (आर्थराइटिस) और आमवात के दो सौ से अधिक विकार हैं जिनसे जोड़ों, मांसपेशियों और संयोजक ऊतकों में दर्दनाक सूजन आ जाती है। अस्थिसन्धिवात (ऑस्टियोआर्थराइटिस) सबसे आम जोड़ों का विकार है जो 80 प्रतिशत 50 साल के उपर की उम्र के लोगों में होता है। स्त्रियों में अस्थिसन्धिवात पुरुषों की अपेक्षा तीन गुणा होता है।

रिह्युमा जड़ी बूटियों से बनायी जाने वाली अनोखी औषधि है जो सूजन को कम करती है और सन्धिवात व आमवात को रोकती तथा उसमें आराम पहुंचाती है। यह प्रोस्टेग्लैण्डिन के संश्लेषण को सुचारु करती है, जोड़ों की संवेदनशीलता को कम करती है, दर्द, सूजन और सर्ख्ती को बिना किसी दुष्प्रभाव के घटाती है। अतः इसे लम्बे समय तक सेवन कराया जा सकता है।

feJ .k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

कलोंजी	(Nigella sativa)	25 मिली ग्राम
सोंठ	(Zingiber officinale)	75 मिली ग्राम
कुचला	(Strychnos Nux-vomica)	75 मिली ग्राम
गुगुल	(Commiphora myrrha)	75 मिली ग्राम
चोबचीनी	(Smilax china)	75 मिली ग्राम

अश्वगन्धा (Withania somnifera)

75 मिली ग्राम

सूरंजान मीठा (Colchicum luteum)

100 मिली ग्राम

y{k.k %

सन्धिवात, आमवात, जोड़ों में विशेषकर पैर के अंगूठे की सूजन (गाउट), कटि पीड़ा, प्रातःकाल जोड़ों में कठोरता, पेशियों व हड्डियों में दर्द, अस्थिसन्धिवात, गठियारूप सन्धिवात, पीठ के निचले हिस्से में दर्द और मोच।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

2-2 कैप्सूल दिन में दो बार खाने के बाद सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

अत्यधिक कोलेस्ट्रॉल वाले खाने, चिकनाई, शक्कर से परहेज करें। फास्ट फूड और बेकरी में तैयार की गई चीजों से दूर रहें। नमक, धूम्रपान और शराब से भी परहेज करें।

शरीर को सन्तुलित आहार दें। वजन अगर ज्यादा है तो कम करें क्योंकि मोटापा सन्धिवात को और बिगाड़ सकता है तथा सप्ताह में तीन या चार बार व्यायाम करें। उत्तम प्रकार के खाने की चीजों में रोटी व अनाज, फल व सब्जियां, मुर्ग, मछली जिसमें तेल होता है, कम चिकनाई वाला गोश्त, सूखी फलियां, कम चिकनाई वाला दूध, पनीर और दही आदि जरूर लें। गर्म पानी से नहाएं, यह सूजन को कम करता है। तैरना भी जोड़ों के लिए लाभदायक है।

i fda %

30, 60 व 10X10 कैप्सूल का स्ट्रिप पैक।

लिपोकैप

fooj .k :

हाइपरलाइपीमिया का मतलब है रक्त में अत्यधिक मात्रा में वसा या चर्बी (लाइपिड) का होना। रक्त में मुख्य चर्बी कोलेस्ट्रॉल है जो एक प्राकृतिक पदार्थ है जो शरीर के हार्मोन्स (नारी व पुरुष लिंग हॉर्मोन) बनने की प्रक्रिया के दौरान बनता है। कोलेस्ट्रॉल शरीर की कोशिकाओं के चारों ओर लिपटी झिल्ली का एक अत्यावश्यक घटक है। क्योंकि लाइपिड घुलते नहीं हैं इसलिए रक्त में परिसंचरण नहीं कर

सकते, ये साधारण प्रोटीन के साथ संयुक्त हो जाते हैं। यह संयोजन लाइपोप्रोटीन कहलाता है। लाइपोप्रोटीनों के रूप में लाइपिड रक्त से परिसंचरण करते हैं। इससे धमनियों की दीवारों का उसके अन्तःअस्तरों में एथीरोमा बनने से मोटा एवं कठोर होना जिसके फलस्वरूप उनकी कोशिका तंग हो जाती है (धमनीकलाकाठिन्य) और हृदय रोग हो सकता है। लाइपिड के रूप में कोलेस्ट्रॉल, कोलेस्ट्रॉल अमलों, फोस्फॉलीपिड और ट्राइग्लाइसेराइड्स। लाइपोप्रोटीन कई प्रकार के होते हैं जैसे LDL – ऐसी प्लाज्मा लाइपोप्रोटीन जिसमें ट्राइग्लाइसेराइडों की प्रतिशतता कम होती है, कोलेस्ट्रॉल का स्तर अत्यधिक बढ़ा हुआ होता है तथा फोस्फॉलीपिड एवं प्रोटीन मामूली मात्रा में होते हैं। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से कोलेस्ट्रॉल का सबसे नुकसानदेह रूप है और इसके कारण ही धमनियों में चर्बी जमने लगती है। VLDL – ऐसी प्लाज्मा लाइपोप्रोटीन जिसमें ट्राइग्लाइसेराइडों का स्तर अत्यधिक बढ़ा हुआ होता है तथा फोस्फॉलीपिड एवं कोलेस्ट्रॉल मामूली मात्रा में होते हैं और प्रोटीन कम होती हैं। यह भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इसके बढ़ने से हृदय रोग की आशंका बढ़ जाती है। HDL – ऐसी प्लाज्मा लाइपोप्रोटीन जिसमें प्रोटीन का स्तर अत्यधिक बढ़ा हुआ होता है, ट्राइग्लाइसेराइड कम होते हैं, फोस्फॉलीपिड का स्तर मामूली मात्रा में होता है एवं कोलेस्ट्रॉल कम होता है। इसे 'अच्छा कोलेस्ट्रॉल' कहते हैं और यह हृदय की सुरक्षा करता है। बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल और दूसरे लाइपिड विकारों का कारण वंशानुगत हो सकता है या चिकनाई युक्त आहार, मधुमेह, थायरॉइड की कम मात्रा, Cushing's Syndrome या गुर्दा की खराबी; कुछ दवाएँ जैसे गर्भनिरोधक दवाईयाँ, नारी लिंग हार्मोन, स्टेरॉइड, कुछ मूत्र लाने वाली दवाएँ, और रक्तचाप को कम करने वाली; जीवनशैली घटक जैसे प्रायः अधिक शराब पीना और व्यायाम न करने के कारण मोटापा। धूम्रपान करने वाले और अधिक कोलेस्ट्रॉल वाले लोगों में हृदय की बिमारियों का खतरा अधिक होता है। लाइपिड विकार स्त्रीयों की अपेक्षाकृत पुरुषों में ज़्यादा होता है।

लिपोकैप प्राकृतिक ढंग से कोलेस्ट्रॉल को कम करता है, कोलेस्ट्रॉल के संचालन को उचित करता है, रक्त में 'खराब LDL कोलेस्ट्रॉल' और ट्राइग्लाइसेराइड्स के स्तर को कम करता है और 'अच्छे HDL कोलेस्ट्रॉल' का स्तर बढ़ाता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

साद कुफी	(Cyperus rotundus Extract)	50 मिली ग्राम
गुड़मार	(Gymnema sylvestre Extract)	50 मिली ग्राम
अर्जुन छाल	(Terminalia arjuna Extract)	50 मिली ग्राम
गुग्गुल	(Commiphora mukul Extract)	50 मिली ग्राम
बहमन लाल	(Salvia haematodes Extract)	100 मिली ग्राम

प्याज़ बीज	(Allium cepa Extract)	100 मिली ग्राम
लहसुन	(Allium sativum Extract)	100 मिली ग्राम

y{k.k %

रक्त में अत्यधिक मात्रा में वसा या चर्बी (लाइपिड) और धमनीकलाकाठिन्य।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd iHkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

2-2 कैप्सूल दिन में दो बार पानी से सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

चिकित्सा का प्रारम्भ खान-पान में बदलाव से होगा। अधिक वज़नी या मोटे व्यक्तियों को सलाह दी जाती है कि वे अपना वज़न को कम करके शरीर को सामान्य करें। बढ़ी हुई उर्जा (कैलोरीज़), कोलेस्ट्रॉल एवं वसा को कम करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

20 से 35 प्रतिशत ऊर्जा की प्राप्ति मोनोअनसैचुरेटेड एवं पौलीअनसैचुरेटेड वसा से होनी चाहिए। ओमेगा-6 अनसैचुरेटेड वसा के सबसे बड़े श्रोत निम्न हैं – वनस्पति तेल जैसे सोयाबीन का तेल, मक्का का तेल, सूर्यमुखी का तेल। पौधों में ओमेगा-3 अनसैचुरेटेड वसा के सबसे बड़े श्रोत निम्न हैं – कनोला का तेल, अखरोट का तेल, अलसी का तेल और जैतून का तेल। ओमेगा-3 वसा के तत्व मछली व कोष वाली मछलियाँ जैसे सॉल्मन, ट्राउट, हैरिंग, में पाए जाते हैं।

iSdx %

30 व 60 कैप्सूल का पैक।

ल्यूको-वयोर

fooj.k %

श्वेतप्रदर, जिसे सफ़ेद पानी भी कहते हैं, एक ऐसी बीमारी है जिसमें स्त्रियों के योनि मार्ग से सफ़ेद या पीला और चिपचिपा स्राव निकलने लगता है। इसमें रक्त का थोड़ा भी अंश शामिल नहीं होता है। यह स्राव मासिक धर्म से पहले और बाद में भी होता है। इस स्राव की वजह से रोगी हर समय एक प्रकार की कमज़ोरी और थकावट अनुभव करती है। इसमें कटि-प्रदेश और पैर के घुटने के नीचे तथा पीछे मांसपेशियों में दर्द होता है, कमर एवं सिर में दर्द होता है और पेट या उदर में खिंचाव होने

लगता है। यह स्त्रियों के जननांग का असाधारण रोग है। यह अवस्था कई सप्ताह या कई महीने तक रह सकती है। अगर शुरुआत में इसका उपचार नहीं किया गया तो यह रोग जीर्ण बन सकता है।

ल्यूको-क्योर अन्तर्गर्भाशयकला (गर्भाशय की भीतरी सतह को आस्तरित करने वाली श्लेष्मिक झिल्ली) पर उत्तेजक प्रभाव डालता है। इसके टॉनिक गुण गर्भाशय संचरण को बेहतर करते हैं, और इसके सूक्ष्मजीवों को नष्ट करने वाले तथा रक्तस्राव को रोकने वाली प्रक्रिया श्वेतप्रदर को दूर करता है। ल्यूको-क्योर सामान्य शारीरिक दुर्बलता, योनि में खुजली और जलन, कमर व पेट के दर्द, अत्यधिक पेशाब आना और श्वेतप्रदर के कारण से सुस्ती ओर कमजोरी में भी लाभदायक है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

मस्तगी	(Pistacia lentiscus)	25 मिली ग्राम
कुश्ता सदफ	(Cyparea moneta Calx.)	25 मिली ग्राम
गुले धावा	(Anogeissus latifolia)	50 मिली ग्राम
माजूफल	(Quercus infectoria)	50 मिली ग्राम
लोध पठानी	(Symplocos racemosa)	50 मिली ग्राम
मोती	(Mytilus margaritifera)	50 मिली ग्राम
बड़ी माई	(Tamarix gallica)	75 मिली ग्राम
कमरकस	(Butea frondosa)	75 मिली ग्राम
मोचरस	(Bombax malabaricum)	100 मिली ग्राम

y{k.k %

श्वेतप्रदर में सामान्य शारीरिक दुर्बलता, योनि में खुजली और जलन, कमर व पेट में दर्द, अत्यधिक पेशाब आना और श्वेतप्रदर के कारण सुस्ती ओर कमजोरी।

fu'k'k %

मासिक धर्म के दौरान इसका सेवन न कराएं।

nd i kko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

2-2 कैप्सूल दिन में दो बार दूध के साथ सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

मैदे से बनी हुई वस्तुएं, तले हुए, मसाले दार और चिकने खाने, चीनी, मुरब्बे, चाय व काफी इत्यादि से बचना चाहिये। तनाव एवं चिन्ता से दूर रहें।

ताजा फल व दूध का सेवन करें। पैदल सैर करना और व्यायाम इसमें लाभप्रद होता है।

isdx %

28 कैप्सूल का पैक।

लिव-ऑन कैप्सूल

fooj.k :

यकृत शरीर के कई महत्वपूर्ण कार्यों में एक मुख्य भूमिका निभाता है। यकृत का मुख्य कार्य है शरीर के विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालना (detoxification)। यह शरीर की सबसे बड़ा ग्रंथि है। विषाक्त पदार्थ विभिन्न स्रोतों से शरीर में आते हैं। वे पर्यावरण, हमारी आंत की सामग्री, भोजन जो हम खाते हैं, पानी जो हम पीते हैं और हवा जिससे हम सांस लेते हैं। यदि आप रसायन या सिगरेट के धुएँ के संपर्क में हैं, तो यकृत का ही काम है कि नुकसान पहुंचने से पहले ही वे विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाल दे। एल्कोहल रसायन चिकित्सा यकृत को सबसे ज़्यादा हानि पहुँचाती हैं। यकृत की दुष्क्रिया के लक्षण हैं थकान, सुस्ती, खाना न खाने की इच्छा और चिकनाई युक्त पदार्थों से अतिघ्रणा।

लिव-ऑन कैप्सूल ऐसी जड़ी बूटियों से बनाया गया है जो यकृत को क्रियाशील करके रोगक्षय कोशिकाओं में शक्ति व सन्तुलन बढ़ाती हैं। यह यकृत की सूजन को सामान्य करता है, यकृत शोध और प्यास में उपयोगी है। यकृत के अलावा आमाशय और गर्भाशय की सूजन, पीलिया और भूख की कमी में इसका उपयोग अच्छा है। इसका दैनिक उपयोग मदिरापान के कारण हुए यकृत विकारों को दूर करता है। यह भूख में वृद्धि करता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

मस्तगी	(Pistacia lentiscus)	16.25 मिली ग्राम
ज़ाफ़रान	(Crocus sativus)	16.25 मिली ग्राम
तगर	(Valerian wallichii)	32.25 मिली ग्राम
बालछड़	(Nardostachys jatamansi)	32.25 मिली ग्राम
दालचीनी	(Cinnamomum zeylanicum)	32.25 मिली ग्राम
इलाएची छोटी	(Elettaria cardamomum)	32.25 मिली ग्राम
गाफिस	(Gentiana olivieri)	32.25 मिली ग्राम
इज़खर मक्क	(Cymbopogon jwarancusa)	32.25 मिली ग्राम
लाख	(Coccus lacca)	32.25 मिली ग्राम
मजीठ	(Rubia cordifolia)	32.25 मिली ग्राम

लौंग	(Myrtus caryophyllus)	32.25 मिली ग्राम
मीठा कुट	(Saussurea lappa, Sweet)	32.25 मिली ग्राम
अजमोद	(Apium graveolens)	32.25 मिली ग्राम
कासनी	(Cichorium intybus Powder)	32.25 मिली ग्राम
अकाशबेल	(Cuscuta reflexa)	32.25 मिली ग्राम
ऊद सलीब	(Paeonia officinalis)	32.25 मिली ग्राम
इसरमूल	(Aristolochia longa)	32.25 मिली ग्राम

y{k.k %

यकृत की सूजन, यकृत बढ़ जाना, अधिक प्यास, गर्भाशय की सूजन, पीलिया, भूख की कमी, आमाशय की सूजन, तिल्ली की सूजन और जलोदर।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd iHkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

2-2 कैप्सूल दिन में दो बार पानी से सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

शराब, चिकनाई युक्त आहार, अधिक नमक, शक्कर आदि से परहेज करें। शराब यकृत को ज़्यादा नुकसान देता है। रस वाले फल, गाजर, चुकन्दर, गोभी और अण्डा का ज़्यादा सेवन करें। चिन्ता व परेशानी और मेहनत के कार्यों से दूर रहें।

ifdx %

30 व 60 कैप्सूल का पैक।

लैक्टो-एम कैप्सूल

fooj.k :

लैक्टेशन दूध की उत्पादन प्रक्रिया है। स्त्रियों का दूध स्तन ग्रन्थियों, जो स्तन टिशू के अंदर होती हैं, से निकलता है। जब एक औरत बच्चे को जन्म देती है तब लैक्टेशन की प्रक्रिया आरंभ होती है। बच्चे को जन्म देते समय अधिक मानसिक तनाव या शारीरिक दबाव, या और कोई तनाव इस प्रक्रिया को बिगाड़ सकती है। खाने की कमी और खून की कमी भी दूध के बहाव को कम करती हैं।

लैक्टो-एम कैप्सूल प्राकृतिक जड़ी बूटियों के मिश्रण से बनी असरकारक दवा है

जो औरतों के स्तनों में दूध के बहाव को सुरक्षात्मक ढंग से बढ़ाती है और दूध की मात्रा में वृद्धि करती है। प्राचीन युग से दूध बढ़ाने के लिए जड़ी बूटियां सेवन होती आई हैं और पिछले दशक से इनकी लोकप्रियता और बढ़ गई है। इन जड़ी बूटियों में एक हार्मोन पाया जाता है जो दूध के बहाव को बढ़ाता है। बहुत सी औरतों में दूध पिलाने के दौरान उनका बच्चा शरीर में मौजूद मिनरल्स (जो दूध के बहाव को बढ़ाते हैं) उन्हें वह ज़्यादा मात्रा में पहले ही चूस लेता है इसलिए उनमें दूध की कमी हो जाती है। ये जड़ी बूटियां दूध के बहाव और मात्रा में वृद्धि करने के साथ-साथ मां के शरीर में मिनरल्स की मात्रा भी बढ़ाती हैं।

जब किसी मां के स्तनों में दूध की कमी हो जाती है चाहे वह गर्भनिरोधक गोलियों के सेवन के कारण हो या कभी-कभी बिना किसी कारण के जब बच्चा तीन या चार महीने का हो तो लैक्टो-एम कैप्सूल मां के स्तनों में दूध की पैदावार बढ़ा देती है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

काला जीरा	(Carum carvi)	25 मिली ग्राम
फुन्दुक	(Corylus avellana)	75 मिली ग्राम
बिनौला	(Gossypium herbaceum)	200 मिली ग्राम
सतावर	(Asparagus racemosus)	200 मिली ग्राम

y{k.k %

स्तनों में दूध के बहाव और उत्पादन में कमी।

fu'ksk %

गर्भावस्था में इसका सेवन न करें।

nd iHkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

2 से 3 कैप्सूल दो बार दूध के साथ सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

कैफीन, शराब और धूम्रपान से बचें। अंकुरित अनाज, ताज़ा फल और सब्जियां और ऐसे खाने जिनसे प्रोटीन, कैल्सियम तथा लोहा प्राप्त हो सके। दूध पिलाने के दौरान अत्यधिक मात्रा में तरल पदार्थ पीएं ताकि शरीर में पानी की मात्रा कम न हो। एक संतुलित खुराक वह है जिसमें एक दिन में 5 बार दूध या उससे बने प्रदार्थ शामिल हों जिससे आपको कैल्सियम की काफ़ी मात्रा मिलेगी। अगर आप गोशत नहीं खातीं या डेरी का दूध नहीं लेतीं तो ब्रोकोली और तिल के बीज खाएं। अगर इसके बावजूद आपको लगे कि फिर भी कैल्सियम की पूरी मात्रा नहीं मिल रही तो अपने डाक्टर

से बात करके देहल्वी पर्ल कैल्सियम कैप्सूल खाये। सूर्यमुखी, रेपसीड और जैतून के तेलों से भी ऐसे तत्व मिलते हैं जो बच्चों के स्नायुओं को शक्ति देते हैं। दिन में 8 या 12 गलास पानी पीएं।

ifda %

60 कैप्सूल का पैक।

विगवित

fooj.k :

मनोवैज्ञानिक दबाव, चिन्ता व परेशानी, लम्बे समय तक काम करना, हार्मोन्स में परिवर्तन, रक्त संचरण विकार, प्रोस्टेट विकार, अवसाद, रक्तचाप बढ़ना, मधुमेह, धूम्रपान, मोटापा और आहार की अनिच्छा या कमी होने से कामवासना की इच्छा कम हो जाती है। इसके अतिरिक्त कीटनाशक दवा, रासायनिक और वातावरण में जहरीले पदार्थों के कारण पुरुषों में लिंग हार्मोन्स की संख्या कम हो जाती है जिससे काम वासना में कमी आ जाती है। दस में से एक पुरुष नपुंसकता का शिकार होता है।

विगवित एक ऐसी औषधि है जो विशेषतः पुरुषों की खोई हुई शक्ति को वापस लाती है। यह एक प्राकृतिक औषधि है जिससे कामवासना बढ़ती है तथा स्वास्थ्य अच्छा रहता है तथा इसमें सुधार होता है। यह संभोग के दौरान पुरुष के शिश्न में रक्त प्रवाह को बढ़ाती है जिससे कठोरता व देर तक लैंगिक उत्तेजना बनी रहती है। प्रमेह और शीघ्र वीर्य पतन में भी लाभदायक है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

अम्बर	(Ambra grasea)	5 मिली ग्राम
दरुनज अकरबी	(Doronicum hookeri Extract)	20 मिली ग्राम
बीजबंद काला	(Sida cordifolia Extract)	20 मिली ग्राम
जाफरान	(Crocus sativus)	25 मिली ग्राम
जावित्री	(Myristica fragrans Extract)	30 मिली ग्राम
खुलंजान	(Alpinia galanga Extract)	50 मिली ग्राम
शकाकुल मिसरी	(Pastinaca sativa Extract)	50 मिली ग्राम
मूसली सफ़ेद	(Chlorophytum arundinaceum Extract)	50 मिली ग्राम
अश्वगन्धा	(Withania somnifera Extract)	50 मिली ग्राम
सतावर	(Asparagus racemosus Extract)	100 मिली ग्राम
कौंच	(Mucuna pruriens Extract)	100 मिली ग्राम

y{k.k %

कामवासना की इच्छा में कमी, संभोग के बाद थकावट, नपुंसकता, खोई हुई शक्ति, थकान, शीघ्र वीर्य पतन, उत्थान शक्ति में कमी, वीर्य में कमी और संभोग के दौरान शिश्न में ढीलापन।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

दो कैप्सूल रात को संभोग से 1 घंटा पहले और खाने के 1 घंटे बाद दूध के साथ सेवन कराएं। थकावट तथा सामान्य कमजोरी में एक कैप्सूल सुबह पानी के साथ सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

धूम्रपान न करें, निकोटीन से शिश्न में रक्त का परिसंचरण कम हो जाता है। अधिक व्यायाम शक्ति बढ़ाता है। अगर मोटापा है तो अपना वजन कम करने की कोशिश करें। नशीले पदार्थ और शराब भी कामवासना की इच्छा में कमी करते हैं और नपुंसकता का कारण बनते हैं। साइकिल या मोटरसाइकिल पर सवार होना विशेषतः पहाड़ों पर सफ़र करने से खून की कोशिकाओं को चोट पहुंच सकती है। ऐसी हालत में मुलायम गद्दी का प्रयोग करें। मनोवैज्ञानिक दबाव एवं हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप) भी आपके आनन्दमय जीवन को प्रभावित कर सकता है। स्वस्थ आहार, जिनमें चिकनाई कम हो, ताज़ा सब्जियां, फल व अंकुरित अनाज खाएं।

ifda %

10 कैप्सूल का पैक।

साइन्स-आई कैप्सूल्स

fooj.k :

वायुविवरशोथ (साइनॉसाइटिस) किसी हड्डी में स्थित एक गुहा, जैसे परानासिक विवर का शोथ है, जिससे श्वास नलियों में संक्रमण होता है। 50 प्रतिशत से अधिक लोगों में यह बीमारी जीवाणुओं द्वारा होती है। यह संक्रमण उन हड्डियों के बीच होता है जो आंखों के ऊपर, गालों की हड्डी के अंदर और जो नाक की संकरी के पीछे और नाक के अन्दर होती हैं। यह श्वास-नली संक्रमण, दांतों में संक्रमण,

एलर्जी, वातावरण के बदलने से जैसे हवाई सफ़र या पानी में अन्दर तैरने से, या नाक में खराबी से होता है। नाक की श्लेष्मिक झिल्लियों में सूजन आने से विवर से नाक तक का रास्ता बन्द हो जाता है जिससे दबाव, दर्द, सिर का दर्द, बुखार तथा श्लेष्मिक झिल्लियां मुलायम हो जाती हैं। यह बीमारी उस समय गंभीर हो जाती है जब संक्रमण हड्डियों, मस्तिष्क या मस्तिष्क आवरण तक फैल जाती है। इसके लक्षण हैं सिर का दर्द, बंद नाक जिससे हरा बदबूदार द्रव्य निकलता है, सिर और चेहरे के अंदर भारीपन और दर्द का अहसास और कभी-कभी अनिद्रा हो जाती है। इसमें आंखों में दर्द और सूजन हो सकती है। एक अनुमान के अनुसार हर आठ में से एक व्यक्ति अपने जीवन-काल में यह रोग सहन करता है।

साईनस-आई में ऐसे पदार्थ शामिल हैं जो वायुविवरशोथ में लाभदायक हैं। यह नाक की हड्डियों के रास्तों और फेफड़े की नालियों के लिए लाभकारी है जिससे निद्रालुता, भूख की कमी, घबराहट या पेट में दर्द नहीं होता। यह विवर को स्वस्थ बनने में मदद करता है तथा श्लेष्मिक स्राव को प्रेरित करता है तथा रोगक्षमता को बढ़ाता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

बादरन्ज बोया	(Melissa parviflora)	165 मिली ग्राम
ईरसा	(Iris germanica)	165 मिली ग्राम
उस्तखुददूस	(Lavandula stoechas)	170 मिली ग्राम

y{k.k %

नाक में भारीपन और वायुविवरशोथ।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i kko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

1-1 कैप्सूल दिन में दो बार पानी से सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

सिगरेट के धुएं से बचें, एलर्जी है तो उसका इलाज करें, तैरने के लिए तालाबों में गहरी डुबकी न लगायें। भाप से भपारा लें जो स्राव को प्रेरित करने में मदद करेगा। शरीर को अत्याधिक मात्रा में तरल पदार्थों की आवश्यकता होती है ताकि नाक में नमी बाकी रहे। ज़्यादा से ज़्यादा तरल पदार्थों का सेवन करें जैसे पानी, उन फलों का रस पीएं जिनमें विटामिन-सी अत्याधिक मात्रा में पाया जाता है। ऐसे पेय न लें

जिनमें कैफीन होता है जैसे कॉफी, चाय, कोला पेय और गैस वाले पेय, इनसे पेशाब ज़्यादा आता है जिसके कारण शरीर में और ज़्यादा पानी की कमी हो जाती है। स्वास्थ्य प्रदान करने वाले खाने जैसे फल और सब्जियां लें। ठंडे शर्बत जैसे ठंडी चाय और सोड़ा न पियें, इनसे वायुविवरशोथ और बढ़ जाता है। तनाव, चिंता और अवसाद से बचें और ज़्यादा से ज़्यादा आराम करें। दूध या दूध से बने पदार्थ से बचें, यह श्लेष्मा को और बढ़ाता है। घर के बाहर जाकर व्यायाम करें जिससे खून का संचरण बढ़ता है और नाक के रास्ते खुलते हैं। अपने कमरे का तापमान गर्म रखें और खिड़कियां थोड़ी सी खोल दें ताकि ताज़ी हवा अन्दर आ सके।

i sda %

28 कैप्सूल का पैक।

स्किन-विलअर

fooj.k :

रक्त शरीर के जीवन का मुख्य आधार है जो हमारी प्रत्येक कोशिकाओं और तन्त्र को प्रभावित करता है। रक्त स्रोत विभिन्न तत्वों का मिश्रण है, जिनमें से प्रत्येक हमें जीवित रखने के लिए एक विशेष क्रिया को प्रोत्साहन देता है। रक्त को तेजी के साथ शुद्ध करने का केवल एकमात्र ढंग है शरीर से अत्यधिक तीव्रता के साथ विषैले पदार्थों का निकालना। प्रदूषित वातावरण एवं खाद्य पदार्थ और पानी में रसायनिक अवशेष जो जीवविष होते हैं और जो त्वचा को फीकी और निर्जीव बना देते हैं।

स्किन-विलअर ऐसी जड़ी बूटियों का मिश्रण है जो शरीर के विषैले पदार्थों को बाहर निकालती हैं जो प्रतिदिन प्रदूषित वातावरण एवं खाद्य पदार्थ और पानी में रसायनिक अवशेष के कारण शरीर में प्रवाहित होने वाले रक्त में एकत्रित हो जाते हैं। स्किन-विलअर हर प्रकार के त्वचा रोगों में अपनी रक्त की शुद्धता के कारण अत्यधिक लाभदायक है। चेहरे को निखारता है और उसमें आकर्षण पैदा करता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

फल बकायन	(Melia azadarach)	35 मिली ग्राम
महेंदी पत्ता	(Lawsonia inermis)	35 मिली ग्राम
चाकसू	(Cassia absus)	35 मिली ग्राम
धनिया	(Coriandrum sativum)	35 मिली ग्राम
मुंडी	(Sphaeranthus indicus)	35 मिली ग्राम
नील कंठी	(Chrozophora plicata)	35 मिली ग्राम

सफेद सन्दल	(Santalum album)	35 मिली ग्राम
सरफोका	(Tephrosia purpurea)	35 मिली ग्राम
पित्तपापड़ा	(Fumaria officinalis)	35 मिली ग्राम
नीम पत्ते	(Melia azadirachta)	35 मिली ग्राम
उशबा	(Smilax aristolochaeifolia)	75 मिली ग्राम
नीम फल	(Melia azadirachta Extract)	75 मिली ग्राम

y{k.k %

कील मुहासे, एकज़ीमा, सोरियासिस, रक्त का विकार, फुन्सियां, दाग धब्बे और फीकी रंगत।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

2-2 कैप्सूल दिन में दो बार पानी से सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

आहार में कच्ची सब्जियां और फल अधिक मात्रा में लें। पानी भी अधिक मात्रा में पिएं (कम से कम 8 गिलास प्रतिदिन)। प्रत्येक प्रकार की मिठास, शराब, मक्खन, कैफीन, पनीर, चाकलेट, कोको, क्रीम, चिकनाई, तले हुए पदार्थ, मार्जरीन, हाइड्रोजिनेटिड तेल, ठंडे पेय, आयोडाइज्ड नमक और प्रोसेस किए हुए खानों से बचना चाहिए।

i fdk %

30 व 60 कैप्सूल का पैक।

सेलुलाईट कंट्रोल आयल

fooj.k %

सेलुलाईट शरीर की ऐसी स्थिति है जिसमें बाहों, जांघों, कूल्हों तथा पेट आदि पर चर्बी के कारण त्वचा बटोरी हुई सूजन के समान या जगह-जगह गड्ढों के रूप में बेडौल सी हो जाती है। सेलुलाईट प्रायः किशोरावस्था ओर व्यस्क महिलाओं में पाया जाता है।

सेलुलाईट के बारे में एक गलत धारणा बन गई है कि यह हमेशा अधिक वजन के कारण होता है। जबकि सच्चाई यह है कि सेलुलाईट ठीक वजन या कम वजन वालों को भी हो सकता है। सेलुलाईट के कुछ एक सामान्य कारण हैं: कार्य करते समय दिन भर बैठे रहना, एक ही स्थान पर लगातार खड़े रहना, चयापचय पद्यति का धीमा होना, पानी की कमी हो जाना, शरीर में चर्बी की अनावश्यक प्रचुरता, शारीरिक कार्यों की कमी, न्यासर्ग (Hormone) परिवर्तन, त्वचा का पतलापन, जिसके कारण सेलुलाईट आसानी से दिखने लगे, स्वास्थ्य वर्धक भोजन न खाना और फैशन के कारण डाइटिंग करना आदि। ऐसे कारण जिनके परिणाम स्वरूप सेलुलाईट होने की आशंका बढ़ जाती है। इसके अतिरिक्त शारीरिक असक्रियता, न्यासर्गिक गर्भनिरोधक दवाओं का सेवन और महिला होना भी शामिल है। सेलुलाईट जेनेटिक विकार भी हो सकता है अतः यदि परिवार में किसी महिला को सेलुलाईट है तो आप को भी होने की संभावना बढ़ जाती है।

अत्यन्त प्रभावी रोग नाशक गुणों वाले तेलों से बना सेलुलाईट कंट्रोल आयल शरीर में सेलुलाईट और चर्बी वाले स्थानों पर रक्त प्रवाह को बढ़ाता है तथा ऐसे उतकों में चयापचय प्रक्रिया को तेज करता है अतः बाहों, जांघों, कूल्हों तथा पेट के लद्धपन को दूर कर सुडौल बनाने में सहायक है।

feJ.k %

प्रत्येक 100 मि.ली. में शामिल पदार्थ :

तिल का तेल	(Sesamum indicum)	15%
सरसों का तेल	(Brassica juncea)	10%
कलौंजी का तेल	(Nigella sativa)	2%
गन्दुम का तेल	(Triticum vulgare)	2%
अदरक का तेल	(Zingiber officinale)	1%
सौंफ का तेल	(Foeniculum vulgare)	0.5%
नागरमोथा का तेल	(Cyperus rotundus)	0.5%
अनारदाना का तेल	(Punica granatum)	0.5%
खनिज तेल		आवश्यकतानुसार

y{k.k %

सेलुलाईट और शरीर पर चर्बी जमा होना।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

i z ksx fof/k %

रोजाना रात को 15-20 मिनट तक प्रभावित क्षेत्र पर गोल-गोल हाथ घुमाकर अच्छी तरह तेल की मालिश करें। फिर गर्म तौलिया से 15 मिनट तक ढका रहने दें और 6-8 घंटों के लिए ऐसे ही रहने दें।

ijgst+o vkgkj %

तले हुए, बादी और चटपटे मासालेदार भोजन से दूर रहें। चावल और बाजार का खाना न खाए। स्वस्थ भोजन, नियमित व्यायाम और ढीले ढाले वस्त्रों के द्वारा सेलुलाईट से छुटकारा पाए। धूम्रपान और अनावश्यक दवाओं का प्रयोग जैसे दुबलेपन की गोली, चुस्ती फुर्ती की गोली, सोने की गोली, जुल्लाब और पेशाब लाने वाली दवाएं आदि का सेवन बन्द कर दें। कॉफी, मदिरा, चर्बी वाले भोजन और प्रासेस्ड फूड का सेवन कम करें। रेशेदार भोजन खूब करें। पानी खूब पिए और ताजे फलों का सेवन करें।

fVII %

अधिक नमक से परहेज करें। अधिक नमक के कारण शरीर में द्रव्य पदार्थ इकट्ठा होकर सेलुलाईट को अधिक बढ़ा देंगे। कम से कम 1.5 लीटर पानी प्रतिदिन पिए। इससे पानी शरीर से बाहर होता रहेगा जो त्वचा को सुडौल करेगा। ओमेगा -3 फैटी एसिड का सेवन (ठंडे पानी की मछली जैसे सालोमन और मैकेरल आदि, अलसी {Flaxseed} और अखरोट) बढ़ाए क्योंकि यह सूजन कम करते और त्वचा को नम रखते हैं।

ifdax %

100 मि.ली. की बोतल।

स्ट्रैसोनिल

fooj.k :

मनोवैज्ञानिक दबाव दिन प्रतिदिन जिन्दगी का एक हिस्सा बन गया है। अगर आप कॉलेज में पढ़ते हैं तो वहां पढ़ाई का दबाव, नये वातावरण के अनुकूल होने का दबाव या नये दोस्त बनाने का दबाव होता है। यह जरूरी नहीं है कि दबाव हानिकारक हो। हल्के-फुल्के दबाव आपको प्रेरित करते हैं और उत्साह बढ़ाते हैं। लेकिन अगर दबाव बहुत अधिक बढ़ जाए तो चिकित्सकीय और सामाजिक समस्याएं खड़ी हो जाती हैं। अधिक दबाव लंबे समय तक रहने से रोगक्षमता कम होती है और कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो जाती हैं जैसे नजला, कैंसर, दिल के दौरों का खतरा, चिन्ता, मानसिक बीमारियां, मानसिक अवसाद, पाचनक्रिया की समस्याएं,

उच्च रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल का बढ़ जाना, थकावट, दमा आदि।

स्ट्रैसोनिल ऐसी जड़ी बूटियों का मिश्रण है जो मनोवैज्ञानिक दबाव और चिन्ता में अपना प्रभाव दिखाती है। दबाव और बीमारी की लम्बी अवस्था के बाद खोई हुई ताकत वापस लाती है। दबाव के सामान्य लक्षण हैं चिड़चिड़ापन, चिन्ता, सिर में दर्द, मूड का बार-बार बदलना, मानसिक अवसाद, पाचनक्रिया में अवरोध, दिल धड़कना, रोगक्षमता में कमी, कोलेस्ट्रॉल की सतह बढ़ जाना, माइग्रेन, मांसपेशियों में दर्द तथा अनिद्रा। अगर मनोवैज्ञानिक दबाव का इलाज ठीक से न किया जाये तो और गंभीर बीमारी हो सकती हैं। स्ट्रैसोनिल की आदत नहीं पड़ती और न ही इसके छोड़ने से कोई हानिकारक प्रभाव होता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

बादरन्ज बोया	(Melissa parviflora)	50 मिली ग्राम
तुलसी पत्ते	(Ocimum sanctum)	50 मिली ग्राम
ब्रह्मी	(Centella asiatica)	75 मिली ग्राम
उस्तखुदूस	(Lavandula stoechas)	75 मिली ग्राम
बालछड़	(Nardostachys jatamansi)	100 मिली ग्राम
अश्वगन्धा	(Withania somnifera)	150 मिली ग्राम

y{k.k %

मनोवैज्ञानिक दबाव, चिन्ता, मानसिक अवसाद, अनिद्रा, मानसिक चिड़चिड़ापन, मूड का बार-बार बदलना, बेचैनी और मानसिक तनाव।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल दिन में दो बार पानी से सेवन कराएं। इस दवा का सेवन दी गई मात्रा में उस समय तक कराते रहें जब तक कि रोग के लक्षण पाए जाएं और जैसे-जैसे यह लक्षण कम होते जाएं दवा की मात्रा कम करते जाएं। जब रोग के लक्षण समाप्त हो जाएं तो कुछ सप्ताह तक इस दवा का सेवन जारी रखने के बाद इसका सेवन बंद करा दें।

ijgst+o vkgkj %

कैफीन, शराब, धूम्रपान, शक्कर, नमक और चिकनाई का सेवन न करें। कार्बोहाइड्रेट और रेशेदार आहार अधिक लें। सब्जियों का ज्यादा सेवन करें। दबाव को कम करने

वाले भोजन जिसमें जिंक की मात्रा होती है जैसे समुद्री भोजन (ऑइस्टर), साबुत अनाज, कड़े छिलके वाले मेवे, अन्डे, और चिकनाई रहित गोश्त खाएं। अगर आप को दूध से बने पदार्थ के सेवन से कोई हानि नहीं होती तो पनीर और दही अपने आहार में शामिल कर लें। शोधन किए हुए, जले हुए, भुने हुए (तंदूरी) और तले हुए पदार्थों से परहेज करें।

ifdax %

28 कैप्सूल का पैक।

सेन्न-केयर कैप्सूल

fooj.k :

इसमें सना की पत्तियां हैं जो अत्यन्त मुद्र विरेचक और दस्तावर हैं जो कभी-कभी कब्ज और मल सख्त हो जाने पर चिकित्सा के तौर पर सेवन की जाती हैं। ये बड़ी आंत की पेशियों पर जोर डालती हैं जिससे मल-त्याग आसान हो जाता है और शरीर का कोई भी तरल द्रव्य बड़ी आंत से निष्काशित नहीं होता तथा यह मल को नर्म बनाती है। यह पेट के भारीपन को कम करती है। सेन्न-केयर कैप्सूल की आदत नहीं पड़ती और लम्बे समय तक सेवन कराई जा सकती है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

सनाय मक्की	(Cassia angustifolia Extract)	125 मिली ग्राम
सौंफ	(Foeniculum vulgare)	125 मिली ग्राम
काला नमक	(Black Salt)	125 मिली ग्राम
सौंठ	(Zingiber officinale)	125 मिली ग्राम

y{k.k %

पुराना कब्ज, गर्भावस्था में होने वाला कब्ज, बवासीर, बच्चे को जन्म देने के बाद कब्ज, हृदय रोग तथा पेट में भारीपन के कारण कब्ज।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i tkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल रात को पानी से सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

अपने आहार में रेशे (फाइबर) की मात्रा बढ़ाएं, तरल पदार्थों का सेवन ज़्यादा करें, प्रतिदिन व्यायाम करें और जब मल-त्याग की इच्छा हो तो उसी समय मल त्यागें, नहीं तो और कब्ज की शिकायत हो जाएगी।

ifdax %

30 व 30 कैप्सूल का पैक।

हार्ट-केयर

fooj.k :

हृदय शरीर में सबसे महत्वपूर्ण मांसपेशी है। हृदय रोग मौत के अन्य सात प्रमुख कारणों में संयुक्त की तुलना में अधिक जान लेता है। हार्ट-केयर दिल को मज़बूत करता और घबराहट, चिंता, अवसाद, विषाद रोग (melancholia) और एनजाइना में उपयोगी है। हार्ट-केयर कम घनत्व वाले लिपोप्रोटीन (LDL) को कम करके सीरम लिपिड्स को नियंत्रित करता है और उच्च घनत्व वाले लिपोप्रोटीन (HDL) को बहाल करता है जोकि हृदय के लिए रक्षात्मक है। इसके अतिरिक्त शरीर की प्राकृतिक गर्मी बनाए रखने में मदद करता है और स्वास्थ्य लाभ में भी उपयोगी है। यह पूरी तरह से सुरक्षित है और लम्बी अवधि तक किसी भी दुष्प्रभाव के बिना दिया जा सकता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

यशब	(Jade)	2 मिली ग्राम
अकीक	(Red Agate)	2 मिली ग्राम
फीरोज़ा	(Turquoise)	2 मिली ग्राम
याकूत	(Rubianus)	2 मिली ग्राम
याकूत ज़र्द	(Topagio)	2 मिली ग्राम
ज़हर मोहरा	(Serpentine)	5 मिली ग्राम
अम्बर	(Ambra grasea)	5 मिली ग्राम
छोटी इलाएची	(Elettaria cardamomum)	10 मिली ग्राम
मस्तगी	(Pistacia lentiscus)	10 मिली ग्राम
छड़ीला	(Permilia perlata)	10 मिली ग्राम
बिल्ली लोटन	(Nepeta cataria)	10 मिली ग्राम
अगर	(Aquilaria agallocha)	10 मिली ग्राम
गुलाब के फूल	(Rosa damascena)	20 मिली ग्राम

आब्रेशम	(Bombyx mori)	20 मिली ग्राम
दालचीनी	(Cinnamomum zeylanicum)	20 मिली ग्राम
लाल बेहमन	(Salvia haematodes)	20 मिली ग्राम
सफेद बेहमन	(Centaurea behen)	20 मिली ग्राम
दरुनज अकरबी	(Doronicum hookeri)	20 मिली ग्राम
कहरुबा	(Succinum)	20 मिली ग्राम
केसर	(Crocus sativus)	20 मिली ग्राम
मोती	(Mytilus margaritiferus)	20 मिली ग्राम
बनसलोचन	(Bambusa arundinacea)	20 मिली ग्राम
सन्दल सफेद	(Santalum album)	20 मिली ग्राम
धनिया सूखा	(Coriandrum sativum)	20 मिली ग्राम
गावज़बां फूल	(Borago officinalis)	20 मिली ग्राम
आंवला सूखा	(Emblica officinalis)	20 मिली ग्राम
ज़रिशक	(Berberis aristata)	45 मिली ग्राम
लहसुन	(Allium sativum)	45 मिली ग्राम
अर्जुन छाल	(Terminalia arjuna)	60 मिली ग्राम

y{k.k %

हृद्शूल (एन्जाइना), चिंता व परेशानी, हृद्मन्दता (धड़कन का कम हो जाना), हृद्दय न्युरोसिस, अवसाद, रक्त में अत्यधिक मात्रा में वसा या चर्बी (लाइपिड), विषाद रोग, हलका उच्च रक्तचाप, घबराहट, भय, मायोकार्डियल इन्फार्कशन, मनोवैज्ञानिक दबाव और हृद्दय की धड़कन का बढ़ जाना।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i kko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

1 कैप्सूल प्रातः खाली पेट पानी से सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

चिकनाई युक्त आहार (मक्खन, पनीर, चिकना मास, आदि), अण्डे, अधिक नमक, शक्कर, कैफीन, शराब, धूम्रपान आदि से परहेज़ करें। हरी सब्जियां, तेल वाली मछली, जैतून का तेल, लहसुन, गाजर और आंवला का ज़्यादा सेवन करें। नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम करें और तनाव से बचें।

isdax % 10 कैप्सूल का पैक।

हल्दी स्पोर्ट्स इन्जोरीज़ कैप्सूल

fooj.k :

खेल के दौरान होने वाले घाव, जोड़ों के दर्द तथा संधिवात में लाभदायक है। यह प्रभावित जोड़ों और मांसपेशियों में रक्त संचारण बढ़ाकर मांसपेशियों, स्नायुओं तथा हड्डियों को शक्ति प्रदान करता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

आंवला	(Emblica officinalis Extract)	75 मिली ग्राम
बहेड़ा	(Terminalia belerica Extract)	75 मिली ग्राम
सौंठ	(Zingiber officinale Extract)	100 मिली ग्राम
हल्दी	(Curcuma longa Extract)	125 मिली ग्राम
गुग्गुल	(Commiphora mukul Extract)	125 मिली ग्राम

y{k.k %

खेल के दौरान लगने वाली चोट, संधिवात और जोड़ों का दर्द।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i kko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

2-2 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के बाद पानी से सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

शीतल पदार्थ (कोला पेय आदि) का सेवन न करें इससे कैल्सियम की कमी हो जाती है। तले हुए आहार और स्टार्च वाले खाद्य पदार्थ जैसे आलू, चिकनाई युक्त आहार, शराब, कैफीन, धूम्रपान और नमक से बचें। जोड़ों पर ज़्यादा दबाव या ज़ोर न दें। छोटी हड्डियों पर वज़न न डालें।

तेल वाली मछली, दलिया, क्रीम निकला दूध, सोयाबीन का दूध, केले, सार्डीन मछली, सब्जियां व फल लाभदायक हैं। किसी वज़नदार चीज़ को उठाने के लिए केवल बड़े और मज़बूत जोड़ों का प्रयोग करें। अपने शरीर का वज़न नियंत्रण में रखें जिससे कूल्हों और घुटनों पर हानिकारक दबाव नहीं पड़ता। व्यायाम द्वारा दर्द कम होता है, चलना-फिरना आसान हो जाता है, थकान दूर होती है तथा स्फूर्ति

का अनुभव होता है। आपका डाक्टर या फिज़िओ थेरापिस्ट आपको कौनसा व्यायाम करना है और कैसे करना है सिखा सकता है जो आपकी हड्डियों के लिए लाभदायक हैं।

isdx %

30 व 60 कैप्सूल का पैक।

यूनानी मुरक्कबात के कैप्सूल

सदियों की आजमाई हुई यूनानी मुरक्कबात का विकसित रूप है जो देहल्वी कैप्सूल के रूप में प्रस्तुत किए गए हैं। यह कैप्सूल्स निःसंदेह आधुनिक युग की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। देहल्वी नैचूरल्स ने शक्कर और शहद निकाल कर शेष फार्मूला कैप्सूल के रूप में प्रस्तुत किया है। यूनानी मुरक्कबात को विश्व में पहली बार किसी ने यह विकसित रूप दिया है। देहल्वी नैचूरल्स की यह पेहल यूनानी तरीका इलाज में एक क्रांतिकारी प्रस्तुति साबित होगी। अल्लाह ने चाहा बात बन जाने के बाद दूसरी कंपनियां हमारे पीछे नहीं बल्कि हमें पीछे करने के लिए दुम-छल्ला बन जाएंगी तो इसलिए बुलाने की ज़रूरत नहीं है।

देहल्वी आर्द खुर्मा मुरक्कब कैप्सूल

fooj.k :

सदियों का आजमाया हुआ माजून आर्द खुर्मा का विकसित रूप है जो कैप्सूल के रूप में प्रस्तुत है। माजून आर्द खुर्मा की समस्त विशेषताओं के साथ देहल्वी आर्द खुर्मा मुरक्कब कैप्सूल निःसंदेह आधुनिक युग की आवश्यकताओं को पूरा करता है। प्रमेह और स्वप्नदोष में उपयोगी है, वीर्य को गाढ़ा करता है और उसकी उत्पत्ति में वृद्धि करता है। शीघ्र पतन रोग को दूर करता है और पुरुषत्व बढ़ाता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

जावित्री	(Myristica fragrans)	0.85 मिली ग्राम
जायफल	(Myristica fragrans)	0.85 मिली ग्राम
लौंग	(Myrtus caryophyllus)	1.8 मिली ग्राम
बिनौला	(Gossypium herbaceum)	3.4 मिली ग्राम
बादाम मीठा	(Prunus amygdalus)	18 मिली ग्राम
चिलगोज़ा	(Pinus gerardiana)	18 मिली ग्राम
फुन्दुक	(Corylus avellana)	18 मिली ग्राम
सतावर	(Asparagus racemosus)	34 मिली ग्राम
गोंद बबूल	(Acacia arabica)	136 मिली ग्राम
सिंघाड़ा	(Trapa bispinosa)	136 मिली ग्राम

छुआराह

(Phoenix dactylifera)

136.2 मिली ग्राम

y{k.k %

प्रमेह, स्वप्नदोष, वीर्य का पतलापन, वीर्य की उत्पत्ति में कमी, शीघ्र वीर्य पतन और पुरुषत्व में कमी।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i hkkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल प्रातःकाल 250 मिली लीटर दूध के साथ खिलाएं।

ijgst+o vkgkj %

धूम्रपान न करें, निकोटीन से शिश्न में रक्त का परिसंचरण कम हो जाता है। अधिक व्यायाम शक्ति बढ़ाता है। अगर मोटापा है तो अपना वजन कम करने की कोशिश करें। नशीले पदार्थ और शराब भी कामवासना की इच्छा में कमी करते हैं और नपुंसकता का कारण बनते हैं। साइकिल या मोटरसाइकिल पर सवार होना विशेषतः पहारों पर सफर करने से खून की कोशिकाओं को चोट पहुंच सकती है। ऐसी हालत में मुलायम गद्दी का प्रयोग करें। मनोवैज्ञानिक दबाव एवं हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप) भी आपके आनन्दमय जीवन को प्रभावित कर सकता है। स्वस्थ आहार, जिनमें चिकनाई कम हो, ताज़ा सब्जियां, फल व अंकुरित अनाज खाएं।

i fda x %

26 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी उस्तखुद्दूस मुरक्कब कैप्सूल

fooj.k :

सदियों का आजमाया हुआ इतरीफल उस्तखुद्दूस का विकसित रूप है जो कैप्सूल के रूप में प्रस्तुत है। इतरीफल उस्तखुद्दूस की समस्त विशेषताओं के साथ देहल्वी उस्तखुद्दूस मुरक्कब कैप्सूल निःसंदेह आधुनिक युग की आवश्यकताओं को पूरा करता है। स्थायी नज़ले की अवस्था में लाभकर है। मस्तिष्क से बलगमी गंदे द्रव्यों को निकाल बाहर करता है। सिर भारी रहने और पुराने सिर दर्द में लाभकर है। अगर उपयुक्त समय तक नियमित सेवन कराया जाए तो बालों की स्याही को भी

बनाए रखता है। अगर नज़ले या किसी अन्य रोग के कारण बाल सफ़ेद हो जाएं तो उनको सही दशा में वापस लाता है। आमाशय और आंतों को पुष्टि देता है। कब्ज़ को दूर करता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

पीली हड़	(Terminalia chebula, Yellow Ext.)	32 मिली ग्राम
काबुली हड़	(Terminalia chebula, Brown Ext.)	32 मिली ग्राम
काली हड़	(Terminalia chebula, Black Ext.)	32 मिली ग्राम
बहेड़ा	(Terminalia belerica Extract)	32 मिली ग्राम
ऑवला	(Emblica officinalis Extract)	32 मिली ग्राम
सनाय मक्की	(Cassia angustifolia Extract)	32 मिली ग्राम
निसोंठ	(Operculina turpethum Extract)	32 मिली ग्राम
बिसफाइज	(Polypodium vulgare Extract)	32 मिली ग्राम
उस्तखुद्दूस	(Lavandula stoechas Extract)	32 मिली ग्राम
मस्तगी	(Pistacia lentiscus)	32 मिली ग्राम
अकाशबेल	(Cuscuta reflexa Extract)	32 मिली ग्राम
किशमिश	(Vitis vinefera Extract)	32 मिली ग्राम
मुनक्का	(Vitis vinefera Extract)	32 मिली ग्राम
बादाम मीठा	(Prunus amygdalus Extract)	32 मिली ग्राम

y{k.k %

स्थायी नज़ला, सिर भारी रहना, पुराना सिर दर्द, समय पूर्व बाल सफ़ेद होना, आमाशय और आंतों की कमजोरी और कब्ज़।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i hkkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल रात को सोते समय पानी से सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

सिगरेट के धुएं से बचें, एलर्जी है तो उसका इलाज करें, तैरने के लिए तालाबों में गहरी डुबकी न लगायें। भाप से भपारा लें जो स्राव को प्रेरित करने में मदद करेगा। शरीर को अत्याधिक मात्रा में तरल पदार्थों की आवश्यकता होती है ताकि नाक में नमी बाकी रहे। ज़्यादा से ज़्यादा तरल पदार्थों का सेवन करें जैसे पानी, उन फलों

का रस पीएं जिनमें विटामिन-सी अत्याधिक मात्रा में पाया जाता है। ऐसे पेय न लें जिनमें कैफीन होता है जैसे कॉफी, चाय, कोला पेय और गैस वाले पेय, इनसे पेशाब ज्यादा आता है जिसके कारण शरीर में और ज्यादा पानी की कमी हो जाती है। स्वास्थ्य प्रदान करने वाले खाने जैसे फल और सब्जियां लें। ठंडे शर्बत जैसे ठंडी चाय और सोडा न पियें, इनसे वायुविवरशोथ और बढ़ जाता है। तनाव, चिंता और अवसाद से बचें और ज्यादा से ज्यादा आराम करें। दूध या दूध से बने पदार्थ से बचें, यह श्लेष्मा को और बढ़ाता है। घर के बाहर जाकर व्यायाम करें जिससे खून का संचरण बढ़ता है और नाक के रास्ते खुलते हैं। अपने कमरे का तापमान गर्म रखें और खिड़कियां थोड़ी सी खोल दें ताकि ताज़ा हवा अन्दर आ सके।

ifdx %

26 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी एल०कबीर कैप्सूल

fooj.k :

सदियों का आजमाया हुआ लबूब कबीर का विकसित रूप है जो कैप्सूल के रूप में प्रस्तुत है। लबूब कबीर की समस्त विशेषताओं के साथ देहल्वी एल०कबीर कैप्सूल निःसंदेह आधुनिक युग की आवश्यकताओं को पूरा करता है। यह मस्तिष्क तथा स्नायुओं को शक्ति प्रदान करता है। लिंग की नमी को दूर करता है। वीर्य में वृद्धि करता है। पुरुषत्व शक्ति को बढ़ाता है। गुर्दा को सशक्त करता है और सामान्य शारीरिक दुर्बलता को दूर करता है। प्रमेह में भी लाभदायक है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

अम्बर	(Amra grasea)	3 मिली ग्राम
बड़ी पीपल	(Piper longum)	5 मिली ग्राम
जावित्री	(Myristica fragrans)	5 मिली ग्राम
जायफल	(Myristica fragrans)	5 मिली ग्राम
छड़ीला	(Parmelia perlata)	5 मिली ग्राम
अगर	(Aquilaria agallocha)	7.5 मिली ग्राम
दरुनज अकरबी	(Doronicum hookeri)	7.5 मिली ग्राम
इंदरजो मीठा	(Wrightia tinctoria)	7.5 मिली ग्राम
कबाबचीनी	(Piper cubeba)	7.5 मिली ग्राम
लौंग	(Myrtus caryophyllus)	7.5 मिली ग्राम
नागर मोठा	(Cyperus rotundus)	7.5 मिली ग्राम

बालछड़	(Nardostachys jatamansi)	7.5 मिली ग्राम
गाजर बीज	(Daucus carota)	7.5 मिली ग्राम
प्याज़ बीज	(Allium cepa)	7.5 मिली ग्राम
शलगम बीज	(Brassica rapa)	7.5 मिली ग्राम
मूली बीज	(Raphanus sativus)	7.5 मिली ग्राम
कौंच	(Mucuna pruriens)	7.5 मिली ग्राम
इस्पस्त बीज	(Trifolium alexandrinum)	7.5 मिली ग्राम
किलकिल	(Cardiospermum halicacabum)	7.5 मिली ग्राम
नरकचूर	(Zingiber zerumbet)	7.5 मिली ग्राम
मस्तगी	(Pistacia lentiscus)	10 मिली ग्राम
जाफ़रान	(Crocus sativus)	10 मिली ग्राम
बच	(Acorus calamus)	10 मिली ग्राम
खरातीन	(Pheretima sp.)	10 मिली ग्राम
पुदीना	(Mentha arvensis)	10 मिली ग्राम
सूरंजान मीठा	(Colchicum luteum)	10 मिली ग्राम
बहमन सफ़ेद	(Centaurea behen)	12.5 मिली ग्राम
बहमन लाल	(Salvia haematodes)	12.5 मिली ग्राम
दालचीनी	(Cinnamomum zeylanicum)	12.5 मिली ग्राम
चिरौंजी	(Buchanania latifolia)	12.5 मिली ग्राम
खुलंजान	(Alpinia galanga)	12.5 मिली ग्राम
तिल	(Sesamum indicum)	12.5 मिली ग्राम
अख़रोट	(Juglans regia)	12.5 मिली ग्राम
बादाम मीठा	(Prunus amygdalus)	12.5 मिली ग्राम
चिलगोज़ा	(Pinus gerardiana)	12.5 मिली ग्राम
भिलावां	(Semecarpus anacardium)	12.5 मिली ग्राम
पिस्ता	(Pistacia vera)	12.5 मिली ग्राम
फिंदक	(Corylus avellana)	12.5 मिली ग्राम
माही रूबियां	(Palemon curtinus)	12.5 मिली ग्राम
शकाकुल मिसरी	(Pastinaca sativa)	12.5 मिली ग्राम
सौंठ	(Zingiber officinale)	12.5 मिली ग्राम
असगन्ध	(Withania somnifera)	17 मिली ग्राम
तूदरी लाल	(Lepidium iberis)	25 मिली ग्राम
खश्खाश	(Papaver somniferum Seeds)	25 मिली ग्राम
सालब मिसरी	(Orchis latifolia)	25 मिली ग्राम
नारियल	(Cocus nucifera)	25 मिली ग्राम

y{k.k %

कामवासना की इच्छा में कमी, शीघ्र वीर्य पतन, शिश्न में ढीलापन, वीर्य की कमी, संभोग के बाद थकावट, पुरुषत्व में कमी, सामान्य शारीरिक दुर्बलता और प्रमेह।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल प्रातःकाल 250 मिली लीटर दूध या 50 मिली लीटर अर्क माउल्लहम दो आतिशा के साथ खिलाएं।

ijgst+o vkgkj %

धूम्रपान न करें, निकोटीन से शिश्न में रक्त का परिसंचरण कम हो जाता है। अधिक व्यायाम शक्ति बढ़ाता है। अगर मोटापा है तो अपना वजन कम करने की कोशिश करें। नशीले पदार्थ और शराब भी कामवासना की इच्छा में कमी करते हैं और नपुंसकता का कारण बनते हैं। साइकिल या मोटरसाइकिल पर सवार होना विशेषतः पहाड़ों पर सफ़र करने से खून की कोशिकाओं को चोट पहुंच सकती है। ऐसी हालत में मुलायम गद्दी का प्रयोग करें। मनोवैज्ञानिक दबाव एवं हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप) भी आपके आनन्दमय जीवन को प्रभावित कर सकता है। स्वस्थ आहार, जिनमें चिकनाई कम हो, ताज़ा सब्जियां, फ़ल व अंकुरित अनाज खाएं।

i f d a k %

14 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी कमूनी मुरक्कब कैप्सूल

fooj.k :

सदियों की आजमाई हुई जवारिश कमूनी का विकसित रूप है जो कैप्सूल के रूप में प्रस्तुत है। जवारिश कमूनी की समस्त विशेषताओं के साथ देहल्वी कमूनी मुरक्कब कैप्सूल निःसंदेह आधुनिक युग की आवश्यकताओं को पूरा करती है। पेट के दर्द तथा पाचन विकार, वायु की अधिकता और अफारे को दूर करती है। आमाशय के लिए शक्तिदायक है। भूख लगाती है तथा खट्टी डकारों और हिचकी आने को

रोकती है। कब्ज़ को दूर करती है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

बूरा अर्मनी	(Armenian Bole)	12 मिली ग्राम
काली मिर्च	(Piper nigrum Extract)	70 मिली ग्राम
बर्गे सुद्दाब	(Ruta graveolens Extract)	93 मिली ग्राम
सौंठ	(Zingiber officinale Extract)	93 मिली ग्राम
काला ज़ीरा	(Carum carvi Extract)	232 मिली ग्राम

y{k.k %

आमाशय पीड़ा, अपचन, अफारा, भूख की कमी, खट्टी डकारें, हिचकी और कब्ज़।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल भोजन के बाद दोनो समय पानी से खिलाएं।

i f d a k %

26 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी ज़रऊनी सादा मुरक्कब कैप्सूल

fooj.k :

सदियों की आजमाई हुई जवारिश ज़रऊनी सादा का विकसित रूप है जो कैप्सूल के रूप में प्रस्तुत है। जवारिश ज़रऊनी सादा की समस्त विशेषताओं के साथ देहल्वी ज़रऊनी सादा मुरक्कब कैप्सूल निःसंदेह आधुनिक युग की आवश्यकताओं को पूरा करती है। आमाशय, यकृत और अंतड़ियों की समस्त शक्तियों को सुरक्षित रखती है। आमाशय को सशक्त करती है तथा भोजन को पचाती है। भोजन को शरीर का तत्व बनाकर स्वच्छ रक्त का संचार करती है। अंतड़ियों की प्रक्रिया को सामान्य करके स्थायी कब्ज़ दूर करती है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

आकरकर्हा	(Anacyclus pyrethrum)	14 मिली ग्राम
दालचीनी	(Cinnamomum zeylanicum)	14 मिली ग्राम
ज़ाफ़रान	(Crocus sativus)	14 मिली ग्राम
मस्तगी	(Pistacia lentiscus)	14 मिली ग्राम
अगर	(Aquilaria agallocha)	14 मिली ग्राम
जावित्री	(Myristica fragrans)	14 मिली ग्राम
गाजर बीज	(Daucus carota)	41.5 मिली ग्राम
अजमोद	(Apium graveolens)	41.5 मिली ग्राम
इस्पस्त बीज	(Trifolium alexandrinum)	41.5 मिली ग्राम
अजवाएन देसी	(Trachyspermum ammi)	41.5 मिली ग्राम
सौंफ़	(Foeniculum vulgare)	41.5 मिली ग्राम
ख़र्बूज़ा बीज	(Cucumis melo)	41.5 मिली ग्राम
खीरा बीज	(Cucumis sativus)	41.5 मिली ग्राम
अजमोद छाल	(Apium graveolens)	41.5 मिली ग्राम
काली मिर्च	(Piper nigrum)	41.5 मिली ग्राम

y{k.k %

आमाशय, यकृत, अंतड़ियों और आमाशय की दुर्बलता, अपचन, मूत्र की अधिकता और वीर्य की कमी।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i tkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल भोजन के बाद दोनों समय पानी से खिलाएं।

ijgst+o vkgkj %

शराब, चिकनाई युक्त आहार, अधिक नमक, शक्कर से परहेज़ करें। रस वाले फ़ल, गाजर, चुकन्दर, गोभी और अण्डा का ज़्यादा सेवन करें।

i fda %

26 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी जलाली मुरक्कब कैप्सूल

fooj.k :

सदियों की आजमाई हुई माजून जलाली का विकसित रूप है जो कैप्सूल के रूप में प्रस्तुत है। माजून जलाली की समस्त विशेषताओं के साथ देहल्वी जलाली मुरक्कब कैप्सूल निःसंदेह आधुनिक युग की आवश्यकताओं को पूरा करती है। शक्तिदायक और कामशक्ति को बढ़ाती है। सामान्य शारीरिक दुर्बलता को दूर करती है। वीर्य की उत्पत्ति करती है और उसे गाढ़ा करती है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

अम्बर	(Ambra grasea)	12.5 मिली ग्राम
ज़ाफ़रान	(Crocus sativus)	25 मिली ग्राम
कबाबचीनी	(Piper cubeba)	25 मिली ग्राम
खुरासानी अजवाएन	(Hyoscyamus niger)	25 मिली ग्राम
बालछड़	(Nardostachys jatamansi)	25 मिली ग्राम
अगर	(Aquilaria agallocha)	25 मिली ग्राम
सलीखा	(Cinnamomum cassia)	25 मिली ग्राम
दालचीनी	(Cinnamomum zeylanicum)	25 मिली ग्राम
मस्तगी	(Pistacia lentiscus)	25 मिली ग्राम
छड़ीला	(Parmelia perlata)	25 मिली ग्राम
इंदरजो मीठा	(Wrightia tinctoria)	37.5 मिली ग्राम
जायफल	(Myristica fragrans)	37.5 मिली ग्राम
सालब मिसरी	(Orchis latifolia)	52 मिली ग्राम
काला दाना	(Ipomoea nil)	135.5 मिली ग्राम

y{k.k %

कामवासना की इच्छा में कमी, संभोग के बाद थकावट, पुरुषत्व में कमी, शीघ्र वीर्य पतन, शिश्न में ढीलापन, वीर्य की कमी, वीर्य का पतलापन और सामान्य शारीरिक दुर्बलता।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i tkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल प्रातःकाल 250 मिली लीटर दूध के साथ खिलाएं।

ijgst+o vkgkj %

धूम्रपान न करें, निकोटीन से शिश्न में रक्त का परिसंचरण कम हो जाता है। अधिक व्यायाम शक्ति बढ़ाता है। अगर मोटापा है तो अपना वजन कम करने की कोशिश करें। नशीले पदार्थ और शराब भी कामवासना की इच्छा में कमी करते हैं और नपुंसकता का कारण बनते हैं। साइकिल या मोटरसाइकिल पर सवार होना विशेषतः पहाड़ों पर सफ़र करने से खून की कोशिकाओं को चोट पहुंच सकती है। ऐसी हालत में मुलायम गद्दी का प्रयोग करें। मनोवैज्ञानिक दबाव एवं हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप) भी आपके आनन्दमय जीवन को प्रभावित कर सकता है। स्वस्थ आहार, जिनमें चिकनाई कम हो, ताज़ा सब्जियां, फल व अंकुरित अनाज खाएं।

i fda k %

14 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी जौहरी कैप्सूल

fooj.k :

उपदंश और गठिया की अचूक दवा है। उपदंश नया हो या पुराना, दोनों दशाओं में अचूक औषधि है। उपदंश के कारण पैदा होने वाले रोग जैसे गठिया, जोड़ों का दर्द, फ़ालिज़, कपकपाहट आदि में भी लाभकर है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

जौहर मुनक्का	(As per Bayaz-e-Kabir Vol II)	22 मिली ग्राम
सरफोका	(Tephrosia purpurea)	66 मिली ग्राम
गोंद बबूल	(Acacia arabica)	412 मिली ग्राम

y{k.k %

उपदंश और गठिया।

fu' k'k %

कोई नहीं।

nd i kko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1 कैप्सूल 250 मिली लीटर दूध के साथ सेवन कराएं।

i fda k %

20 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी डी०एम०एम० जवाहर वाली कैप्सूल

fooj.k :

सदियों का आजमाया हुआ दवाउलमिस्क मोतदिल जवाहर वाली का विकसित रूप है जो कैप्सूल के रूप में प्रस्तुत है। दवाउलमिस्क मोतदिल जवाहर वाली की समस्त विशेषताओं के साथ देहल्वी डी०एम०एम० जवाहर वाली कैप्सूल निःसंदेह आधुनिक युग की आवश्यकताओं को पूरा करता है। हृदय को पुष्टि देता है। हृदय की अनियमित प्रक्रिया को संतुलित करता है। सामान्य शारीरिक दुर्बलता, मूर्च्छा, घबराहट तथा रोगावस्था के बाद की दुर्बलता में लाभकर है। रक्त प्रवाह और रक्त उत्पत्ति को बढ़ाता है। यकृत तथा आमाशय को भी शक्ति प्रदान करता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

अम्बर	(Ambra grasea)	4.25 मिली ग्राम
अगर	(Aquilaria agallocha Extract)	10.75 मिली ग्राम
बादरन्ज बोया	(Melissa parviflora Extract)	10.75 मिली ग्राम
मस्तगी	(Pistacia lentiscus)	10.75 मिली ग्राम
छड़ीला	(Parmelia perlata Extract)	10.75 मिली ग्राम
इलाएची छोटी	(Elettaria cardamomum Extract)	10.75 मिली ग्राम
ज़ाफ़रान	(Crocus sativus)	15 मिली ग्राम
खुर्फा बीज	(Portulaca oleracea Extract)	21.25 मिली ग्राम
गुलाब फूल	(Rosa damascena Extract)	21.25 मिली ग्राम
आब्रेशम	(Bombyx mori Extract)	21.25 मिली ग्राम
दालचीनी	(Cinnamomum zeylanicum Ext.)	21.25 मिली ग्राम
बहमन सफ़ेद	(Centaurea behen Extract)	21.25 मिली ग्राम
बहमन लाल	(Salvia haematodes Extract)	21.25 मिली ग्राम
दरुनज अकरबी	(Doronicum hookeri Extract)	21.25 मिली ग्राम
मोती	(Mytilus margaritifera)	21.25 मिली ग्राम

कहरूबा	(Pinus succinifera)	21.25 मिली ग्राम
बनसलोचन	(Bambusa arundinacea)	32 मिली ग्राम
सन्दल सफेद	(Santalum album Extract)	32 मिली ग्राम
सन्दल लाल	(Pterocarpus santalinus Extract)	32 मिली ग्राम
धनिया	(Coriandrum sativum Extract)	32 मिली ग्राम
गावज़बां फूल	(Borago officinalis Extract)	32 मिली ग्राम
आंवला सूखा	(Emblica officinalis Extract)	32 मिली ग्राम
ज़रिशक	(Berberis aristata)	43.75 मिली ग्राम

y{k.k %

हृदय की दुर्बलता, हृदय की अनियमित प्रक्रिया, सामान्य शारीरिक दुर्बलता, मूर्च्छा, धड़कन, खिन्नता (मैलन्कोलिया), घबराहट, रोगावस्था के बाद की दुर्बलता, रक्त की कमी और यकृत व आमाशय की दुर्बलता।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i tkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल प्रातः एवं सायंकाल दूध अथवा पानी से सेवन कराएं।

ijgst+o vkgkj %

चिकनाई युक्त आहार, अण्डा, अधिक नमक, शक्कर, कैफीन, शराब, धूम्रपान आदि से परहेज़ करें।

हरी सब्जियां, तेल वाली मछली, जैतून का तेल, लहसुन और आंवला का ज़्यादा सेवन करें।

ifdx %

14 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी दबीदुल वर्द मुरक्कब कैप्सूल

fooj.k :

सदियों का आजमाया हुआ माजून दबीदुल वर्द का विकसित रूप है जो कैप्सूल के

रूप में प्रस्तुत है। माजून दबीदुल वर्द की समस्त विशेषताओं के साथ देहल्वी दबीदुल वर्द मुरक्कब कैप्सूल निःसंदेह आधुनिक युग की आवश्यकताओं को पूरा करता है। यकृत की सूजन को घुलाती है। यकृत बढ़ जाने तथा प्यास में उपयोगी है। गर्भाशय की सूजन, पीलिया और भूख की कमी में इसका अचूक उपयोग है। इसका दैनिक उपयोग मदिरापान के कारण हुए यकृत विकारों को दूर करता है। इससे भूख में वृद्धि होती है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

बालछड़	(Nardostachys jatamansi)	12 मिली ग्राम
मस्तगी	(Pistacia lentiscus)	12 मिली ग्राम
ज़ाफ़रान	(Crocus sativus)	12 मिली ग्राम
बनसलोचन	(Bambusa arundinacea)	12 मिली ग्राम
दालचीनी	(Cinnamomum zeylanicum)	12 मिली ग्राम
इज़खर मविक	(Cymbopogon jwarancusa)	12 मिली ग्राम
तगर	(Valerian wallichii)	12 मिली ग्राम
मीठा कुट	(Saussurea lappa, Sweet)	12 मिली ग्राम
गाफिस	(Gentiana olivieri)	12 मिली ग्राम
अकाशबेल	(Cuscuta reflexa)	12 मिली ग्राम
मजीठ	(Rubia cordifolia)	12 मिली ग्राम
लाख	(Coccus lacca)	12 मिली ग्राम
अजमोद	(Apium graveolens)	12 मिली ग्राम
ज़रावंद	(Aristolochia longa)	12 मिली ग्राम
बलसां	(Commiphora opobalsamum)	12 मिली ग्राम
लौंग	(Myrtus caryophyllus)	12 मिली ग्राम
इलाएची छोटी	(Elettaria cardamomum)	12 मिली ग्राम
गुलाब फूल	(Rosa damascena)	253 मिली ग्राम

y{k.k %

यकृत की सूजन, यकृत बढ़ जाना, अधिक प्यास, गर्भाशय की सूजन, पीलिया, भूख की कमी, आमाशय की सूजन, तिल्ली की सूजन, जलोदर और सुस्त यकृत।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i tkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल अर्क मकोह 60 मिली लीटर या पानी के साथ खिलाएं।

ijgst+o vkgkj %

शराब, चिकनाई युक्त आहार, अधिक नमक, शक्कर आदि से परहेज करें। शराब यकृत को ज्यादा नुकसान देता है। रस वाले फल, गाजर, चुकन्दर, गोभी और अण्डा का ज्यादा सेवन करें। चिन्ता व परेशानी और महनत के कार्यों से दूर रहें।

i fda %

26 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी फ़लासफ़ा मुरक्कब कैप्सूल

fooj.k :

सदियों का आजमाया हुआ माजून फ़लासफ़ा का विकसित रूप है जो कैप्सूल के रूप में प्रस्तुत है। माजून फ़लासफ़ा की समस्त विशेषताओं के साथ देहल्वी फ़लासफ़ा मुरक्कब कैप्सूल निःसंदेह आधुनिक युग की आवश्यकताओं को पूरा करता है। स्नायुओं को शक्ति देकर और वीर्य की उत्पत्ति को बढ़ाकर काम शक्ति को बढ़ाता है। गुर्दों और मूत्राशय को शक्ति देता है और पेशाब की अधिकता को रोकता है। गठिया और कमर के दर्द को दूर करता है। भोजन को पचाता है और भूख बढ़ाता है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

बाबूना बीज	(Anthemis nobilis Extract)	17.5 मिली ग्राम
सौंठ	(Zingiber officinale Extract)	34.5 मिली ग्राम
काली मिर्च	(Piper nigrum Extract)	34.5 मिली ग्राम
बड़ी पीपल	(Piper longum Extract)	34.5 मिली ग्राम
ऑवला	(Emblica officinalis Extract)	34.5 मिली ग्राम
काली हड़	(Terminalia chebula Extract)	34.5 मिली ग्राम
चीता लकड़ी	(Plumbago zeylanicum Extract)	34.5 मिली ग्राम
ज़रावंद	(Aristolochia longa Extract)	34.5 मिली ग्राम
सालब मिसरी	(Orchis latifolia Extract)	34.5 मिली ग्राम
बाबूना जड़	(Anthemis nobilis Extract)	34.5 मिली ग्राम

चिलगोज़ा	(Pinus gerardiana)	34.5 मिली ग्राम
नारियल	(Cocos nucifera)	34.5 मिली ग्राम
मुनक्का	(Vitis vinefera Extract)	103 मिली ग्राम

y{k.k %

स्नायुओं की दुर्बलता, पुरुषत्व में कमी, वीर्य की कमी, गुर्दों और मूत्राशय की दुर्बलता, मूत्र की अधिकता, गठिया, कमर दर्द, अपाचन और भूख की कमी।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई नहीं।

I ou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल प्रातः या सायंकाल 250 मिली लीटर दूध या पानी से खिलाएं।

ijgst+o vkgkj %

धूम्रपान न करें, निकोटीन से शिश्न में रक्त का परिसंचरण कम हो जाता है। अधिक व्यायाम शक्ति बढ़ाता है। अगर मोटापा है तो अपना वज़न कम करने की कोशिश करें। नशीले पदार्थ और शराब भी कामवासना की इच्छा में कमी करते हैं और नपुंसकता का कारण बनते हैं। साइकिल या मोटरसाइकिल पर सवार होना विशेषतः पहाड़ों पर सफ़र करने से खून की कोशिकाओं को चोट पहुंच सकती है। ऐसी हालत में मुलायम गद्दी का प्रयोग करें। मनोवैज्ञानिक दबाव एवं हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप) भी आपके आनन्दमय जीवन को प्रभावित कर सकता है। स्वस्थ आहार, जिनमें चिकनाई कम हो, ताज़ा सब्जियां, फल व अंकुरित अनाज खाएं।

i fda %

26 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी सालब मुरक्कब कैप्सूल

fooj.k :

सदियों की आजमाई हुई माजून सालब का विकसित रूप है जो कैप्सूल के रूप में प्रस्तुत है। माजून सालब की समस्त विशेषताओं के साथ देहल्वी सालब मुरक्कब कैप्सूल निःसंदेह आधुनिक युग की आवश्यकताओं को पूरा करती है। काम शक्ति

की दुर्बलता और प्रमेह को दूर करती है। शीघ्रपतन को दूर करती है तथा लिंग की सुस्ती और ढीलेपन को दूर करती है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

जुंद बिदस्तर	(Castoreum)	4	मिली ग्राम
दरुनज अकरबी	(Doronicum hookeri)	4	मिली ग्राम
अम्बर	(Ambra grasea)	4	मिली ग्राम
बालछड़	(Nardostachys jatamansi)	6	मिली ग्राम
बड़ी इलाएची	(Amomum subulatum)	6	मिली ग्राम
अगर	(Aquilaria agallocha)	6	मिली ग्राम
बड़ी माई	(Tamarix gallica)	6	मिली ग्राम
गोंद बबूल	(Acacia arabica)	6	मिली ग्राम
गावज़बां	(Borago officinalis)	8	मिली ग्राम
बादरंज बोया	(Melissa parviflora)	8	मिली ग्राम
तुलसी बीज	(Ocimum sanctum)	8	मिली ग्राम
रेग माही	(Agama agilis)	8	मिली ग्राम
चिलगोज़ा	(Pinus gerardiana)	8	मिली ग्राम
नारियल	(Cocus nucifera)	8	मिली ग्राम
बादाम मीठा	(Prunus amygdalus)	8	मिली ग्राम
पिस्ता	(Pistacia vera)	8	मिली ग्राम
फुन्दुक	(Corylus avellana)	8	मिली ग्राम
बूज़ीदान	(Tanacetum umbelliferum)	12	मिली ग्राम
सूरंजान मीठा	(Colchicum luteum)	12	मिली ग्राम
तूदरी सफ़ेद	(Lepidium iberis)	12	मिली ग्राम
तूदरी लाल	(Lepidium iberis)	12	मिली ग्राम
बहमन सफ़ेद	(Centaurea behen)	12	मिली ग्राम
बहमन लाल	(Salvia haematodes)	12	मिली ग्राम
सौंठ	(Zingiber officinale)	12	मिली ग्राम
पुदीना	(Mentha arvensis)	12	मिली ग्राम
गोखरू छोटा	(Tribulus terrestris)	12	मिली ग्राम
खशखाश	(Papaver somniferum Seeds)	12	मिली ग्राम
तिल	(Sesamum indicum)	12	मिली ग्राम
गाजर बीज	(Daucus carota)	12	मिली ग्राम
बड़ी पीपल	(Piper longum)	12	मिली ग्राम

नरकचूर	(Zingiber zerumbet)	12	मिली ग्राम
मस्तगी	(Pistacia lentiscus)	12	मिली ग्राम
जावित्री	(Myristica fragrans)	12	मिली ग्राम
जायफल	(Myristica fragrans)	12	मिली ग्राम
जाफ़रान	(Crocus sativus)	12	मिली ग्राम
मीठा कुट	(Saussurea lappa, Sweet)	12	मिली ग्राम
खर्बूज़ा बीज	(Cucumis melo)	12	मिली ग्राम
इंदरजो मीठा	(Wrightia tinctoria)	12	मिली ग्राम
दालचीनी	(Cinnamomum zeylanicum)	12	मिली ग्राम
लौंग	(Myrtus caryophyllus)	12	मिली ग्राम
इलाएची छोटी	(Elettaria cardamomum)	12	मिली ग्राम
खुलंजान	(Alpinia galanga)	20.5	मिली ग्राम
शकाकुल मिसरी	(Pastinaca sativa)	20.5	मिली ग्राम
सालब मिसरी	(Orchis latifolia)	20.5	मिली ग्राम
खुरासानी अजवाएन	(Hyoscyamus niger)	20.5	मिली ग्राम

y{k.k %

कामवासना की इच्छा में कमी, संभोग के बाद थकावट, पुरुषत्व में कमी, शीघ्र वीर्य पतन, शिश्न में ढीलापन, वीर्य की कमी और सामान्य शारीरिक दुर्बलता।

fu'ksk % कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल प्रातःकाल 250 मिली लीटर दूध के साथ खिलाएं।

i jgst+o vkgkj %

धूम्रपान न करें, निकोटीन से शिश्न में रक्त का परिसंचरण कम हो जाता है। अधिक व्यायाम शक्ति बढ़ाता है। अगर मोटापा है तो अपना वजन कम करने की कोशिश करें। नशीले पदार्थ और शराब भी कामवासना की इच्छा में कमी करते हैं और नपुंसकता का कारण बनते हैं। साइकिल या मोटरसाइकिल पर सवार होना विशेषतः पहाड़ों पर सफ़र करने से खून की कोशिकाओं को चोट पहुंच सकती है। ऐसी हालत में मुलायम गद्दी का प्रयोग करें। मनोवैज्ञानिक दबाव एवं हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप) भी आपके आनन्दमय जीवन को प्रभावित कर सकता है। स्वस्थ आहार, जिनमें चिकनाई कम हो, ताज़ा सब्जियां, फल व अंकुरित अनाज खाएं।

i fda % 14 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी सूरंजान मुरक्कब कैप्सूल

fooj.k :

सदियों की आजमाई हुई माजून सूरंजान का विकसित रूप है जो कैप्सूल के रूप में प्रस्तुत है। माजून सूरंजान की समस्त विशेषताओं के साथ देहल्वी सूरंजान मुरक्कब कैप्सूल निःसंदेह आधुनिक युग की आवश्यकताओं को पूरा करती है। गठिया, जोड़ों का दर्द और गृध्रसी में राहत देती है। जोड़ों से गठिया के तत्वों को निकालती है। कब्ज को दूर करती है।

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

तगर	(Valeriana wallichii Extract)	43.5 मिली ग्राम
बड़ी पीपल	(Piper longum Extract)	43.5 मिली ग्राम
काला जीरा	(Carum carvi Extract)	43.5 मिली ग्राम
सौंठ	(Zingiber officinale Extract)	43.5 मिली ग्राम
सनाय मक्की	(Cassia angustifolia Extract)	108 मिली ग्राम
सूरंजान मीठा	(Colchicum luteum Extract)	218 मिली ग्राम

y{k.k %

सन्धिवात, गठिया, जोड़ों का दर्द, गृध्रसी, प्रातःकाल जोड़ों में कठोरता और कब्ज।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i kko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल रात को सोते समय पानी से खिलाएं।

ijgst+o vkgkj %

अत्यधिक कोलेस्ट्रॉल वाले खाने, चिकनाई, शक्कर से परहेज करें। फ़ास्ट फूड और बेकरी में तैयार की गई चीजों से दूर रहें। नमक, धूम्रपान और शराब से भी परहेज करें।

शरीर को सन्तुलित आहार दें। वजन अगर ज़्यादा है तो कम करें क्योंकि मोटापा सन्धिवात को और बिगाड़ सकता है तथा सप्ताह में तीन या चार बार व्यायाम करें।

उत्तम प्रकार के खाने की चीजों में रोटी व अनाज, फ़ल व सब्जियां, मुर्ग, मछली जिसमें तेल होता है, कम चिकनाई वाला गोश्त, सूखी फ़लियां, कम चिकनाई वाला दूध, पनीर और दही आदि ज़रूर लें। गर्म पानी से नहाएं, यह सूजन को कम करता है। तैरना भी जोड़ों के लिए लाभदायक है।

ifdx %

26 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी के सिंगल हर्ब कैप्सूल

पौधे ज़मीन से पदार्थ लेने के बाद उन्हें विटामिन, खनिज पदार्थ, कार्बोहाइड्रेट्स, प्रोटीन और चिकनाई में परिवर्तित कर देते हैं जिन्हें हमारा शरीर आहार और स्वास्थ्य के लिए प्रयोग करता है। देहल्वी नैचूरल्स ने अपनी औषधियों में प्रत्येक औषधि के पूर्ण गुणधर्म का प्रयोग करके उनके सर्वोच्च गुणों को आप तक पहुंचाया है। हमारी सीधी-साधी दृष्टि है कि कोई भी जड़ी-बूटी केवल उसके एक घटक से कहीं अधिक लाभदायक है। बजाए जड़ी-बूटी का निकला हुआ सार का एक घटक के जब पूर्ण जड़ी-बूटी प्रयोग होता है तो उसके अलग-अलग अंश एक दूसरे को प्रभावित करते हैं जिससे दुष्प्रभाव दूर हो जाते हैं।

देहल्वी अकरकराह कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

अकरकराह (Anacyclus pyrethrum Dried Extract)	167 मिली ग्राम
अकरकराह (Anacyclus pyrethrum Powder)	333 मिली ग्राम

y{k.k %

नपुंसकता, लक़वा, गर्दे के विकार, गर्दे की पथरी, सुस्ती, शीघ्र वीर्य पतन, वीर्य के विकार, और पौरुष शक्ति की कमी।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i hkkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

प्रतिदिन 1 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन से पहले पानी के साथ दें।

i fda x %

30 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी अदरक कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

सोंट (Zingiber officinalis Dried Extract)	100 मिली ग्राम
सोंट (Zingiber officinalis Powder)	400 मिली ग्राम

y{k.k %

भूल (स्मरण शक्ति का क्षीर्ण हो जाना), सन्धिशोथ, दमा, पेट फूलना, छाती में जलन, हल्का पाला पड़ने से पोंवों, हाथ या पैर की अंगुलियों में सूजन के साथ खुजली, कोलिक, नज़ला, खांसी, दस्त, सिर चकराना, पेचिश, नपुंसकता, ज्वर, गैस, पलू, आमाशय में सूजन, गठिया, सिर दर्द, रक्त में अत्याधिक मात्रा में वसा या चर्बी, अपाचन, भूक की कमी, आधा सीसी का दर्द (माइग्रेन), जी मिचलाना, शीघ्र वीर्य पतन, आमवात, गठियारूप सन्धिशोथ, पौरुष शक्ति की कमी, शुक्रमेह, लम्बी यात्रा से पाचन की गड़बड़ी, उल्टी एवं वायु-पात।

fu'k'k %

यद्यपि अदरक उल्टी को रोकती है, किन्तु इसे गर्भावस्था के प्रथम कुछ महीनों में सुबह के समय उल्टी में सेवन न किया जाए। पित्ते की पत्थरी और आमाशय में अल्सर के रोगी भी इसका प्रयोग न करें जब तक कि उनका चिकित्सक इसकी आज्ञा न दे। अगर रक्त के जमने को रोकने वाली औषधियां प्रयोग की जा रही हैं तथा गर्भावस्था में इसका सेवन न कराएं।

nd i hkkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

प्रतिदिन 2 कैप्सूल दो बार भोजन के पश्चात पानी के साथ दें।

i fda x %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी अर्जुना कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

अर्जुन छाल (Terminalia arjuna Dried Extract)	250 मिली ग्राम
--	----------------

y{k.k %

हृद्शूल (एन्जाइना), एल. डी. एल. कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ जाना, हाई ब्लड प्रेशर, रक्त में अत्यधिक मात्रा में वसा या चर्बी, हृदयांगों में रक्त की कमी के कारण सीने में दर्द, मायोकार्डियल इन्फार्कशन, अधीरता एवं मनोवैज्ञानिक दबाव।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन एक या दो कैप्सूल दिन में दो बार भोजन से पूर्व पानी से सेवन कराएं।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी असरोल कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

असरोल	(Rauwolfia serpentina Dried Extract)	200 मिली ग्राम
असरोल	(Rauwolfia serpentina Powder)	300 मिली ग्राम

y{k.k %

चिंता व परेशानी, मिर्गी (अपस्मार), उत्तेज्यता, उच्च रक्तचाप, रोगभ्रम, हिस्टीरिया, पागलपन, अनिद्रा, मालीखूलिया, स्नायुदौर्बल्य, लैंगिक एग्रेसन और मानसिक क्रियाशीलता का हास।

fu'ksk %

गर्भावस्था, में तथा दूध पिलाने के दौरान, निम्न रक्तचाप, मानसिक अवसाद, पाचक अल्सर, अल्सेटिव कोलाइटिस में इसका सेवन न कराएं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1 कैप्सूल रात को सोते समय पानी से सेवन कराएं।

i fda %

30 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी अशोका कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

अशोक छाल	(Saraca indica Dried Extract)	250 मिली ग्राम
----------	-------------------------------	----------------

y{k.k %

गर्भाशय विकार, मासिक धर्म बन्द होना (एमेनोरिया), रक्तस्रावी अल्सर, शूल (कोलिक), कोलन की सूजन (कोलाइटिस), अवसाद, पेचिश, कष्टार्तव, रक्तस्रावी पेचिश, गुर्दे की पथरी, श्वेतप्रदर, अत्यार्तव, बवासीर, गर्भाशय/डिम्बग्रंथि फाइब्रॉएड और गर्भाशय का नीचे उतरना।

fu'ksk %

गर्भावस्था में या दूध पिलाने के दौरान इसका सेवन न कराएं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन 1-1 कैप्सूल दो बार पानी से सेवन कराएं।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी अश्वगन्धा कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

अश्वगन्धा	(Withania somnifera Dried Extract)	250 मिली ग्राम
-----------	------------------------------------	----------------

y{k.k %

भूल (स्मृतिलोप), रक्त की कमी, चिंता व परेशानी, सन्धिशोथ, दमा, अशुक्राणुता (वीर्य में शुक्राणुओं का न होना या न बनना), हृदय गति का मन्द होना, मस्तिष्क की थकन, श्वास नलियों की श्लेष्मिक कला की सूजन (ब्रोन्काइटिस), कैंसर, रोग की समाप्ति के पश्चात की कमजोरी, मधुमेह, मानसिक अवसाद, दुष्चन, नपुंसकता, थकावट, उक्ताहट, सामान्य दुर्बलता, शुक्राणु का पतला होना, उच्च रक्तचाप, बांझपन, अनिद्रा, भूक कम लगाना, शारीरिक बल में कमजोरी, श्वेतप्रदर, कमर में दर्द, मानसिक थकावट, अल्पशुक्राणुता, मूत्र का अधिक मात्रा में आना, समय से पूर्व

वृद्धावस्था, आमवात, गठियारूप सन्धिशोथ, वीर्य के विकार, वृद्धावस्था में क्षीणता, पौरुष शक्ति की कमी, शुक्रमेह (जिर्यान), मनोवैज्ञानिक दबाव, दूग्ध में कमी और विखण्डित मनस्कता (शाइज़ोफ्रेनिया)।

fu'ksk %

गर्भवती महिलाओं को इसका प्रयोग न कराएँ।

ndi hko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

प्रतिदिन एक कैप्सूल दो बार भोजन से पूर्व पानी के साथ दें।

isdax %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी आमला कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

आमला सूखा (Emblica officinalis Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

भूल (स्मृतिलोप), रक्त की कमी, हृद्शूल (एन्जाइना), चिन्ता व परेशानी, धमनीकलाकाठिन्य, दमा, ब्रोन्काइटिस, मोतियाबिंद, नजला जुकाम, कब्ज, मधुमेह, दस्त, पेचिश, दुष्पचन, बाल गिरना, रक्तस्राव, पीलिया, श्वेतप्रदर, मेलन्कोलिया (विषाद रोग), प्रतिरक्षा क्षमता में कमी, समय से पूर्व बुढ़ापा, समय से पूर्व बाल सफेद होना, तपेदिक, ज़ख्म, विटामिन-सी हीनता, नेत्र-ज्योती में कमजोरी और हृदय की कमजोरी।

fu'ksk %

कोई नहीं।

ndi hko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

प्रतिदिन 1-1 कैप्सूल दो बार भोजन के पश्चात पानी से सेवन कराएं।

isdax %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी एलो-वेरा कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 450 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

ग्वारपाठा (Aloe Vera Dried Extract {5% Alovin}) 450 मिली ग्राम

y{k.k %

धमनीकलाकाठिन्य, गठिया, दमा, प्रोस्टेट ग्रन्थि का आकार बढ़ना, कैंसर, यकृत की कठोरता, कोलन का अल्सर, कब्ज, मधुमेह, बवासीर, पेट की परत की सूजन, सीने में जलन, यकृत की सूजन, कोलेस्ट्रॉल का ऊंचा एल.डी.एल. स्तर, अम्लता, रक्त में अत्यधिक मात्रा में वसा या चर्बी, Irritable Bowel Syndrome, पेट के कीड़े, गुर्दे और यकृत रोग, पेटिक अल्सर, प्रतिरक्षा क्षमता की कमी के कारण लगातार रोगों में लिप्त रहना, छालरोग (Psoriasis), आमवात, अल्सर और मूत्र नली में संक्रमण।

fu'ksk %

गर्भावस्था में तथा दूध पिलाने के दौरान इसका सेवन न कराएं।

ndi hko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

प्रतिदिन एक या दो कैप्सूल सुबह नाश्ते के समय पानी के साथ दें।

isdax %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी करेला कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

करेला (Momordica charantia Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

रक्त दोष, मधुमेह, गाउट, तिल्ली और यकृत के विकार, छालरोग (Psoriasis) और आमवात।

fu'ksk %

गर्भावस्था में इसका सेवन न कराएं। जिनको निम्न रक्त शर्करा हैं वे भी इसका सेवन न करें क्योंकि यह रक्त शर्करा के स्तर को और भी गिरा सकता है। जो लोग रक्त

शर्करा कम करने की दवाओं का प्रयोग कर रहे हैं या इंसुलिन का उपयोग कर रहे हैं वे केवल चिकित्सक की देखरेख में करेला का उपयोग करें।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन दो कैप्सूल सुबह नाश्ते के समय पानी के साथ दें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी कासनी कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

कासनी	(Cichorium intybus Dried Extract)	100 मिली ग्राम
कासनी	(Cichorium intybus Powder)	400 मिली ग्राम

y{k.k %

उदर का फूलना, दमा, पेट फूलना, डकार, मस्तिष्क की कमजोरी, जलोदर, दुष्पचन, तिल्ली का बढ़ जाना, ज्वर, गैस, मुत्राशय की पत्थरी, गाउट, सिर दर्द, यकृत की सूजन, यकृत का बढ़ जाना, कोलेस्ट्रॉल की स्तर का बढ़ जाना, पीलिया, वृक्क का विकार, भूख की कमी, वृक्क एवं मूत्राशय के विकार, मासिक धर्म से पूर्व के कष्ट, आमवात, तिल्ली की सूजन, सुस्त पाचन क्रिया एवं मूत्र नलियों के रोग।

fu'ksk %

गर्भावस्था में तथा दूध पिलाने के दौरान इसका सेवन न कराएं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन एक कैप्सूल दो बार भोजन से पूर्व पानी के साथ दें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी कुल्थी कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

कुल्थी	(Dolichos biflorus Dried Extract)	250 मिली ग्राम
--------	-----------------------------------	----------------

y{k.k %

मूत्र का दर्द के साथ अथवा कठिनाई से आना, मुत्राशय की पत्थरी, मोटापा और जलोदर।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन एक या दो कैप्सूल दो बार भोजन के पश्चात् पानी के साथ दें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी कौंच कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

कौंच बीज	(Mucuna pruriens Dried Extract)	250 मिली ग्राम
----------	---------------------------------	----------------

y{k.k %

वीर्य में शुक्राणुओं का अभाव, कामलिप्सा में कमी, मानसिक अवसाद, नपुंसकता, वीर्य का पतलापन, अधीरता, अल्पशुक्राणुता (वीर्य में शुक्राणुओं की कमी), पार्किन्सनता, शीघ्र वीर्य पतन, पौरुष शक्ति की कमी, शुक्रमेह (जिर्यान), पुरुष एवं स्त्रियों में बांझपन, गर्भवति न हो पाना, वीर्य की मात्रा में कमी और गतिहीन व कमजोर शुक्राणु।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन 1 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के पश्चात् पानी के साथ दें।

i f d a x %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी कलौजी कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

कलौजी (Nigella sativa Dried Extract) 500 मिली ग्राम

y{k.k %

अम्लता, अनातर्व (मासिक धर्म का रुक जाना), भूल (स्मृतिलोप), दमा, पेट फूलना, रक्त वाहिनियों का संकुचित हो जाना, ब्रोन्काइटिस, हृदय एवं रक्त वाहिनियों के विकार, कैंसर, नज़ला, कोलिक, खांसी, मूत्राशय अथवा पित्ताशय की तन्तुमयता, मधुमेह, दस्त, सूखी खांसी, पेचिश, नपुंसकता, ज्वर, पलू, बवासीर, सिर दर्द, उच्च रक्तचाप, पीलिया, वृक्क एवं मूत्राशय की पत्थरी, कोढ़, यकृत के विकार, बालों का गिरना, मैनिन्जाइटिस (मस्तिष्ककावरणशोथ), माइग्रेन (आधा सीसी का दर्द), हृदय की धड़कन, फालिज, समय से पूर्व बाल सफेद होना, आमवात, पेट दर्द, बच्चा जन्मने के पश्चात् दूध में कमी, बर्स, मस्से और गैस।

fu'k'k %

गर्भावस्था में इसका सेवन न कराएं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन 1 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन से पूर्व पानी के साथ दें।

i f d a x % 30 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी गावज़बां कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 450 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

गावज़बां (Borago officinalis Dried Extract) 75 मिली ग्राम

गावज़बां (Borago officinalis Powder) 375 मिली ग्राम

y{k.k %

दमा, श्वास नलियों की श्लेष्मिक कला की सूजन (ब्रोन्काइटिस), नज़ला जुकाम, यकृत की कठोरता, हृदय एवं फेफड़ों की रक्त वाहिनियों में रुकावट, रोग की समाप्ति के पश्चात् की कमजोरी, खांसी, ज्वर, पलू, विषाद रोग, मासिक धर्म रुक जाने के बाद के परिवर्तन, वृक्कशोथ, हृदय की धड़कन, फुफ्फुसावरणशोथ, न्यूमोनिया, मासिक धर्म से पूर्व के कष्ट, गले में खराश, मनोवैज्ञानिक दबाव, बच्चा जन्मे के पश्चात् दूध में कमी और तपेदिक।

fu'k'k %

गर्भावस्था में इसका सेवन न कराएं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन एक या दो कैप्सूल सुबह नाश्ते के समय पानी के साथ दें।

i f d a x %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी गिलो कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

गिलो (Tinospora cordifolia Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

यकृत के ऊतकों का व्यपजनन, मधुमेह, यकृत की सूजन, पीलिया, ज्वर, मलेरिया, यकृत के विकार, प्रतिरक्षा क्षमता की कमी के कारण लगातार रोगों में लिप्त रहना और तिल्ली की सूजन।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन एक कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के पश्चात् पानी से सेवन कराएं।

i f d a x % 60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी गुग्गुलु कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

गुग्गुलु (Commiphora mukul Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

धमनीकलाकाठिन्य, सन्धिशोथ, कोलेस्ट्रॉल का उंचा एल.डी.एल. स्तर, गाउट, कमर में दर्द, प्रातः को जोड़ों का अकड़ जाना, स्नायुदौर्बल्य, मोटापा, अस्थिसन्धिशोथ, बवासीर, आमवात, गृध्रसी, ट्राइग्लाइसेराइड्स का बढ़ा हुआ स्तर, मुत्रनली में जलन काली खांसी।

fu'k{k %

आमाशय की सूजन और दस्त में इसका प्रयोग न कराएँ। यह थाइरॉयड और बच्चे दानी की उत्तेना बढ़ाती है अतः इसका प्रयोग थाइरॉयड ग्रन्थि की अत्यधिक बढ़ी हुई क्रियाशीलता और गर्भावस्था के समय न कराएँ।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन 1 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के पश्चात् पानी के साथ दें।

i fda %

30 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी गुडमार कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

गुडमार बूटी (Gymnema sylvestre Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

मधुमेह, शर्करामेह, एल.डी.एल. कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लाइसेराइड्स का स्तर बढ़ जाना, रक्त में ग्लूकोज़ या शक्कर की कमी और बार-बार मूत्र आना।

fu'k{k %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन 1 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन से पूर्व पानी के साथ दें। जड़ी-बूटियों से बनी औषधियों के उपयोग से अच्छे ही नहीं किन्तु दीर्घ परिणाम प्रतीत होते हैं। गुडमार के लाभों का परिक्षण करने के लिए कम से कम तीन या चार सप्ताह तक निरन्तर देते रहें। इसका पूरा लाभ प्राप्त करने के लिए छः मास से दो वर्ष तक के समय की अवधि की आवश्यकता होती है। व्यक्तिगत रूप से परिणाम इस बात पर निर्भर करता है कि उस की दशा एवं कारण क्या है जिसके लिये गुडमार दी जा रही है।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी गोखरू कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

छोटा गोखरू (Tribulus terrestris Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

अशुक्राणुता (वीर्य में शुक्राणुओं का अभाव), प्रोस्टेट ग्रन्थि का आकार बढ़ना, मूत्राशय में पथरियां, मूत्र में जलन, कामलिप्सा में कमी, नपुंसकता, ग्लिट, सुजाक, वीर्य का पतलापन, मूत्र को रोकने में अक्षमता, वृक्क की दुष्क्रिया, पुरुषों में प्रसवन अशक्ति, अल्पशुक्राणुता, शीघ्र वीर्य पतन, वृक्क में कष्ट, पौरुष शक्ति की कमी और स्त्रियों में बांझपन।

fu'k{k %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन एक या दो कैप्सूल भोजन के पश्चात् पानी के साथ दें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी तगर कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

असारून (Valeriana wallichii Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

विनाशकारी एवं आक्रमक व्यवहार, चिंता व परेशानी, कोलिक, भ्रम, मानसिक अवसाद, मासिक धर्म के समय दर्द होना (कष्टार्तव), मर्गी, थकावट, उत्तेज्यता, सिर दर्द, यकृत की सूजन, यकृत का बढ़ जाना, बच्चों में अतिक्रियाशीलता (Hyperactivity), रोगभ्रम, उच्च रक्तचाप, हिस्टीरिया, अनिद्रा, चिड़चिड़ापन, भूख की कमी, यकृत की दुष्क्रिया, मस्तिष्क की उलझन, मासिक धर्म रुक जाने के बाद के परीवर्तन, मासिक धर्म के कारण ऐंठन, माइग्रेन, मिचली, स्नायुदौर्बल्य, स्नायुओं की उत्तेजनशीलता, हृदय की धड़कन, भय, डर, मासिक धर्म से पूर्व के कष्ट, बचैनी, प्लीहा की दुष्क्रिया, प्लीहा का बढ़ जाना, मनोवैज्ञानिक दबाव एवं मानसिक खिचाव।

fu'ksk %

गर्भावस्था में इसका सेवन न कराएं और 12 वर्ष से कम आयु के बच्चों को न दें।

nd i tkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन 1 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के पश्चात् पानी के साथ दें। अनिद्रा में बिस्तर पर जाने से लगभग एक घण्टा पूर्व 2 कैप्सूल पानी के साथ दें। शराब या बारबीचूरेट्स या कोई शामक औषधि न दें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी तुलसी कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

तुलसी (Ocimum sanctum Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

पेट फूलना, अल्जाइमर रोग, संधिवात, दमा, रक्त दोष, ब्रोंकाइटिस, हृदय रोग, नज़ला-जुकाम, सेल्युलाईट, सिर दर्द, खाँसी, कण्ठशोथ, अवसाद, मधुमेह, दस्त,

पेचिश, मूत्र का दर्द के साथ अथवा कठिनाई से आना, Eosinophilia, बुखार, उदर वायु, गैस्ट्रिक विकार, वातरोग, बालों का झड़ना, मुँह की दुर्गंध, हिचकी, धमनीकलाकाठिन्य, उच्च रक्तचाप, हिस्टीरिया, अपच, पलु, भूख की कमी, बर्स, मलेरिया, मितली, उदर फुलाव, जलोदर, अल्पशुक्राणुता, प्रतिरक्षा क्षमता की कमी के कारण लगातार रोगों में लिप्त रहना, बलगम, बवासीर, समय पूर्व बाल सफ़ेद होना, आमवात, मौसमी बुखार, पुरुषत्व में कमी, वायुविवरशोथ, त्वचा रोग, गले में खराश, तनाव, स्तनों में दूध के बहाव और उत्पादन में कमी, तपेदिक, उल्टी और सांस बाहर छोड़ने में सीटी बजने जैसी आवाज़ निकलना।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i tkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1-1 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन से पहले सेवन कराएं।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी त्रिकाटू कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

बड़ी पीपल	(Piper longum Powder)	83.33 मिली ग्राम
काली मिर्च	(Piper nigrum Powder)	83.33 मिली ग्राम
सोंठ	(Zingiber officinale Powder)	83.33 मिली ग्राम

y{k.k %

दमा, पेट फूलना, अपच, डकारें आना, ब्रोंकाइटिस, जुकाम, कब्ज, खाँसी, बुखार, एल.डी.एल कोलेस्ट्रॉल स्तर का अधिक बढ़ना, थाइरॉयड ग्रन्थि क्रियाशीलता का कम होना, पेट के कीड़े, दुष्पचन, आंतों की सूजन, भूख की कमी, मिचली, मोटापा और जलोदर।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के पश्चात सेवन कराएं।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी त्रिफला कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

हड़	(Terminalia chebula Dried Extract)	83.33 मिली ग्राम
बहेड़ा	(Terminalia bellerica Dried Extract)	83.33 मिली ग्राम
आमला	(Emblica officinalis Dried Extract)	83.33 मिली ग्राम

y{k.k %

पेट फूलना, संधिवात, दमा, रक्त दोष, ब्रॉकाइटिस, हृदय रोग, नजला-जुकाम, कब्ज, खॉंसी, बुखार, उदर वायु, गैस्ट्रिक विकार, बालों का झड़ना, सिर दर्द, दुष्पचन, भूख की कमी, बवासीर, समय से पूर्व बुढ़ापा, समय पूर्व बाल सफेद होना और नेत्र-ज्योती की कमजोरी।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

2-2 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के पश्चात सेवन कराएं।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी निसोथ कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

तुर्बद सफेद (Ipomoea turpethum Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

सन्धिशोथ, दमा, ब्रॉकाइटिस, कोलिक (शूल), कोलन की सूजन (कोलाइटिस), कब्ज, खॉंसी, पेचिश, लक्वा, पीलिया, मोटापा, जलोदर, पक्षाघात, बवासीर, आमवात, तिल्ली का बढ़ जाना और सुस्त यकृत।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल रात में पानी के साथ दें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी नीम कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

बर्गे नीम (Melia azadirachta Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

मुहासे, रक्त अशुद्धता, बालतोड़, मधुमेह, एगिज्मा, गर्मी दाने, आंत में कृमि, पीलिया, कोढ़, श्वेत कुष्ठ (बर्से), मलेरिया ज्वर, प्रतिरक्षा क्षमता के कारण निरन्तर संक्रमण, फुन्सी, त्वचा की सूजन एवं घाव।

fu'k'k %

गर्भावस्था में इसका सेवन न कराएं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

प्रतिदिन 1 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के पश्चात् पानी के साथ दें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी नीलोफ़र कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

गुल नीलोफ़र (Nymphaea lotus Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

चिंता एवं परेशानी, दमा, आंत के रोग, श्वास नलियों की श्लेष्मिक कला की सूजन (ब्रोन्काइटिस), खांसी, दस्त, मूत्र का दर्द के साथ अथवा कठिनाई से आना, ज्वर, बवासीर, यकृत की सूजन, अनिद्रा, पीलिया, वृक्क की दुष्क्रिया, जलोदर, हृदय की धड़कन और तपेदिक।

fu'k/k %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

प्रतिदिन 2 कैप्सूल दो बार भोजन लेने के पश्चात् पानी के साथ दें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी पंबादाना कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

बिनौला (Gossypium herbaceum Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

अनार्तव, कष्टार्तव, अन्तर्गर्भाशय अस्थानता, सामान्य दुर्बलता, अत्यार्तव, आर्तव-काल के अतिरिक्त अन्य किसी भी समय होने वाला गर्भाशय-रक्तस्राव, अल्पशुक्राणुता,

प्रसवोत्तर, पौरुष शक्ति की कमी और जनने के पश्चात् दूध में कमी।

fu'k/k %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

प्रतिदिन 1 या 2 कैप्सूल दो बार भोजन के पश्चात् पानी के साथ दें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी पुनर्नवा कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

पुनर्नवा (Boerhavia diffusa Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

जलोदर और मूत्र नलियों के रोग।

fu'k/k %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

प्रतिदिन 2 कैप्सूल दो बार भोजन लेने के पश्चात् पानी के साथ दें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी बाबची कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

बाबची (Psoralea corylifolia Extract) 500 मिली ग्राम

y{k.k %

त्वचा की सूजन, सोरियासिस, खुजली और बर्स ।

fu'ksk %

कोई नहीं ।

nd i tkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं ।

l ou fof/k %

प्रतिदिन एक कैप्सूल दो बार भोजन के बाद पानी से दें ।

i sda %

30 व 60 कैप्सूल का पैक ।

देहल्वी बाबूना कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

गुल बाबूना (Anthemis nobilis Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

चिंता एवं परेशानी, सन्धिवात, पेट फूल जाना, श्वास नलियों की श्लेष्मिक कला की सूजन (ब्रोन्काइटिस), नज़ला जुकाम, कोलिक, खांसी, त्वचा का खुश्क होना, मासिक धर्म का कष्ट से आना, दुष्पचन, मूत्र का दर्द के साथ अथवा कठिनाई से आना, ज्वर, गैस, पल्लू, आमाशय एवं आंतों में ऐंठन, सामान्य दुर्बलता, मसूढ़ों का फूलना, हृदय-रोग, हिस्टीरिया, अनिद्रा, चिड़चिड़ापन, पीलिया, भूक की कमी, यकृत एवं पित्ताशय के विकार, स्तनशोथ, प्रतिरक्षा क्षमता की कमी के कारण लगातार रोगों में लिप्त रहना, मासिक धर्म से पूर्व की बेचैनी, त्वचा पर लाल चकत्ते, नज़ला-जुकाम के कारण श्वास लेने में कष्ट, बेचैनी, आमवात, त्वचा में शोथ, पाचन क्रिया की सुसती, गले में खराश, उदर पीड़ा, आमाशय का अल्सर एवं मनोवैज्ञानिक दबाव ।

fu'ksk %

गर्भावस्था में तथा दूध पिलाने के दौरान इसका सेवन न कराएं । शामक औषधियों या शराब के साथ इसे लेने से मना करें ।

nd i tkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं ।

l ou fof/k %

प्रतिदिन एक कैप्सूल दो बार भोजन लेने से पूर्व पानी के साथ दें ।

i sda %

60 कैप्सूल का पैक ।

देहल्वी बीजबन्द कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

बीजबन्द (Sida cordifolia Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

प्रमेह, वीर्य का पतलापन, शीघ्र वीर्य पतन, दमा, श्वास नलियों की श्लेष्मिक कला की सूजन (ब्रोन्काइटिस), जुकाम, खांसी, पल्लू, मोटापा, जलोदर, प्रतिरक्षा क्षमता की कमी के कारण लगातार रोगों में लिप्त रहना और सांस बाहर छोड़ने में सीटी बजने जैसी आवाज़ निकलना ।

fu'ksk %

यदि अवसाद विरोधी (Anti-depressant) दवाएं प्रयोग हो रही हों या उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, थायरॉइड या बढ़े हुए प्रोस्टेट हैं तो इसका सेवन न कराएं । गर्भावस्था में तथा दूध पिलाने के दौरान भी इसका सेवन न कराएं ।

nd i tkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं ।

l ou fof/k %

1 कैप्सूल दिन में दो बार पानी के साथ दें ।

i sda %

60 कैप्सूल का पैक ।

देहल्वी बेल कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

बेल (Aegle marmelos Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

अतिसार, पेशिश, कृमि पर्याक्रमण और कोलन का अल्सर।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i tkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1 कैप्सूल दिन में दो बार पानी के साथ दें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी बेहमन कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

बेहमन सुख (Salvia haematodes Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

एल्जाएमरस रोग, रक्त की कमी, हृद्दशूल, चिंता व परेशानी, मुंह के छाले, धमनीकाठिन्य, दमा, वृद्धावस्था में भ्रम, रोग की समाप्ती के पश्चात् पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्ती, खांसी, मूत्राशय की सूजन, मानसिक अवसाद, दुष्पचन, नपुंसकता, अधिक पसीना आना, थकावट, प्लू, सामान्य दुर्बलता, नियमित गर्भपात, सिर दर्द, उच्च रक्तचाप, प्रतिरोधक तन्त्र में कमी, अनिद्रा, भूक की कमी, स्वरयन्त्र की सूजन, यकृत एवं वृक्क की दुष्क्रिया, मैनोपॉज़ (मासिक धर्म का रुकना) बदलाव, मासिक धर्म में अनियमितता, मस्तिष्क की थकावट, मायोकार्डियल इन्फार्कशन, तांत्रिका-थकान, रात्री में पसीना आना, हृदय की धड़कन, वाएरल के पश्चात् की कमजोरी, वीर्य के विकार, पौरुष शक्ति की कमी, वायुविवरशोथ (साइनॉसाइटिस) के कारण नाक बंद होना, गले में खराश, मनोवैज्ञानिक दबाव और तुण्डिका की सूजन।

fu'ksk %

गर्भावस्था में तथा दूध पिलाने के दौरान इसका सेवन न कराएं। मिर्गी के रोगी भी इस का प्रयोग न करें।

nd i tkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन 2 कैप्सूल दो बार भोजन से पूर्व पानी के साथ दें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी ब्राही कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

ब्राही (Centella asiatica Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

भूल (स्मृतिलोप), रक्त की कमी, चिंता व परेशानी, दमा, बालतोड़, ब्रोन्काइटिस, कैंसर, जुकाम, कब्ज, मानसिक अवसाद, मधुमेह, पेशिश, एक्जिमा, मिर्गी, आमाशयिक कष्ट, हिस्टीरिया, आंतों के रोग (IBS), पागलपन, अनिद्रा, काम में ध्यान न लगना, मानसिक तनाव, स्नायु विकार, स्नायुओं में दर्द, सोरियासिस, बेचैनी, विखण्डित मनस्कता (शाइजोफ्रेनिया), वृद्धावस्था, त्वचा रोग, हकलाहट, आमाशय का व्रण, मनोवैज्ञानिक दबाव, उपदंश, मूत्र मार्ग की सूजन, टांग की रगों में सूजन (वेरिकोस वेन्स) और हृदय की कमजोरी।

fu'ksk %

गर्भावस्था में तथा दूध पिलाने के दौरान इसका सेवन न कराएं। मानसिक तनाव एवं चिन्ता को कम करने वाली औषधियां अगर सेवन की जा रही हैं तब भी इस का प्रयोग न कराएं। इसे खून पतला करने वाली औषधि के साथ प्रयोग न कराएं।

nd i tkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन एक कैप्सूल दो बार भोजन के साथ पानी से दें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी मकोह कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

मकोह (Solanum nigrum Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

हृदय रक्त वाहिनियों के रोग, यकृत कठोरता, कब्ज, खांसी, ज्वर, सुजाक, गाउट, हृदय रोग, यकृत का बढ़ जाना, पीलिया, यकृत की दुष्क्रिया, जलोदर, स्वरयन्त्र की सूजन, बवासीर, आमवात, त्वचा रोग, तिल्ली की सूजन, तिल्ली का बढ़ जाना और तपेदिक।

fu'ksk %

गर्भावस्था में तथा दूध पिलाने के दौरान इसका सेवन न कराएँ।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन 1 या 2 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के पश्चात् पानी के साथ दें।

i sda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी मालकंगनी कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

मालकंगनी (Celastus paniculatus Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

स्मरणशक्ति का विकार, स्नायुदौर्बल्य, सन्धिवात, स्मृतिलोप, चिंता, आमवात, अवसाद, नपुंसकता, गठिया, सिरदर्द, लकवा, खुजली, जोड़ों में दर्द, एकाग्रता की कमी, कुष्ठ, बर्स, यकृत रोग, कटिवात, गठियारूप सन्धिवात, नसों की दुर्बलता, पक्षाघात, रुमेटी गठिया, कटिस्नायुशूल, यौन दुर्बलता, त्वचा रोग, घाव, अल्सर, हृदय की कमजोरी और घाव।

fu'ksk %

इसको अधिक मात्रा में सेवन कराने से त्वचा की जलन और उल्टी की शिकायत

हो सकती है।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1 कैप्सूल दिन में दो बार पानी के साथ दें।

i sda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी मुलेठी कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

मुलेठी (Glycyrrhiza glabra Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

दमा, ब्रॉन्काइटिस, नजला जुकाम, खांसी, पलू, आमाशय / ग्रहणी में अल्सर, मानसिक अवसाद, ज्वर, सीने में जलन, गला बैठ जाना, अत्यम्लता, रक्त में ग्लूकोज अथवा शक्कर की कमी, स्वरयन्त्र की सूजन, पाचक अल्सर, प्रतिरक्षा क्षमता की कमी के कारण लगातार रोगों में लिप्त रहना, बलगम, गले में खराश, तपेदिक, कोलोन में अल्सर, मूत्र नलियों में दर्द और यकृत में वाइरस के कारण से होने वाली सूजन।

fu'ksk %

यदि कोई ऐसा रोग है जो यकृत से पित्त के बहाव को रोकता है तो मुलेठी का सेवन न कराएं। अगर पेशियों में तनाव, वृक्क की खराबी, हाइ ब्लड प्रेशर, मधुमेह या रक्त में पोटेशियम की मात्रा कम हो तब भी इसका प्रयोग न कराएं। गर्भावस्था और रक्त की कमी में इसका सेवन न कराएं।

nd i Hkko %

मुलेठी के कुछ दुष्प्रभाव होते हैं जैसे स्त्रियों में मासिक धर्म का बन्द हो जाना, रक्तचाप का बढ़ जाना, सिर दर्द, पानी एवं सोडियम का एकत्रित होना, रक्त में पोटेशियम की मात्रा कम होना, पुरुषों में जिन्स इच्छा और कामलिप्सा में कमी।

I ou fof/k %

प्रतिदिन 1 या 2 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के पश्चात् पानी के साथ दें।

i sda %60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी मूसली सफ़ैद कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

मूसली सफ़ैद (Chlorophytum arundinaceum Dried Extract) 125 मिली ग्राम

मूसली सफ़ैद (Chlorophytum arundinaceum Powder) 375 मिली ग्राम

y{k.k %

नपुंसकता, सामान्य दुर्बलता, अल्पशुक्राणुता (वीर्य में शुक्राणुओं की कमी), प्रतिरक्षा क्षमता की कमी के कारण लगातार रोगों में लिप्त रहना, समय से पूर्व बुढ़ापा, वीर्य के विकार, पौरुष शक्ति की कमी और शुक्रमेह।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन 1 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के पश्चात् पानी के साथ दें।

i fda %

30 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी मेथी कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

मेथी (Trigonella foenum-graecum Dried Extract) 150 मिली ग्राम

मेथी (Trigonella foenum-graecum Powder) 350 मिली ग्राम

y{k.k %

उदर का फूलना, ब्रोन्काइटिस, नज़ला जुकाम, कोलिक (शूल), कोलन की सूजन, कब्ज़, रोग की समाप्ति के पश्चात् पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्ति, खांसी, मधुमेह शक्करी, दस्त, विपुटीशोथ, जलोदर, कष्टार्तव, पेशिश, ज्वर, आमाशय एवं आंत में अत्यधिक गैस बनना, आमाशयशोथ, यकृत का बढ़ जाना, एल.डी.एल कोलेस्ट्रॉल स्तर का अधिक बढ़ना, दुष्पचन, आंतों की सूजन, भूक की कमी, श्वेतप्रदर, मुटापा, मासिक धर्म रुकने के बाद के कष्ट, ज़च्चगी के कष्ट, साइनोंसाइटिस, गले में खराश,

तिल्ली के विकार, जनने के पश्चात् दूध में कमी, तपेदिक, अल्सर, स्तनों का छोटा होना एवं झुरियां।

fu'ksk %

गर्भावस्था में इसका सेवन न कराएं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन 2 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के पश्चात् पानी के साथ दें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी मोचरस कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

मोचरस (Bombax malabaricum Dried Extract) 500 मिली ग्राम

y{k.k %

पेशिश, दस्त, रक्तस्रावी बवासीर, कोलन की सूजन (कोलाइटिस), फेफड़ों की टीबी में बलगम में खून आना, इन्फ्लूएंजा और अत्यार्तव।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

1 कैप्सूल दिन में दो बार पानी के साथ दें।

i fda %

30 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी मौरिगा कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 400 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

मौरिगा (Moringa oleifera Dried Extract) 400 मिली ग्राम

y{k.k %

रक्त की कमी, संधिवात, जिवाणु, कवक, विषाणुजनित तथा परजीवी के संक्रमण, दमा, केंसर, कब्ज, मधुमेह, दस्त, मिर्गी, तरल अवरोधन (वॉटर रिटेंशन), सिर दर्द, उच्च रक्तचाप, आंतों की ऐंठन, पेट के अलसर, मुत्राशय की पत्थरी, आमवात, उदर पीड़ा और पेट संबंधी व थायराइड विकार।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन एक कैप्सूल दिन में दो बार पानी से दें।

i fda %

30 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी लहसुन कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 200 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

लहसुन (Allium sativum Dried Extract) 200 मिली ग्राम

y{k.k %

धमनीकलाकाठिन्य, सन्धिशोथ, दमा, ब्रॉन्काइटिस, कैंसर, हृदय रक्त वाहिनियों के रोग, नज़ला जुकाम, खांसी, मधुमेह, ज्वर, गैस, कवक द्वारा त्वचा पर संक्रमण, कोलेस्ट्रॉल का बढ़ा हुआ स्तर, उच्च रक्तचाप, गले एवं मुंह की सूजन, पलू, मिचली, हृदय की धड़कन, प्रतिरक्षा क्षमता में कमी, निमोनिया, आमवात, लैंगिक क्षीणता, गले में खराश, रक्त वाहिनी में रक्त के थक्के का बनना (Thrombosis) और वेरीकोस वेन्स।

fu'k'k %

लहसुन में रक्त को पतला करने का प्रभाव है अतः जिन व्यक्तियों को रक्त बहने

का रोग है जैसे हीमोफीलिया या बिम्बाणु विकार तो वह लहसुन से बनी औषधियों का प्रायोग न कराएं। गर्भावस्था में तथा दूध पिलाने के दौरान इसका सेवन न कराएं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन 1 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन से पूर्व पानी के साथ दें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी लैवेंडर कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 400 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

उस्तखुददूस (Lavandula stoechas Dried Extract) 133 मिली ग्राम

उस्तखुददूस (Lavandula stoechas Powder) 267 मिली ग्राम

y{k.k %

चिंता व परेशानी, दमा, ब्रॉन्काइटिस, नज़ला जुकाम, मस्तिष्क की कमजोरी, कोलिक (शूल), खांसी, मानसिक अवसाद, चक्कर आना, सिर दर्द, अनिद्रा, चिड़चिड़ापन, मेलन्कोलिया (खिन्नता), मस्तिष्क की थकन, माइग्रेन, बेचैनी, साइनस, मनोवैज्ञानिक दबाव और तनाव के कारण सिर दर्द।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन दो कैप्सूल सुबह पानी के साथ दें।

i fda %

30 व 60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी वसाका कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

वसाका (Adhatoda zeylanica Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

दमा, ब्रोन्काइटिस, थूक के साथ खांसी, धूम्रपान के कारण खांसी और तपेदिक।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

प्रतिदिन 2 कैप्सूल दो बार भोजन लेने के पश्चात् पानी के साथ दें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी विलाएती इमली कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

विलाएती इमली (Garcinia cambogia Dried Extract) 500 मिली ग्राम

y{k.k %

मोटापा, चर्बीलापन और अतिरिक्त वसा को जलाने के लिए प्रभावी रूप से प्रयुक्त और कोलेस्ट्रॉल का ऊंचा एल.डी.एल. स्तर।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के पश्चात् पानी के साथ दें। उचित लाभ के लिए कई सप्ताह तक सेवन कराएं। नियमित प्रयोग कराते रहने से बेहतर ही नहीं बल्कि दीर्घ समय तक इस का परिणाम बना रहता है।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी वीटग्रास कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

वीटग्रास (Triticum aestivum Dried Extract) 500 मिली ग्राम

y{k.k %

जिवाणु संक्रमण, कब्ज़, मधुमेह, सांस की बदबू, उच्च रक्तचाप, आंतों की सूजन, (Irretable Bowel Syndrome), रक्त की कमी, प्रतिरक्षा क्षमता की कमी, कुपोषण, अमाशय का अलसर, थैलासीमिया, थाइराइड विकार, दांतों की सडन और जिगर की विषाक्तता (दवाओं, शराब, जंक फूड आदि के कारण)।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

l ou fof/k %

2 कैप्सूल सुबह नाश्ते से 1 घण्टा पहले पानी के साथ दें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी शंखपुष्पी कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

शंखाहुली (Evolvulus alsinoides Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

भूल (स्मृतिलोप), चिंता व परेशानी, पित्त की अधिकता, ब्रोन्काइटिस, पेचिश, मिर्गी, ज्वर, सामान्य दुर्बलता, उच्च रक्तचाप, अनिद्रा, संवेदनशील होना, समय से पूर्व वृद्धावस्था, बेचैनी और मनोवैज्ञानिक दबाव, रसायनिक दबाव एवं क्षतिज दबाव।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nq i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन 1 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन से पूर्व पानी के साथ दें।

i sda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी शिलाजीत कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 500 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

शिलाजीत शुद्ध (Asphaltum Purified) 500 मिली ग्राम

y{k.k %

रक्त की कमी, जलोदर, दमा, पित्त संकुलन, रक्त की खराबी, ब्रोन्काइटिस, मूत्रनली में जलन, कब्ज, मधुमेह, यकृत और प्लीहा का बढ़ जाना, मिर्गी, अत्यधिक प्यास लगना, थकावट, हड्डी-टूटना, पित्ते की पत्थरी, सामान्य दुर्बलता, रक्त में वसा की अधिकता, हिस्टीरिया, अपाचन, पागलपन, पीलिया, भूक की कमी, अधीरता, मोटापा, प्रतिरक्षा क्षमता में कमी के कारण लगातार रोगों में लिप्त रहना, बार-बार मूत्र आना, बवासीर, वृक्क एवं मूत्राशय की पत्थरी, पौरुष शक्ति की कमी, लैंगिक थकावट, वृद्धावस्था में पौरुष शक्ति की कमी, त्वचा-रोग, सुस्त पाचन क्रिया एवं तपेदिक।

fu'ksk %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

nq i Hkko %

कोई नहीं।

I ou fof/k %

1 या 2 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन के पश्चात् पानी के साथ दें।

i sda %

30 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी सतावर कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

शतावरी (Asparagus \ Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

अनार्तव, कामलिप्सा में कमी, कष्टार्तव, नपुंसकता, मूत्रनली में संक्रमण, स्त्रियों में बांझपन, श्वेतप्रदर, मासिक धर्म के रुक जाने के उपरान्त बदलाव, मासिक धर्म के कारण ऐंठन, मासिक धर्म से पूर्व के कष्ट, वीर्य के विकार, पौरुष शक्ति की कमी, शुक्रमेह, जनने के पश्चात् दूध में कमी, गर्भपात होने का भय और योनि का सूखापन।

fu'ksk %

वृक्क की खराबी, दस्त और गठिया के रोगियों को इसका सेवन न कराएं।

nq i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन 1 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन से पूर्व पानी के साथ दें। उचित लाभ के लिए कई सप्ताह तक सेवन कराएं। नियमित प्रयोग कराते रहने से बेहतर ही नहीं बल्कि दीर्घ समय तक इस का परिणाम बना रहता है।

i sda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी सना कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 250 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

सनाय मक्की (Cassia angustifolia Dried Extract) 250 मिली ग्राम

y{k.k %

गाउट, आदि कब्ज, आंतों के कीड़े, कटि-प्रदेश में शूल, माइग्रेन (आधा सीसी का दर्द), आमवात और गृध्रसी।

fu'k'k %

आंतों के बन्द होने, आंतों में अत्यधिक सूजन, दस्त, आंत्रपुच्छ-कोप, कोलन में अल्सर, Crohn's Disease या 12 वर्ष से कम आयु के बच्चों को देना, गर्भावस्था में, मासिक धर्म या दूध पिलाने के दौरान इसका सेवन न कराएं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

रात को 2 कैप्सूल सोते समय पानी के साथ दें। अधिक लाभ दायकता बढ़ाने के लिए इसे 1 अदरक या बदियान कैप्सूल के साथ दें। निश्चित मात्रा से अधिक न दें और इसका सेवन निरन्तर दस दिन से अधिक न कराएं क्योंकि दस दिन से अधिक देने से इस पर ही आंतों का कार्य निर्भर हो जाएगा और स्वयं आंतों का कार्य सुस्त हो जाएगा और परिणाम इसका यह होगा कि बिना औषधि प्रयोग किए पूर्ण रूप से साफ मल-त्याग न होगा। मलद्वार से रक्त स्राव होना या किसी दस्त लाने वाली औषधि के उपरान्त मल नहीं निकलता है तो यह एक भयंकर रोग दरशाता है। ऐसी दशा में इसका प्रयोग बन्द करा दें और किसी वरिष्ठ या विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श करें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी सलाई-गुग्गुल कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 225 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

कुंदुर (Boswellia serrata Dried Extract) 225 मिली ग्राम

y{k.k %

सन्धिशोथ, दमा, ब्रोन्काइटिस, कन्धे और घुटने के जोड़ के बर्सा का शोथ, दस्त, मिर्गी, फाइब्रोसाइटिस, कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लाइसेराइड्स का बढ़ा हुआ स्तर, पीलिया, कमर के निचले भाग में दर्द, प्रातः को जोड़ों का अकड़ जाना, मांसपेशियों

की सूजन, अस्थिसन्धिशोथ, आमवात, गठियारूप सन्धिशोथ, खेल के दौरान लगने वाली चोट और कोलन का अल्सर।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

प्रतिदिन 2 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन से पूर्व पानी के साथ दें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी स्पिरूलीना कैप्सूल

feJ.k %

प्रत्येक 450 मिली ग्राम कैप्सूल में शामिल पदार्थ :

स्पिरूलीना (Spirulina platensis Dried Extract) 450 मिली ग्राम

y{k.k %

पोषण की कमी, प्रतिरक्षा क्षमता की कमी के कारण लगातार रोगों में लिप्त रहना, रक्ताल्पता (Anaemia), कैंसर, यकृत रोग, यकृत बढ़ जाना (हेपेटाइटिस) और यकृत की कठोरता।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

I ou fof/k %

2 कैप्सूल दिन में दो बार भोजन से पूर्व पानी के साथ दें।

i fda %

60 कैप्सूल का पैक।

देहल्वी के आइण्टमेंट

एक्जी क्रीम

fooj.k :

एक्जीमा त्वचा में सूजन की एक आम बीमारी है जिसके कारण त्वचा में खुजली, लाली और दर्द करने वाली सूजन आ जाती है। लक्षणों में लाल धब्बा जो जल्दी ही गायब हो जाता है और गंभीर रूप में वापस आता है और बहुत समय तक रहता है एक्जीमा के खास लक्षण इस प्रकार हैं : खुजली, लाली, त्वचा के नीचे छोटे-छोटे दानों में पानी भरने के कारण त्वचा का खुर्दरापन, दानों के फटने से द्रव का रिसाव चाहे स्वयं हो या खुजाने के कारण, त्वचा के सूखने पर हल्की परत का बन जाना, कभी-कभी त्वचा से उखड़ने वाली परत एक्जीमा की पहचान है।

एक्जी क्रीम खुजली में आराम देती है, सूखेपन को दूर कर त्वचा मुलायम करती है और लाली को दूर करती है। दानों के बनने को रोकती है तथा सूखी परत का बनना बंद करती है।

feJ.k %

प्रत्येक मि.ग्रा. में शामिल पदार्थ :

काफूर	(Camphor)	3%
गंधक	(Sulphur)	3%
कमीला	(Mallotus philippinensis)	3%
रौगन करंजवा	(Pongamia glabra Oil)	9%
रौगन नीम	(Melia azadirachta Oil)	12%
बेस	(Base)	आवश्यकतानुसार

y{k.k %

एक्जीमा, त्वचा विकार, त्वकपूयता (Pyodermas), दाद, अल्पशल्कीय त्वक्शोथ (exfoliative dermatitis), पित्ती (urticaria), स्केबीज, आदि।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i kko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

i z kx fof/k %

आवश्यकतानुसार आइण्टमेंट को सुबह-शाम त्वचा के प्रभावी हिस्से पर लगाएं।

ijgst+o vkgkj %

डेरी उत्पाद से परहेज़ करें, बाज़ार की डिब्बा बंद वस्तुएं सेवन न करें, लाल मांस, चाय, कॉफी, मसालेदार और तले हुए भोजन आदि न खाएं। ताजे फल, हरी सब्जियां, छोटे लाल फल, तिल और सूरजमुखी का तेल, दालें, बीन, सोया उत्पाद, बीज वाले मेवे, अनाज, फलों के ताजे रस, हर्बल चाय आदि का सेवन करें।
सावधानी : जानवरों को साथ रखना, अचानक सर्द-गर्म वातावरण, उमस, सूखा मौसम, तंग और खुजली पैदा करने वाले कपड़े, ऊन, सफ़ाई करने वाले रसायन इत्र परफ्यूम, पसीना, मेहनत, धूल और साबुन आदि से बचें।

ifdx %

50 ग्राम के पैक में।

डर्मा-एड आइण्टमेंट

fooj.k :

वितिलिगो या सफेद दाग, त्वचा के किसी भाग में त्वचा को प्राकृतिक रंग देने वाले तत्व के अभाव में, पैदा होता है। या तो त्वचा को रंग देने वाली कोशिकाएं कम हो जाती हैं या उनकी बनने की प्रक्रिया बंद हो जाती है। सफेद दागों का सही कारण, (कुछ विशेष रसायन के संपर्क में आने के अतिरिक्त) पता नहीं चला है। लेकिन शोध कार्यों से इशारा मिलता है कि यह रोग रक्षक प्रणाली (आटोइम्यून), जेनेटिक आक्सीकारक तनाव, तंत्रिय या वाइरल कारणों से हो सकता है।

वितिलिगो (सफेद दाग) में रंग बनाने वाली कोशिकाएं ठीक से काम करना बंद कर देती हैं। डर्मा-एड आइण्टमेंट त्वचा पर स्थानीय धमनी छिद्रों को फैला कर प्लाज़मा की उत्पत्ति को बढ़ाने में सहायता करता है। इस प्रकार त्वचा लाल हो जाती है और रंग बनाने वाली कोशिकाएं, सक्रिय हो जाती हैं। इसके लगातार प्रयोग से त्वचा का प्राकृतिक रंग वापस आ जाता है।

feJ.k %

प्रत्येक मि.ग्रा. में शामिल पदार्थ :

बावची तेल	(Psoralea corylifolia Oil)	15%
बेस	(Base)	85%

y{k.k %

सफेद दाग, धब्बे और डर्माटाइटिस।

fu'k'k %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

i z ksx fof/k %

आवशक्तानुसार आइण्टमेंट को सुबह-शाम सफेद दागों पर लगाएं।

ijgst+o vkgkj %

परहेज़ – फल : संतरा, करोंदा, शरीफ़ा, अमरूद, काजू, तरबूज़ आदि। सब्जियां : बैंगन, अजमोद (Parsley), पपीता, नींबू, टमाटर, इमली और लहसून। दूध उत्पाद: दूध, दही और मक्खन। मांसाहार : मछली, मांस (लाल), बीफ़। अन्य खाद्य पदार्थ: तला मसालेदार खाना, चाकलेट और काफी, सोडा पानी, अन्य बोटलबंद पेय और अचार आदि।

खाद्य पदार्थ जो खाने चाहिए –सब्जियां : गाजर, मूली, चुकंदर, करेला, मेथी, पालक तथा प्याज़। फल : आम, अंगूर, अखरोट, ख़ुबानी, खजूर।

अन्य खाद्य पदार्थ : गेहूं, शुद्ध घी, लाल मिर्च, गुड़, पिस्ता, बादाम, आलू व मिर्च।

i f d a x %

50 ग्राम के पैक में।

सोरो-एड आइण्टमेंट

fooj .k :

सोरिएसिस असंक्रामक त्वचा विकार है जिसमें मोटी परत त्वचा पर बन जाती है। त्वचा की सूखी परत का कारण त्वचा कोशिकाओं का असाधारण गिल्टियों (Lymphocytes) की इम्यून हमलों के फलस्वरूप बढ़ जाना है। सोरिएसिस सामान्यतः कुहनी, घुटनो और सर के बीच पैदा होती है। सोरो-एड आइण्टमेंट त्वचा को आराम देता है और प्रभावित स्थान का सूखापन सामापत कर त्वचा को मोटा होने और परत बनाने से रोकता है। सोरो-एड आइण्टमेंट सूजन कम करता, परत बनने को रोकता और त्वचा की परतों को दोहरी होने से रोकता है। यह त्वचा की परत को साफ कर देता है।

feJ.k %

प्रत्येक मि.ग्रा. में शामिल पदार्थ :

काफूर	(Camphor)	1%
रौगन देवदार	(Cedrus deodara Oil)	5%
रौगन इन्द्रजो शीरीं	(Wrightia tinctoria Oil)	5%
रौगन करंजवा	(Pongamia glabra Oil)	10%

रौगन नीम

(Melia azadirachta Oil) 15%

बेस

(Base)

आवश्यकतानुसार

y{k.k %

सोरिएसिस विभिन्न प्रकार के त्वचा विकार, नाखून व त्वचा में फंफूदी (fungal), संक्रमण, एक्ज़ीमा, पित्ती उछलना, आदि।

fu'ksk %

कोई नहीं।

nd i Hkko %

कोई ज्ञात दुष्प्रभाव नहीं।

i z ksx fof/k %

प्रभावित भाग पर दिन में दो बार आइण्टमेंट को लगाएं।

ijgst+o vkgkj %

मदिरा, बाज़ार का खाना, लाल मांस, डेरी उत्पाद, खट्टे फल, gluten, मसाले, तला खाना निषेध है।

i f d a x %

50 ग्राम के पैक में।

बढ़ाता और स्मरण शक्ति तेज़ करता है।

I ou fof/k%20–30 मि.ली. प्रतिदिन दो बार। स्वादानुसार 20–30 मि.ली. पानी भी मिला सकते हैं। शहद के साथ भी सेवन कर सकते हैं।

uþjy fxyksvkeyk jI %आमला रस के सभी गुणों सहित, रोग सुरक्षा प्रणाली मज़बूत करता, त्वचा रोग, यकृत विकार, बुखार व पीलिया में लाभकारी है।

I ou fof/k%20–30 मि.ली. प्रतिदिन दो बार। स्वादानुसार 20–30 मि.ली. पानी भी मिला सकते हैं। शहद के साथ भी सेवन कर सकते हैं।

uþjy tkeþ jI %रक्त में शकर की मात्रा नियमित करता, त्वचा संबंधी विकारों में यहायक, इन्सूलिन बन्ने और पाचन क्रिया में अधिक शकर की मात्रा दूर करने व यकृत द्वारा प्रयोग करने में सहायक और बार –बार पेशाब आने व अमीबेसिस में लाभकारी है।

I ou fof/k%20 मि.ली. प्रतिदिन दो बार। स्वादानुसार 40 मि.ली. पानी भी मिला सकते हैं।

uþjy tkeþ djyk jI %समस्त जामुन व करेला रस के गुणों से परिपूर्ण है।

I ou fof/k%10–15 मि.ली. प्रतिदिन दो बार। स्वादानुसार 20–30 मि.ली. पानी भी मिला सकते हैं।

uþjy djyk jI %रक्त में शकर की मात्रा कम करता, गुलुकोज़ चयापचय में सहायक है तथा प्राकृतिक रक्त शोधक है।

I ou fof/k%10 मि.ली. प्रतिदिन दो बार। स्वादानुसार 20–30 मि.ली. पानी भी मिला सकते हैं।

uþjy edkþ dkl uh jI %यकृत, वृक्क एवं प्लीहा विकारों में लाभकारी, हेपेटायटिस A, B, C व पीलिया में लाभदायक, यकृत को विकार मुक्त रखने में सहायक, पित्त की अकधकता और यकृत के बढ़ने में लाभकारी और मूत्र नलिका को स्वच्छ रखने में सहायक है।

I ou fof/k%10 मि.ली. प्रतिदिन दो बार। स्वादानुसार 10–15 मि.ली. पानी भी मिला सकते हैं। शहद के साथ भी सेवन कर सकते हैं।

uþjy ukj I %9 गुणकारी जड़ी-बूटियों का मिश्रण, विषाक्त प्रभाव नाशक, रोग सुरक्षा प्रणाली मज़बूत करता, हृदय को स्वस्थ व सामान्य रखता, मांसिक तनाव डर को दूर करता, रक्तचाप व हृदय का संचालन नियमित करता, शरीर फुर्तीला व प्रसन्नचित करता, दीर्घायु बनाता व यौवन बढ़ाता, तनाव के कारण कमज़ोरी व उच्च

रक्तचाप आदि में सहायक, शिथिलता और उलझन दूर करता, यकृत को विकार मुक्त रखने में सहायक, अपचन, अफारा, सीने की जलन, कब्ज़, अम्लपित्त व नासूर में लाभकारी, बुढ़ापे की प्रक्रिया को कम करता, सामान्य शारीरिक शक्ति बढ़ाता, मांसिक सतर्कता व चिंतन शक्ति बढ़ाता और स्मरण शक्ति तेज़ करता तथा त्वचा व बालों पर निखार लाता है।

I ou fof/k%20–30 मि.ली. प्रतिदिन दो बार। स्वादानुसार 20–30 मि.ली. पानी भी मिला सकते हैं। शहद के साथ भी सेवन कर सकते हैं।

uþjy f=Qyk , yks ojk jI %समस्त एलो वेरा रस के गुणों के अतिरिक्त कब्ज़ दूर करता, उदर को प्राकृतिक रूपसे साफ़ करता, यकृत एवं हृदय की अधिक चर्बी को घटाता, खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता और दृष्टि बढ़ाता है। सेवन विधि: 20–30 मि.ली. प्रतिदिन दो बार। स्वादानुसार 20–30 मि.ली. पानी भी मिला सकते हैं। शहद के साथ भी सेवन कर सकते हैं।

uþjy f=Qyk veyrkl jI %समस्त त्रिफला रस के गुणों के अतिरिक्त रक्त शुद्ध करता और स यकृत से विषैल पदार्थ दूर करता है।

I ou fof/k%20–30 मि.ली. प्रतिदिन दो बार। स्वादानुसार 20–30 मि.ली. पानी भी मिला सकते हैं। शहद के साथ भी सेवन कर सकते हैं।

uþjy rþI h jI %चुस्ती, फुर्ती बढ़ाता, रोग सुरक्षा प्रणाली मज़बूत करता, सर्दी, जुकाम, खांसी, श्वास रोग, साइनोसाइटिस व ज्वर आदि में लाभकारी, रक्तचाप व कोलेस्ट्रॉल घटाने में सहायक है तथा त्वचा विकारों में लाभकारी है।

I ou fof/k%20–30 मि.ली. प्रतिदिन दो बार। स्वादानुसार 20–30 मि.ली. पानी भी मिला सकते हैं। शहद के साथ भी सेवन कर सकते हैं।

uþjy ohVxkl jI %रोगों से बचाओ करने वाले पोषक तत्वों से भरपूर आषधि, सशक्त विषाक्त प्रभाव नाशक जो शरीर में विषैले पदार्थों की हीनि से रोकता, रक्तचाप घटाता, सपाचन बढ़ाता, कब्ज़ दूर करता, आमाशय के ज़ख़म व आंत्र विकारों में लाभदायक, रक्त में लाल कोशिकाओं व धमनियों में रक्त प्रवाह को बढ़ाता, थाईरायड (गल) ग्रन्थि प्रक्रिया नियंत्रित करता, मधुमेह ये बचाता और सांस की दुर्गंध व दांतों की कमज़ोरी को रोकता है।

I ou fof/k%20–30 मि.ली. प्रतिदिन दो बार। स्वादानुसार 20–30 मि.ली. पानी भी मिला सकते हैं। शहद के साथ भी सेवन कर सकते हैं।